वृद्धि

हिंदी पाठमाला

शिक्षक-संदर्शिका

(कक्षा-1 से 5 के लिए)

MAX EDUCATION

प्रकाशक :
विक्रम गुप्ता

मैक्स एजुकेशनल पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य कार्यालय : एल-52, विजय विहार, फेस-2, सेक्टर-4, रोहिणी, दिल्ली-110085
कार्यालय : डी-16/293, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली-110085
दूरभाष : 9891303888, 9212303888, 8929283707, 8929283708
ई-मेल : info@maxeducationalpublishers.com
वेबसाइट : www.maxeducationalpublishers.com

प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग व प्रसारण वर्जित है।

Disclaimer :
Every effort has been made to avoid errors or omissions in this publication. In spite of this, some errors might have crept in. Any mistake, error or discrepancy noted may be brought to our notice which shall be taken care of in the next edition. It is notified that neither the publisher nor the author or seller will be responsible for any damage or loss of action to any one, of any kind, in any manner, therefrom.
For binding mistakes, misprints or for missing pages, etc., the publisher's liability is limited to replacement within one month of purchase by similar edition. All expenses in this connection are to be borne by the purchaser.
All disputes are subject to Delhi Jurisdiction only.

Layout & Designed : Pahuja Graphix

मुद्रक : .....

विषय-सूची

1. वृद्धि हिंदी पाठमाला, भाग-1 3–16
2. वृद्धि हिंदी पाठमाला, भाग-2 17–39
3. वृद्धि हिंदी पाठमाला, भाग-3 40–66
4. वृद्धि हिंदी पाठमाला, भाग-4 67–98
5. वृद्धि हिंदी पाठमाला, भाग-5 99–132

वर्णमाला

स्वर

अ	आ	**इ**	ई	**उ**	**ऊ**	ऋ
ए	ऐ	**ओ**	औ	**अं**	अः	

व्यंजन

क	**ख**	**ग**	घ	ङ		
च	छ	**ज**	झ	ञ		
ट	**ठ**	ड	**ढ**	ण	ड़	ढ़
त	**थ**	द	ध	**न**		
प	फ	**ब**	भ	**म**		
य	र	**ल**	**व**			
श	**ष**	**स**	ह			

संयुक्त व्यंजन

क्ष	**त्र**	**ज्ञ**	**श्र**

1. स्वरों व मात्राओं की पहचान

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1.

घर

बरगद

बरतन

मटर

2.

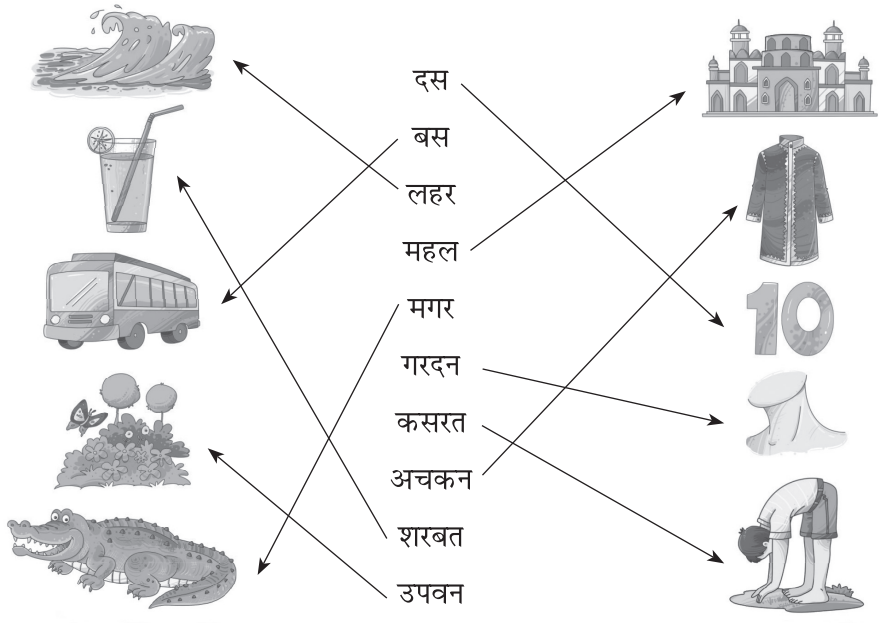

3. उपवन, अचकन, अनबन, टमटम, अजगर

2. आ – ा

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं पढ़ेंगे।

लिखकर बताइए

1. कान, नाक, हाथ, बाल, गाल, गला

2.

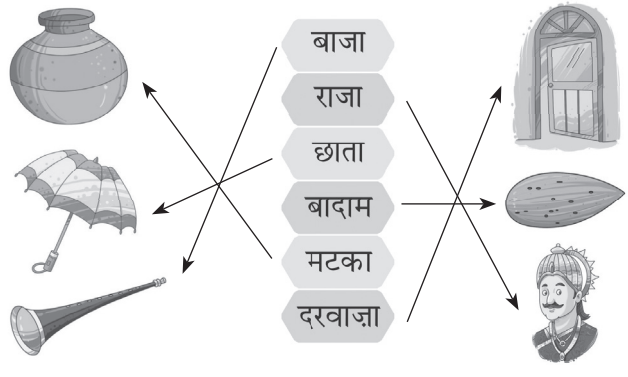

3. (क) माला **गाजर** खा।
   (ख) **कार** साफ़ कर।
   (ग) सात **आम** ला।
   (घ) राजा **बाजा** बजा।

3. इ - ि

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. मिल, मित्र
   हिल, हिम
   गिलहरी, गिरगिट
   सिर, सितार
   खिल, खिला
2. (क) चिड़िया
   (ख) तिनका
   (ग) झिलमिल
   (घ) रिमझिम
   (ङ) चिड़ा
3. वि**मा**न, **मि**ठाई, हि**र**न, **गि**टार

4. ई - ी

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. **बरफ़ी**, **खीर**, बनाई।
   मामी, **दादी**, दीदी आईं।
   पपीता, नाशपाती, शरीफा लाईं।
   गीत गाओ, **दीप** जलाओ।
2. वीर सीटी चीता पानी
3. लड़**की**, प**पी**ता, **दी**पक, छत**री**, खिड़**की**, **दी**वार

पढ़िए और लिखिए

1. डाली से **लीची** गिरी।
2. नीली **कमीज़** पहन।
3. हरा **पपीता** मत खा।
4. **बकरी** घास खा गई।

5. उ - ु

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) चुहिया एक बिल में रहती थी।
   (ख) चुनमुन की सखी का नाम मुनमुन था।
   (ग) बुलबुल ठुमक-ठुमककर नाची।
2. (क) चुनमुन (ख) रुनझुन (ग) मुनमुन
3. सुन, कानपुर, गुड़िया, कुछ, साबुन, कछुआ।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. ऊ - ू

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) पूजा और शालू झूला झूली।
   (ख) राजू खरबूजा और तरबूज़ लेकर आया।

(ग) घर जाकर राजू खूब नहाया।

(घ) शालू भी झूला झूली।

2. (क) **सूरज** चमक रहा है। (ख) **चूहा** भाग गया।

(ग) पूजा **झूला** झूल रही है। (घ) लाल **गुलाब** खिला है।

(ङ) रूपा गरम-गरम **पूरियाँ** खा रही है।

3. तूफ़ान, खजूर, जादूगर, खुशबू, भूख, धूप

7. ऋ - ृ

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) कृषक का नाम राघव था। (ख) मृग पर नृप ने तीर चलाया।

(ग) राघव ने मृग को छुपा दिया।

2.

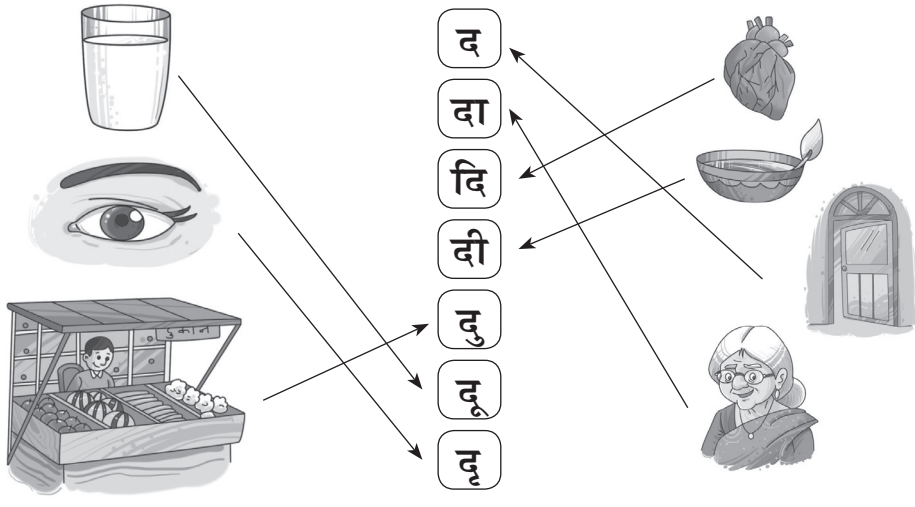

3. (क) राघव एक **किसान** था। (ख) **मृग** तृण खा रहा था।

(ग) **नृप** शिकार पर आया।

8. ए – े

बोलकर बताइए

(क) मेला देखने नेहा, मेहर और केशव गए।

(ख) केशव ने पेड़े खरीदे।

(ग) सबने सपेरे का खेल देखा।

लिखकर बताइए

1. (क) शहर में मेला लगा था।
   (ख) केशव ने जूते और पेड़े खरीदे।
   (ग) झूले पर नेहा झूली।
   (घ) नेहा और मेहर ने पेठा खरीदा।
2. खेल, लालटेन, चॉकलेट, सहेली, कपड़े, रेलगाड़ी
3. क्रमश – ✓ ✗ ✗ ✓ ✓
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

9. ऐ – ै

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) शैला थैला लेकर सैर पर गई।
   (ख) शैला का भाई शैतान था।
   (ग) भैया ने मुख में पैसा डाला।
   (घ) भैया का पैर शैला से टकराया।
2. कैमरा, नौका, सैनिक, मैना

3. **ए (े)** **ऐ (ै)** **ए (े)** **ऐ (ै)**

रेलगाड़ी	शैला	नेहा	कसैला
चेहरा	बैलगाड़ी	खेल	मैल

10. ओ - ो

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) कोयल मीठा गाती थी।
   (ख) कोयल और मोर अखरोट के पेड़ पर रहते थे।
   (ग) मोर ने नाच दिखाया।
   (घ) मोर का नाच देखने तोता, घोड़ा और खरगोश आए।
2. **मीठा** = मी + ठा **कोयल** = को + य + ल
   मोर = मो + र **ढोलक** = ढो + ल + क
   उदास = उ + दा + स **बहन** = ब + ह + न
3. ढोलक ⟶ कछुआ ⟶ आम ⟶ मछली ⟶ लीची ⟶ चीनी

11. औ - ौ

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) सौरभ जौनपुर में रहता था।
   (ख) चौराहे के पास गौशाला थी।
   (ग) सौरभ के पिता को पौधे लगाने का शौक था।

(घ) सौरभ की माँ शाम को गरम-गरम पकौड़े बनाती थी।

(ङ) पौधे हमें साफ़ हवा, फल, सब्ज़ी और लकड़ी देते हैं।

2. कौआ पौधा मौसी मौज़ कौन दौड़

प्रश्न 3. और प्रश्न 4. विद्यार्थी स्वयं हल करेंगे।

12. अं - ं

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) बंदर बड़ा दंगली था।

(ख) टोकरी में संतरे, अंगूर और अंजीर रखे थे।

(ग) बंदर घंटी की आवाज़ सुनकर दंग रह गया।

(घ) बंदर ने पंछी के साथ फल खाए।

2. **पं**खा, **सं**तरा, **घं**टी, **पतं**ग, **चं**दा, **कं**घा

13. अँ - ँ

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) गाँव का नाम चाँदपुर था।

(ख) बाँके लाल बाँसुरी बजाता था।

(ग) बाँस के पास साँप का बिल था।

(घ) साँप कुएँ के पास जा गिरा।

2. बाँसुरी, मूँछ, दाँत, अंदर, बाँके, पतंग, काँच, कुआँ, जंगल

14. अः - :

बोलकर पढ़िए

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. प्रातः, नमः, दुःख
2. (क) हमें प्रातः छः बजे उठना चाहिए।
   (ख) हमें बीमार नहीं होना चाहिए।
   (ग) प्रातः उठकर हमें नमः बोलना चाहिए।
3. (क) प्रायः (ख) प्रातः (ग) दुःख (घ) पुनः
4.

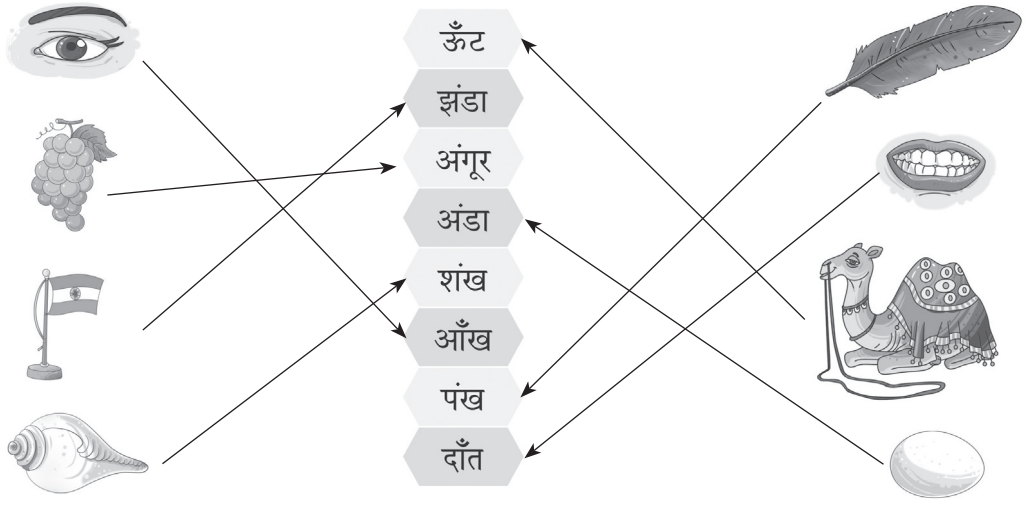

15. संयुक्त व्यंजन

क्ष – पक्ष, क्षमा, रक्षक, कक्षा, क्षत्रिय, पक्षी

त्र – सत्र, मित्रता, पात्र, पत्र, चित्र, पुत्री

ज्ञ – ज्ञानवान, विज्ञान, ज्ञानी, यज्ञ, आज्ञाकारी, वैज्ञानिक

श्र – श्रमिक, परिश्रम, श्रेय, श्रुतलेख, श्रीमती, विश्राम

16. दो जुड़े व्यंजन (द्‌वित्व व्यंजन)

1. गुच्छा, मक्खन, मक्खी, प्याज, प्याला, वाक्य, क्यारी, गट्ठर, चिट्ठी
2. नमस्ते, लट्टू, छत्ता, गद्‌दा, मक्खी
3. ब्ब, ट्ट, च्च, स्त, च्छ
4. कक्ष, रक्षक; पत्र, पुत्र; कृतज्ञ, यज्ञ; श्रम, श्रमिक

17. हुआ सवेरा

बोलकर बताइए

1. (क) सवेरा होने पर कलियों ने आँखें खोलीं।
   (ख) पत्ते ताली की तरह बज रहे थे।
   (ग) कोयल काले रंग की होती है।

लिखकर बताइए

2. (क) सवेरा होने पर आकाश में लाली छा जाती है।
   (ख) धरती हरी-भरी दिखाई देती है।
   (ग) कोयल की सूरत भोली-भाली है।
   (घ) जग का माली भगवान है।

बात भाषा की

1. माली – डाली, लाली
   जग – मग, पग
   हवा – दवा, तवा
   भोली – बोली, गोली
   सुंदर – बंदर, अंदर
2. सुबह – सवेरा
   दुनिया – जग
   आकाश – आसमान
   पवन – हवा

18. चुनमुन और बंटी

बोलकर बताइए

1. (क) चुनमुन ने जामुन के पेड़ पर घोंसला बनाया।
   (ख) बंटी सारा दिन उछल-कूद करता था।
   (ग) बारिश में भीगने पर बंटी के ठंड से दाँत बजने लगे।

लिखकर बताइए

2. (क) चुनमुन ने घास और तिनका जमा करके बहुत मेहनत से अपना घोंसला बनाया।
   (ख) बंटी की हालत देखकर चुनमुन ने कहा, "बंदर भाई, तुम भी अपना घर क्यों नहीं बना लेते।"
   (ग) बंदर अपना घर इसलिए नहीं बनाना चाहता क्योंकि वह पूरे पेड़ को अपना घर मानता था।
   (घ) वर्षा रुकने पर चुनमुन दाने की खोज में उड़ गई और बंटी आम के पेड़ पर बैठकर मीठे आम खाने लगा।
3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

बात भाषा की

1. पूरा → आधा, मीठा → खट्टा, दिन → रात

   सुबह → शाम, अच्छा → बुरा, सरदी → गरमी

2. पानी, चिड़िया, मछली, मिठाई, बिल्ली, तितली
3. आसमान – आकाश
   चिड़िया – पक्षी
   सुबह – प्रातः
   पेड़ – वृक्ष
   डाली – टहनी
   आनंद – मज़ा
4. आम = आ + म
   बंदर = बं + द + र
   आनंद = आ + नं + द
   जामुन = जा + मु + न
   वर्षा = व + र्षा
   चिड़िया = चि + ड़ि + या

बात कल्पना की

विद्यार्थी पाठ के आधार पर लिखेंगे।

19. चार मित्र

बोलकर बताइए

1. (क) चूज़ा, चूहा और चींटी को तैरना नहीं आता था।

   (ख) चींटी दुनिया देखना चाहती थी।

लिखकर बताइए

2. (क) चारों मित्रों ने दुनिया की सैर करने की सोची।

   (ख) मेढक ज़ोर से हँसने लगा। वह बोला अगर तुम्हें तैरना नहीं आता तो घर लौट जाओ। ऐसा कहकर वह पानी में कूद गया।

   (ग) चूहे, चींटी और चूज़े ने मिलकर एक नाव बनाई और झील पार कर ली।

   (घ) नाव बनाने के लिए चूहा अखरोट का छिलका लाया, चूज़ा पत्ता लाया और चींटी एक लकड़ी लाई।

बात भाषा की

1. नई – पुरानी लंबा – छोटा आगे – पीछे

   अंदर – बाहर देर – जल्दी धीरे – तेज़

2. भेड़/बकरी का बच्चा – मेमना कुत्ते का बच्चा – पिल्ला

   गाय का बच्चा – बछड़ा/बछिया मुरगी का बच्चा – चूज़ा

   बिल्ली का बच्चा – बिलौटा

3. चूहा, लड़का, हाथी, शेर – **दौड़ा** बिल्ली, लड़की, गाय – **दौड़ी**

बात कल्पना की

विद्यार्थी पाठ के आधार पर स्वयं लिखेंगे।

श्रवण-कौशल

(क) सरकस ... खेल (ख) गुब्बारे ... गुब्बारे (ग) बरगर

(घ) केक (ङ) झूला (च) नारियल

(छ) जोकर ... शेर

20. दो-दो नाम

जल पानी	नैया नाव	पाँव पैर	नयन आँख	सूर्य भानु	डाल शाखा	हार माला	भैया भाई

21. उलटे अर्थ वाले

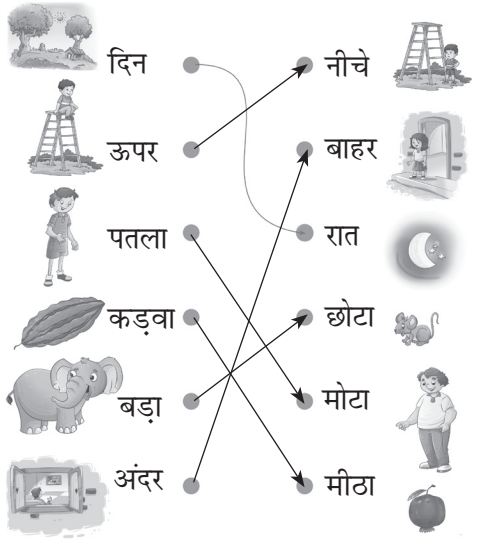

हमारे सहायक

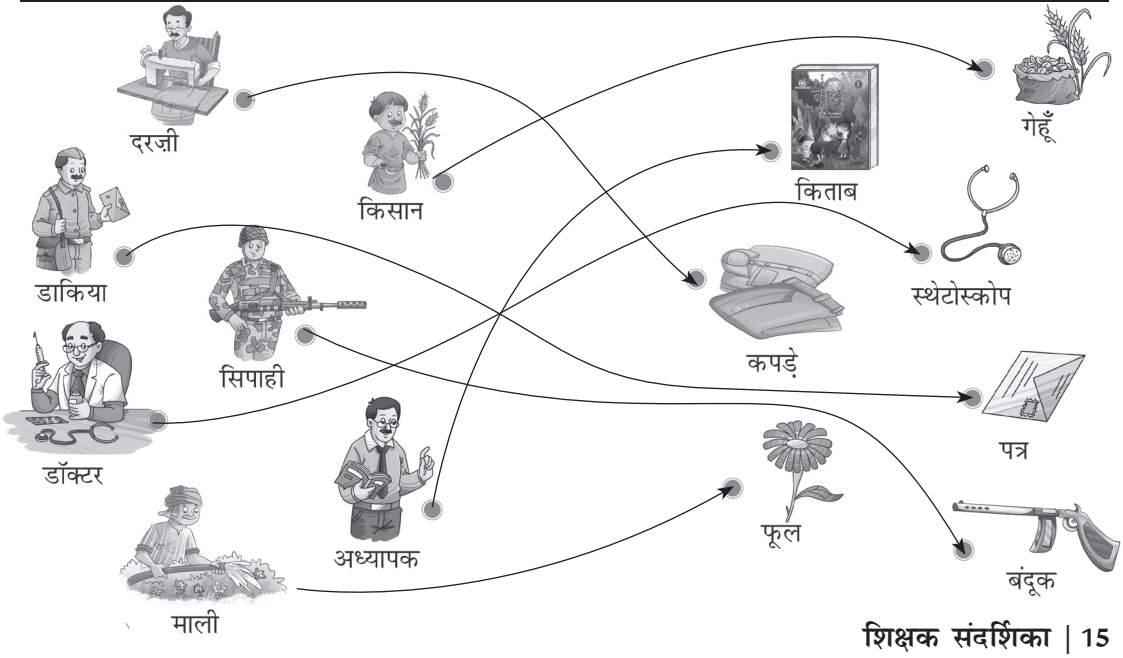

स्वमूल्यांकन

कमल, ताला, हिरन, जीभ, मुरगी, कबूतर, घृत, भेड़, ऐरावत, ओखली, तौलिया, अंगूर, साँप, छः

आदर्श परीक्षा-पत्र

1. पानी – जल पेड़ – वृक्ष
   मृग – हिरन सूर्य – भानु
2. पास × दूर गीली × सूखी
   थोड़ा × अधिक मीठा × कड़वा
   सरदी × गरमी दिन × रात
3. वेश – केश करती – चरती
   हिलकर – मिलकर जाता – गाता
   बचाता – नचाता जाना – आना
4. बूझाता – बुझाता हरयाली – हरियाली
   पयास – प्यास वरक्षों – वृक्षों
5. **ि** – किरन, हिरन, शिवम, मिलन **ी** – कील, खीरा, मील, चील
6. **ओ** - **ो** – ओस, भोजन, जोकर, मोर **औ** - **ौ** – गौरव, पौधा, मौसम, चौराहा
7. **'ए–ऐ' की मात्रा–** हैरान, निकेतन, देश, बेटा, रेलगाड़ी, सैनिक, मेढक
   'ओ-औ' की मात्रा–शैतान, चोर, पोथी, उपयोगी, कठोर, पौधा, विलोम, मौसम, कोयल
8. रूखा रुपया ज़रूर शुरू
   रुई पुरुष रुकना रूठना
   गुरु डमरू
9. वृहस्पतिवार वृक्ष कृपया सृष्टि
   अमृतसर प्रकृति दृश्य घृणा
10. प्रसन्न प्राण शीघ्र गृहकार्य
    राजकर्मचारी पर्वत दर्द पंद्रह
    शब्दार्थ गर्व पृष्ठ कर्कश
    पृथ्वी ड्राइवर प्रिय कार्य
    राष्ट्रीय प्रश्न

चित्र-पठन

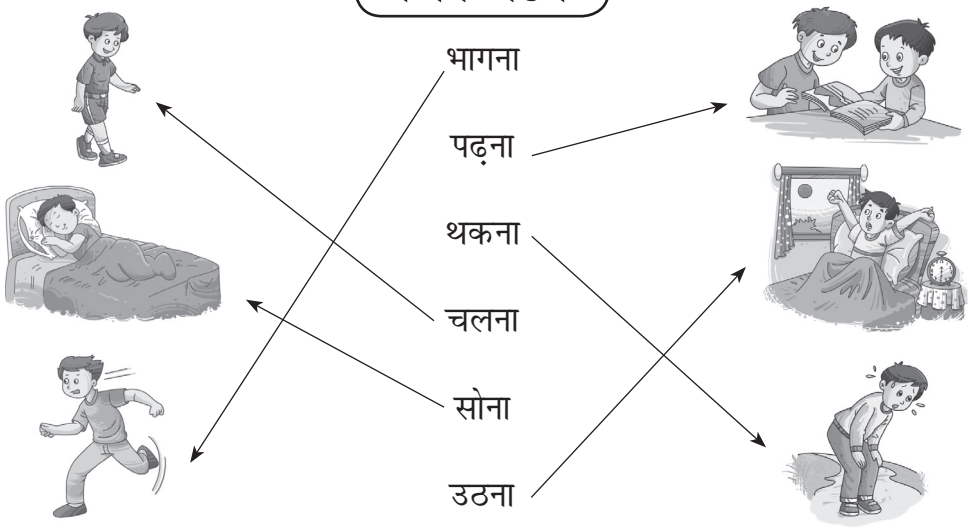

कल्पना की बात

विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

सूझ-बूझ की बात

1. झूठ पकड़ा जाता है।
2. विद्यार्थी बातचीत करके स्वयं लिखेंगे।

1. मिल-जुलकर काम करें

बोलकर बताइए

(क) कविता में बाज़ार से राशन, फल, सब्ज़ी लाने की बात कही गई है।

(ख) बच्चे दादी की गोद में सोना चाहते हैं।

(ग) बच्चे दादी से कहानी सुनना चाहते हैं।

(घ) बच्चों को बाग में पौधे लगाना अच्छा लगता है।

(ङ) विद्यार्थी कविता याद करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) बच्चे बाज़ार से राशन, फल, सब्ज़ी लाना चाहते हैं। मम्मी के साथ रसोई में उनकी मदद करना चाहते हैं। दादा जी के साथ पौधे लगाना चाहते हैं। व्यायाम करना चाहते हैं। दादी से कहानी सुनना चाहते हैं। उनकी गोदी में खेलना या सोना चाहते हैं।

   (ख) अपना मन बहलाने के लिए बच्चे हरियाली में टहलना चाहते हैं। आराम करने के लिए दादी की गोदी में सोना चाहते हैं।

   (ग) बच्चे घर से बाहर पापा और दादा जी के साथ काम करना चाहते हैं और घर के अंदर मम्मी के साथ काम करना चाहते हैं।

2. पापा के **संग** जाएँ,
   राशन, **फल-सब्ज़ी** ले आएँ।
   मम्मी के **संग** चलें **रसोई**,
   सब्ज़ी काटें, **दाल** पकाएँ।
   दादा के संग **चलें बाग** में,
   पौधे रोपें, **फूल** लगाएँ,
   दादी के संग बैठ **खाट** पर,
   सुनें **कहानी** और सुनाएँ।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका कविता की कुछ पंक्तियों का श्रुतलेख करवाएँ।

5. (क) मम्मी **रसोई** में काम करती हैं।

   (ख) बच्चे **पौधे** लगाना चाहते हैं।

   (ग) **हरियाली** सबको सुंदर लगती है।

   (घ) हमें **प्रातः** जल्दी उठना चाहिए।

   (ङ) हमें बड़ों को **प्रणाम** करना चाहिए।

बात भाषा की

1. रासन – राशन
   सबजी – सब्ज़ी
   अराम – आराम
   हंसी – हँसी
   पौधें – पौधे
   हरीयाली – हरियाली
   व्याम – व्यायाम
   पणाम – प्रणाम

2. (क) व्यायाम (ख) काम (ग) आराम (घ) रसोई (च) बाग ... सुंदर (ङ) फल और सब्ज़ी

3. मम्मी → माँ
पापा → पिता जी
खुशी → प्रसन्नता
थोड़ा → कम
संग → साथ

श्रवण-कौशल

	कंप्यूटर	साइकिल	बड़ा टी०वी०	प्ले स्टेशन
रिया	✓	✗	✓	✗
नवीन	✓	✗	✗	✓
समिता	✗	✓	✓	✗
गर्व		✓	✗	✓

2. बुढ़िया और बंदरिया

बोलकर बताइए

(क) आँगन में पीपल का पेड़ था।

(ख) जब बुढ़िया खीर थाली में रखती तो बंदरिया उसे धमकाकर सारी खीर खा जाती थी।

(ग) बुढ़िया इस बात से डरती थी कि बंदरिया उसे खीर नहीं खाने देगी।

(घ) लड़के ने बंदरियाँ को इसलिए आवाज़ दी जिससे कि वह उसे सबक सिखा सके।

लिखकर बताइए

1. (क) परदेश जाने की बात सुनकर माँ ने कहा, "बेटा, तुम चले जाओगे तो मैं बहुत दुखी हो जाऊँगी। यह बंदरिया मुझे आराम से रोटी भी नहीं खाने देगी।

(ख) बंदरिया को भगाने के लिए लड़के ने माँ से कहा कि अपने पास एक सूखी लकड़ी रखना। जब बंदरिया आए तो उसे मारकर भगा देना।

(ग) घर के रुपये खर्च हो गए थे, इसलिए लड़का कमाने के लिए परदेश जाना चाहता था।

(घ) बुढ़िया खीर पकाती थी। वह खीर इसलिए पकाती थी क्योंकि उसके मुँह में दाँत नहीं थे। वह और कुछ नहीं खा सकती थी।

(ङ) लड़के ने बंदरिया को दहकते हुए पत्थर पर बैठाया।

(च) बंदरिया बुरी तरह जल गई।

2. (क) खीर (ख) मिट्टी (ग) चपाती (घ) दुबली (ङ) भूखी

3. विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक या दो अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

5. (क) लड़के ने घर में गीली **मिट्टी** फैला दी।

(ख) उसने बहुत गहरा **गड्ढा** खोदा।

(ग) उसने थाली में **चपाती** रख दी।

(घ) माँ ने **रसोई** को अच्छी तरह साफ़ किया।

बात भाषा की

1. (क) माँ, रसोई, खाना (ख) आँगन, पीपल, पेड़

(ग) बंदरिया, खीर (घ) लड़के, घर, मिट्टी

2. माता – माँ वृक्ष – पेड़

बेटा – पुत्र चपाती – रोटी

3. आँगन, माँ, दाँत, पहुँच, मुँह

4. शेर – दहाड़ना कुत्ता – भौंकना घोड़ा – हिनहिनाना

चिड़िया – चहचहाना कोयल – कुहूकना बंदर – खींखियाना

बात कल्पना की

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात सूझ-बूझ की

विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

सप्ताह के दिनों के नाम–

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार

3. पेड़वाला ए०सी०

बोलकर बताइए

(क) अमन छुट्टियों में मामा के घर जा रहा था।

(ख) स्टेशन पर अमन के मामा जी उन्हें लेने आए।

(ग) अमन ने मामा के घर आलू-पूड़ी और खीर खाई।

(घ) कुम्हार नीम के पेड़ के नीचे बैठा था।

लिखकर बताइए

1. (क) कार में बैठकर अमन ने मामा जी से पूछा कि गाड़ी में ए०सी० नहीं चल रहा है, फिर इतनी ठंडी हवा कहाँ से आ रही है।

   (ख) बगीचे में अमरूद, नीम, अनार और आम के पेड़ लगे थे।

   (ग) गाँव की हवा ठंडी इसलिए होती है क्योंकि वहाँ पेड़-पौधों के कारण हरियाली अधिक होती है और घर कम होते हैं।

   (घ) अमन ने गाँव में लहलहाते पेड़ों को देखा और नीम के नीचे मिट्टी के बरतन बनाते कुम्हार को देखा।

   (ङ) रात को कमरा इसलिए ठंडा हो गया क्योंकि माँ ने सभी खिड़कियाँ खोल दीं। इससे कमरे में ठंडी हवा आने लगी।

2. (क) बड़ा और हवादार (ख) खिड़कियाँ

   (ग) घर (घ) पेड़

   (ङ) खेतों के बीच बनी सड़क

3. (क) माँ ने अमन से कहा।

   (ख) अमन ने मामा मी से कहा।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका कठिन शब्दों तथा पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

6. (क) कमरा **हवादार** था। (ख) इस पेड़ की सभी **टहनी** हरी-भरी हैं।

   (ग) आँगन में नीम की **छाया** थी। (घ) **कुम्हार** बरतन बना रहा था।

बात भाषा की

1. प्रातः → सुबह
   बगीचा → बाग
   पेड़ → वृक्ष
   शाखा → टहनी
   कक्ष → कमरा
   अंदर → भीतर

2. घड़ा – घड़े
   कमरा – कमरे
   खिड़की – खिड़कियाँ
   टहनी – टहनियाँ

3. र – घर, बरतन
   ् – कार्य, सूर्य
   ् – क्रम, प्रातः
   ं – राष्ट्र, ट्रेन

4. (क) खड़े थे
   (ख) होती है
   (ग) लगे थे
   (घ) आई
   (ङ) लटके थे

बात कल्पना की

खूब पेड़ लगाएँगे
धरती हरी बनाएँगे
रंग भरने का काम विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात सूझ-बूझ की

1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ 6. ✓

4. बाँधूँगा दीदी को राखी

बोलकर बताइए

(क) बच्चा माँ से कह रहा कि जब दीदी राखी बाँधती है तो उसे बहुत अच्छा लगता है।

(ख) वह दीदी को राखी बाँधना चाहता है।

(ग) माँ बच्चे से कहा करती है कि जो रक्षा करता है उसे सब राखी बाँधते हैं।

(घ) भाई जहाँ जाना चाहता है बहन उसको वहाँ ले जाती है।

लिखकर बताइए

1. (क) जो रक्षा करता है, उसे राखी बाँधी जाती है।

   (ख) बच्चा अपनी बहन को राखी इसलिए बाँधना चाहता है क्योंकि ऐसा करने से उसकी दीदी उसे बहुत प्यार करेगी।

   (ग) राखी बँधवाकर बहन अपने भाई को बहुत प्यार करेगी।

2. तो माँ **दीदी** भी तो मेरी

   हरदम देखो **रक्षा** करती।

   जहाँ मैं **चाहूँ** हाथ **पकड़कर**,

   वहीं **मुझे** ले **जाया** करती।

   मैं भी **माँ** दीदी को **अब** तो,

   बाँधूँगा **प्यारी**-सी **राखी**।

   कितना **प्यार** करेगी दीदी,

   जब **बाँधूँगा** उनको **राखी**।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अंश का श्रुतलेख लें।

5. (क) मैं अपनी दीदी की **रक्षा** करूँगा।

   (ख) मैं भी दीदी को राखी **बाँधूँगा**।

   (ग) मेरी दीदी बहुत **प्यारी** हैं।

बात भाषा की

1. खुशी – खुशियाँ पटाखा – पटाखे

   मिठाई – मिठाइयाँ बताशा – बताशे

   सेवई – सेवइयाँ गला – गले

2. (क) हैं (ख) है (ग) हैं (घ) हैं

3. (क) त्योहार ढेरों खुशियाँ लाते हैं।

(ख) मुझे उपहार पाना पसंद है।

(ग) ईद पर सेवइयाँ बनती हैं।

(घ) दीपावली पर दीप जलाते हैं।

बात कल्पना की

रक्षाबंधन मेरा **प्यारा** त्योहार है। यह **भाई-बहन** के प्रेम का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाई को **तिलक** लगाती हैं और **राखी** बाँधती हैं। भाई अपनी बहन को **उपहार** देता है। बहन भाई को **मिठाई** खिलाती है।

बात सूझ-बूझ की

मिल-जुलकर त्योहार मनाएँगे।

5. टोरा और बोज़ो

बोलकर बताइए

(क) टोरा पिता जी के साथ लूडो खेलना चाहती थी।

(ख) पिता जी अखबार पढ़ रहे थे।

(ग) टोरा ने पिल्ले का नाम बोज़ो रखा।

लिखकर बताइए

1. (क) पिता जी टोरा के साथ इसलिए नहीं खेल रहे थे क्योंकि वे अखबार पढ़ रहे थे।

(ख) टोरा ने अखबार में देखा कि बिल्ली के बच्चों को एक घर की तलाश है।

(ग) टोरा ने बोज़ो को इसलिए चुना क्योंकि उसके एक पैर में चोट लगी थी।

2. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

3. (क) माँ रसोई में **भोजन** बना रही थी।

(ख) मैं तुम्हारे लिए एक पालतू **पशु** लाऊँगा।

(ग) मुझे मेरा देश बहुत **प्यारा** है।

बात भाषा की

1. शेर — अस्तबल
   घोड़ा — माँद
   चिड़िया — बिल
   साँप — घोंसला

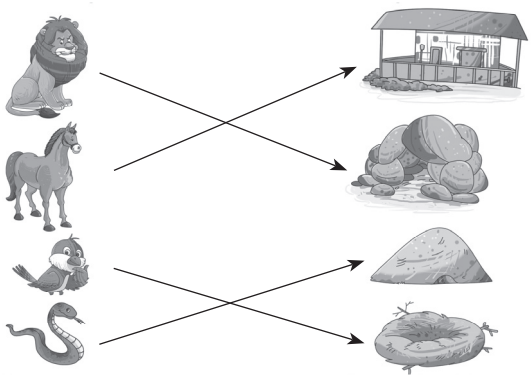

2. चिल्ला — पत्ता — गन्ना
   पिल्ला — **गत्ता** — **बन्ना**
   सस्ता — जल्दी — प्यारा
   रास्ता — **हल्दी** — **न्यारा**

3. बच्चा – बच्चे पिल्ला – पिल्ले पत्ता – पत्ते
   प्यारा – प्यारे बगीचा – बगीचे दरवाज़ा – दरवाज़े

4. (क) बालक लिख रहा है। (ख) लड़का गीत गा रहा है।
   (ग) लड़का खा रहा है। (घ) आदमी दौड़ रहा है।
   (ङ) लड़का नाच रहा है।

5. **अखबार** = अ + ख् + अ + ब् + आ + र् + अ **बिल्ली** = ब् + इ + ल् + ल् + ई
   बोज़ो = ब् + ओ + ज़् + ओ **बगीचा** = ब् + अ + ग् + ई + च् + आ

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. मैं हूँ हाथी

बोलकर बताइए

(क) धरती पर सबसे बड़ा जीव हाथी है।

(ख) हाथी सूँड़ की मदद से फल तोड़ता है।

(ग) हाथी एशिया और अफ्रीका के घने जंगलों में पाए जाते हैं।

(घ) झुंड की मुखिया हथिनी होती है।

लिखकर बताइए

1. (क) हाथी की सूँड़ फल तोड़ने, गंध पहचानने और अभिवादन करने के काम आती है।

   (ख) हाथी बड़ा दिखाई देता है। वह कान हिलाता रहता है। उसका रंग स्लेटी होता है। उसकी पूँछ और पीठ पर रोएँदार बाल होते हैं।

   (ग) अपने शरीर को ठंडा रखने के लिए हाथी कई लीटर पानी पी जाता है। सूँड़ में पानी भरकर अपने मुँह में और शरीर पर डालता है।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. (क) हाथी एक विशालकाय **जीव** है। (ख) हाथी सूँड़ से फल तोड़ता है।

   (ग) हमें अपना **शरीर** स्वच्छ रखना चाहिए। (घ) हाथियों के झुंड की मुखिया हथिनी होती है।

बात भाषा की

1. (क) पढ़ता (ख) रोने (ग) जाती (घ) उगा

2. (क) नीचे (ख) पीछे (ग) मूर्ख (घ) खट्टे

3. बैल – गाय शेर – शेरनी चूहा – चुहिया
   राजा – रानी गुड्डा – गुड़िया

बात कल्पना की

विद्यार्थी अपनी कल्पना के आधार पर कविता पूरी करेंगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा सहयोग किया जाना चाहिए।

बात सूझ-बूझ की

उसे सहारा देकर अस्पताल (डॉक्टर के पास) पहुँचाएँगे।

7. नन्ही की होली

बोलकर बताइए

(क) एक दिन नन्ही चिड़िया को होली खेलने की बात सूझी।

(ख) नन्ही चिड़िया ने टेसू के रंग से होली खेली।

(ग) किसान के बेटे का नाम चुन्नू था।

(घ) नन्ही चिड़िया ने चुन्नू के ऊपर रंग डाला।

लिखकर बताइए

1. (क) नन्ही चिड़िया चुन्नू के साथ ही होली खेलना चाहती थी क्योंकि वह उसके लिए कुछ दाने अपने बापू की नज़र बचाकर बिखरा देता था।

   (ख) नन्ही चिड़िया ने टेशू के फूलों को पानी में भिगोकर रंग बनाया।

   (ग) सूखे पोखर को देखकर नन्ही चिड़िया ने सोचा कि रंग ऐसा बने कि छुड़ाने में ज़्यादा पानी भी न लगे।

2. (6) चुन्नू अपने बापू से छिपकर अनाज के दाने बिखरा देता था।

   (7) नन्ही चिड़िया ने चुन्नू पर चोंच से थोड़ा-सा रंग गिरा दिया।

   (1) नन्ही चिड़िया के मन में होली खेलने का विचार आया।

   (2) उसने टेसू के फूलों से रंग बनाने की सोची।

   (4) उसने टेसू के फूलों को पानी में भिगो दिया।

   (3) पेड़ ने चिड़िया को दो फूल दिए।

   (5) नन्ही चिड़िया ने सोचा, वह चुन्नू के साथ होली खेलेगी।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. (क) नन्ही चिड़िया को होली खेलने का **विचार** आया।

   (ख) गरमी में घर से निकलना **मुश्किल** हो जाता है।

   (ग) बाग में **रंग-बिरंगे** फूल खिले थे।

   (घ) चिड़िया खुशी से **चहक** रही थी।

बात भाषा की

1. आज, सूरज, गरज, जहाज़, मेज़, कागज़

2. होली – बोली चिड़िया – खड़िया जंगल – मंगल

   चुन्नू – मुन्नू फूल – शूल चहक – महक

3. चिड़िया, गौरैया; सागर, समुद्र; फूल, सुमन; पेड़, वृक्ष

4. (क) एक चिड़िया पानी की तलाश में थी।

(ख) माता जी चाय पी रही हैं।

(ग) लड़के ने सुंदर चित्र बनाया।

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'श्रवण-कौशल' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात सूझ-बूझ की

✓ ✗ ✓ ✗

8. दूर गगन का तारा

बोलकर बताइए

(क) चाँद की आँखों से शीतलता की धारा बहती है। (ख) माँ चाँद की लोरी गाकर सुनाती है।

(ग) चाँद से अंधकार हार जाता है। (घ) चाँद का आकार रोटी जैसा गोल है।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं कविता सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) चाँद को दूर गगन का तारा इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह आकाश में दूर तारों की भाँति स्थित है।

(ख) चाँद के प्रकाश से अंधेरा हार जाता है।

(ग) अपना रूप बदलने के कारण चाँद सदा एक-सा नहीं दिखता।

2. तारों की है सेना **सारी**,
मगर **अकेला** सब पर **भारी**।
अंधकार भी उससे **हारा**,
चंदा दूर **गगन** का **तारा**।

नई **कहानी** अपनी **कहता**,
हर **माँ** की **लोरी** में रहता।
गोल-गोल रोटी के जैसा,
बच्चों का है **बड़ा दुलारा**।
चंदा दूर **गगन** का **तारा**।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका एक-दो काव्यांशों का श्रुतलेख लें।

5. (क) **अंधकार** प्रकाश से हार जाता है।

(ख) आसमान में तारों की **सेना** है।

(ग) रोहित माँ का **दुलारा** है।

(घ) चंद्रमा से शीतल **धारा** प्रवाहित होती है।

बात भाषा की

1. शीतलता – ठंडक यारी – दोस्ती दुलारा – प्यारा फ़ौज – सेना
2. दोस्ती, यारी, दुलारी, प्यारी, भारी, न्यारी
3. घटता × बढ़ता अपना × पराया दोस्त × दुश्मन भारी × हलकी

निर्देश– 'बात कल्पना की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

9. सरस्वती

बोलकर बताइए

(क) यह घटना बिहार राज्य की है।

(ख) सरस्वती नाव लेकर सवारी ढोने और मछली पकड़ने नदी पर गई थी।

(ग) सरस्वती को 'राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार' मिला।

(घ) सरस्वती को प्रधानमंत्री जी ने पुरस्कार दिया।

लिखकर बताइए

1. (क) सरस्वती नाव लेकर नदी के तट पर सवारी ढोने और मछली पकड़ने गई थी। वहाँ उसने नदी की भयानक लहरों को देखा।

   (ख) सरस्वती की नाव इसलिए डगमगा रही थी, क्योंकि नाव में बहुत अधिक लोग बैठे थे। बाढ़ का पानी बहुत था।

   (ग) सरस्वती ने रातभर मेहनत करके गाँव वालों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचा दिया।

2. **4** – उसने जल्दी से अपनी नाव खोली।
   गाँव वाले सरस्वती की जय-जयकार कर रहे थे।
   5 – सुबह होने तक उसने सबको सुरक्षित जगह पर पहुँचा दिया।
   1 – सरस्वती नदी पर सवारी ढोने और मछली पकड़ने गई।
   2 – सरस्वती ने भयानक बाढ़ की लहरें देखी।
   3 – गाँव वाले सुरक्षा पाने के लिए तड़प रहे थे।
   7 – सरस्वती को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार दिया गया।
   6 – माता-पिता ने सरस्वती को गले से लगा लिया।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

5. (क) नदी में भयानक लहरें थीं।

   (ख) सरस्वती को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार मिला।

   (ग) सबका भविष्य कोमल हाथों में था।

   (घ) सरस्वती ने बहुत परिश्रम किया।

बात भाषा की

1. (क) गाँव (ख) सरस्वती (ग) साहस (घ) स्थान (ङ) बिहार

2. (क) हिम्मत, चम्मच (ख) बच्चा, सच्चा (ग) अन्ना, खाद्यान्न

   (घ) पत्ता, गत्ता (ङ) बल्ला, छल्ला

3. (क) निडर (ख) नाविक (ग) मेहनती (घ) ग्रामीण

4. (क) और (ख) और ... ओर (ग) मैं ... में (घ) मैं ... में

श्रवण-कौशल

सुनाए जा रहे अंश के अनुसार कार्यों को पहचानकर विद्यार्थी स्वयं क्रम संख्या लिखें।

बात सूझ-बूझ की

क्रमांक 2 और 3 दोनों का ध्यान रखेंगे।

10. शेर आया

बोलकर बताइए

(क) शेर किसान से बैल लेने गया। (ख) शेर को लगा कि अब वह नहीं बचेगा।

(ग) शेर किसान के पास दो बार गया। (घ) किसान ने शेर से कहा कि उसकी गाय मरियल है।

लिखकर बताइए

1. (क) किसान ने यह कहकर शेर से अपनी जान बचाई कि उसकी गाय तो मरियल है। उसकी पत्नी एक घोड़ा ला रही है।

(ख) चन्नी ने किसान को इसलिए डाँटा क्योंकि वह गाय को शेर के हवाले करना चाहता था।

(ग) चन्नी की हिम्मत तथा बुद्धिमानी से बैल की जान बची।

(घ) लोमड़ी ने शेर को भोला इसलिए कहा क्योंकि वह सब कुछ समझ चुकी थी। उसे लगा कि शेर सही बात नहीं समझ सका।

(ङ) शेर ने लोमड़ी की पूँछ से अपनी पूँछ इसलिए बाँधी ताकि धोखे की संभावना न रहे।

2. (क) चार (ख) भूख (ग) मरियल (घ) गाय

3. शब्दों का लेखन छात्र स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका उपर्युक्त कठिन शब्दों तथा पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

बात भाषा की

1. औरत – पुरुष घोड़ा – घोड़ी शेर – शेरनी
   मोर – मोरनी बच्चा – बच्ची राजा – रानी

2. **जानवर** – खरगोश, घोड़ा, कोयल, चूहा, शेर

   चीज़ें – बोलत, कलम, जूता, चारपाई, पगड़ी, छलनी, बाल्टी, करेला, नीम, किताब, दराँती, करेला, नीम

   नाम – किसान, लता, राजू, नीना, चन्नी, नाम

3. (क) तैरना शुरू करो वरना डूब जाओगे।

   (ख) जल्दी चलो वरना बस छूट जाएगी।

   (ग) थोड़ा आराम करो वरना बीमार पड़ जाओगे।

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

11. नीम का पेड़

बोलकर बताइए

(क) नीम बच्चे को चुपके से बुलाता है। (ख) नीम आँगन में मुसकाता है।

(ग) नीम का तन कड़वा है। (घ) नीम छाया बाँटता है।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं याद करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) नीम हमें छाया और जीवन देता है।

   (ख) कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि नीम से दवाइयाँ बनती हैं जिससे रोग दूर होते हैं।

   (ग) नीम सभी को जीवन देना सिखाता है।

2. आँगन में **मुसकाता** नीम
   चुपके से **मुझे बुलाता** नीम
   बौर महकता **झूमे** डाली
   दुनिया **पत्तों की** मतवाली
   हरियाली **फैलाता** नीम।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका कविता की कुछ पंक्तियों का श्रुतलेख करवाएँ।

5. (क) नीम का स्वाद **कड़वा** होता है। (ख) वृक्ष **धूप** में छाया देता है।

   (ग) **दुनिया** बहुत बड़ी है।

बात भाषा की

1. सुबह × शाम	पास × दूर	दिन × रात
आज × कल	आगे × पीछे	जीवन × मरण
2. साप – साँप	आख – आँख	माद – माँद
पहुचा – पहुँचा	महगा – महँगा	कापना – काँपना
3. दुनिया – संसार	मन – दिल	तन – शरीर
छाँव – छाया	पेड़ – वृक्ष	सीख – शिक्षा
4. नीम – भीम	सिर – फिर	मन – तन
भाता – खाता	सीख – चीख	डाली – काली

बात कल्पना की

पेड़ों से हमें शुद्ध वायु मिलती है। ये पक्षियों के घर होते हैं। इनसे लकड़ियाँ भी मिलती हैं। इनकी हरियाली से वातावरण सुंदर बना रहता है। पेड़ों के कारण वर्षा होती है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार है।

श्रवण-कौशल

विद्यार्थी सुनते समय ही आलेख की तरह रिक्त स्थान भरते जाएँगे।

12. रेलगाड़ी की कहानी

बोलकर बताइए

(क) नीतू और दीवा खिड़की से रेलगाड़ी को आते-जाते देखती थीं।

(ख) उनके घर के पास रेल की पटरी थी।

(ग) जेम्स वॉट इंग्लैंड का रहने वाला था।

(घ) केतली के ढक्कन से खट-खट की आवाज़ आ रही थी।

(ङ) भाप का इंजन जेम्स वॉट ने बनाया।

लिखकर बताइए

1. (क) जेम्स वॉट एक शरारती बालक था। उसका पढ़ने-लिखने में मन नहीं लगता था।

   (ख) जेम्स की चाची ने उसे इसलिए डाँटा क्योंकि वह पढ़ता नहीं था।

   (ग) जेम्स ने रसोईघर में देखा कि उबलते पानी के कारण खट-खट की आवाज़ के साथ ढक्कन उठ-गिर रहा है।

2. (2) मैं तुम्हें रेलगाड़ी के बारे में बताती हूँ।
   (3) तुम यहाँ रसोईघर में बैठकर क्या कर रहे हो।
   (1) नीतू और दीवा रेलगाड़ी को आते-जाते देखा करतीं।
   (6) जेम्स ने बड़े होकर भाप का इंजन बनाया।
   (5) केतली का ढक्कन भाप के साथ उठ-गिर रहा था।
   (4) जेम्स हैरान होकर केतली के ढक्कन को देख रहा था।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका ऊपर दिए गए शब्दों का श्रुतलेख भी करवाएँ।

5. (क) इमारत में **विचित्र-सी** आवाज़ें सुनाई पड़ी।

   (ख) पहले रेलगाड़ी भाप के इंजन से चलती थी।

   (ग) वह रोज़ **रेलगाड़ी** का आना-जाना देखती है।

   (घ) वह शेर की आवाज़ सुनकर **हैरान** रह गया।

बात भाषा की

1. टोपी, दिल्ली, कहानी, वर्षा, प्याज, तिरंगा

2. व्यक्ति – किसान, धोबी वस्तु – ताला, चाबी

स्थान – बैंक, बगीचा प्राणी – बाघ, रीछ

3. पुल्लिंग – हाथ, जेम्स, इंजन, कमरा

स्त्रीलिंग – खिड़की, गाड़ी, चाची, नीतू, केतली, रेलगाड़ी

4. (क) मेरे (ख) मैं, तुम्हें (ग) उसका (घ) उसे (ङ) वह, तुम्हारा

निर्देश– बात कल्पना की और बात सूझ-बूझ की विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

13. मेहनती चींटी

बोलकर बताइए

(क) चींटियाँ काली और लाल रंग की होती हैं।

(ख) चींटियाँ आकार में बहुत छोटी होती हैं।

(ग) चींटी को मीठा बहुत अच्छा लगता है।

(घ) चींटी अपना घर गरमी के मौसम में बनाती है।

लिखकर बताइए

1. (क) चींटियाँ हमें परिश्रम करना तथा एक साथ रहने की बात सिखाती हैं।

   (ख) चींटियाँ हमें समझाती हैं कि एकता में बल है।

   (ग) चींटियाँ अपना घर गरमी में और मिट्टी में बनाती हैं।

2. **मेहनत** खूब सिखाती **चींटी**,
   लाल-काली होती चींटी।
   मिल-जुलकर **ये काम करती**,
   मीठा **बहुत पसंद** करती चींटी।
   दिखने में **नन्ही-सी** लगती,
   हाथी को भी **हराती** चींटी।
   एकता में बहुत **बल** है,
   सबक यह सिखलाती चींटी।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका ऊपर दिए गए शब्दों का श्रुतलेख भी करवाएँ।

5. (क) चींटी बहुत **मेहनत** करती है। (ख) **एकता** में बहुत बल है।

(ग) **गरमी** में जीना दुभर हो जाता है।

बात भाषा की

1. चींटी मंज़िल काली
मीठा अपनी सिखाती
हाथी हराती गरमी

2. (क) गुड़िया – गुड़ियाँ (ख) कपड़ा – कपड़े
(ग) चींटी – चींटियाँ (घ) बस्ता – बस्ते
(ङ) चिड़िया – चिड़ियाँ (च) तोता – तोते
(छ) पहाड़ी – पहाड़ियाँ (ज) बच्चा – बच्चे
(झ) रजाई – रजाइयाँ (ञ) जूता – जूते

3. माँ भोजन **बना रही** हैं। समीर कहानी **लिख रहा** है।
टोरा सेब **खा रही** है। बच्चा गेंद से **खेल रहा** है।

श्रवण कौशल

1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓

बात सूझ-बूझ की

विद्यार्थी अपने विवेक के अनुसार उत्तर चुनेंगे।

14. खिलौनेवाला

बोलकर बताइए

(क) खिलौनेवाला छुट्टी के दिन खिलौने बेचने आया।

(ख) अक्षत ने हर्ष को खिलौना दिलाने के लिए बंदूक वापस की।

(ग) रजत को समर की बात बुरी लगी।

(घ) सलोनी और नीरा ने गुड्डा-गुड़िया इसलिए खरीदे ताकि उसकी शादी करा सकें।

लिखकर बताइए

1. (क) खिलौनेवाला गुड्डा-गुड़िया, हाथी, बंदर, शेर, भालू, डमरू, लट्टू, हवा में चलने वाली चरखी, रंग-बिरंगे फूल और बंदूक लाया, उसके खिलौने मिट्टी से बने थे।
   (ख) हर्ष की मदद करने के लिए अक्षत ने अपनी बंदूक वापस कर दी और उसे पाँच रुपये वाला शेर दिलवा दिया।
   (ग) खिलौनेवाले ने बच्चों को समझाते हुए कहा, "बच्चो, खिलौना लो या न लो, लेकिन किसी को बुरा मत बोलो।"
   (घ) अक्षत और रजत खिलौने की बात पर झगड़ने लगे।
2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
3. (क) हाथी (ख) पेड़
   (ग) बंदूक (घ) बंदर
   (ङ) समय ... सुहावना
4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
5. अध्यापक/अध्यापिका ऊपर दिए गए शब्दों का श्रुतलेख भी करवाएँ।
6. (क) **खिलौनेवाला** खिलौने बेचने आया।
   (ख) तुम मेरे अच्छे **मित्र** हो।
   (ग) सभी **खिलौने** बहुत सुंदर थे।
   (घ) वह **ज़मीन** पर लेट गया।

बात भाषा की

1. धरती – ज़मीन, चेहरा – शक्ल, सखी – सहेली, प्रातः – सुबह, गृह – घर, दोस्त – मित्र
2. (क) अक्षत, मित्र (ख) बंदूक (ग) बंदर (घ) गुड्डा (ङ) रुपये, हाथी
3.

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
शिक्षक	शिक्षिका	शेर	शेरनी
माली	मालिन	धोबी	धोबिन

4.

पेड़ - पौधे	ऊँचा - नीचा	आगे - पीछे	हँसी - मज़ाक
अंदर - बाहर	फल - फूल	पशु - पक्षी	ठंडा - गरम

निर्देश–'बात कल्पना की', 'श्रवण कौशल' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पूर्व मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) बच्चे मन बहलाने के लिए हरियाली में टहलते हैं।

   (ख) परदेश से लौटकर लड़के ने देखा कि माँ दुबली हो गई है।

   (ग) टोरा ने अखबार में देखा कि बिल्ली के बच्चों को एक घर की तलाश है।

   (घ) अमन ने गाँव में लहलहाते हुए पेड़ों को देखा और नीम के नीचे मिट्टी के बरतन बनाते कुम्हार को देखा।

   (ङ) बहन अपने भाई को वहाँ ले जाती है, जहाँ वह जाना चाहता है।

2. दादी के **संग** खाट पर,

   सुनें **कहानी** और सुनाएँ,

   गोदी में **उनकी सो** जाएँ,

   प्रातः उन्हें **प्रणाम** करें।

3. – भोजन बहुत स्वादिष्ट है।

   – यह मेरा **प्यारा** दोस्त है।

   – हमारे देश का नाम **भारत** है।

   – **बोज़ो** की टाँग में चोट लगी थी।

   – **सुबह** एक खिलौनेवाला आया।

4. पढ़ + कर – पढ़कर

   चल + कर – चलकर

   दौड़ + कर – दौड़कर

5. अखबार– अ + ख् + अ + ब् + आ + र् + अ

   बोज़ो– ब् + ओ + ज़् + ओ

6. वृक्ष – पेड़ पशु – जानवर जंगल – वन

   चतुर – चालाक शेर – सिंह

7. सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार

मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) पिता जी टोरा के साथ इसलिए नहीं खेल रहे थे क्योंकि वे अखबार पढ़ रहे थे।

   (ख) बच्चे पढ़-लिखकर और उत्तम कार्य करके अच्छे बनेंगे।

   (ग) बंदरिया बुढ़िया को धमकाकर उसकी सारी खीर खा जाती थी।

   (घ) नन्ही चिड़िया ने चुन्नू को रंग लगाया।

   (ङ) शहर में ए०सी० की ज़रूरत इसलिए पड़ती है क्योंकि वहाँ घर अधिक होते हैं और पेड़ बिलकुल भी नहीं होते।

2. (क) **मेहनत** खूब सिखाती **चींटी**,
   लाल-काली होती चींटी
   बिना रुके **मेहनत** करके,
   मंज़िल अपनी पाती चींटी।

   (ख) माँ **मुझको** अच्छा लगता है,
   जब मुझे **बाँधती दीदी** राखी।
   तुम कहती, जो **रक्षा** करता,
   उसे **बाँधते** हैं सब **राखी**।

3. (क) शेर ने लोमड़ी से कहा।

   (ख) समर ने रजत से कहा।

4. – **हिमालय** बहुत ऊँचा पर्वत है।

   – चींटी बहुत **मेहनत** करती है।

   – काले **बादल** बहुत तेज़ बरसते हैं।

   – **एकता** में बल होता है।

5. (क) रूमाल (ख) दीवार

   (ग) बुद्धि (घ) संगम

6. वक्त, रक्त; नृत्य, सत्य; अन्य, वन्य; हल्दी, जल्दी

7. कपड़े, तोते, चिड़ियाँ, चींटियाँ, जूते, बच्चे

8. जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई

9. वर्षा, ग्रीष्म, शरद, शिशिर, हेमंत

उत्तर मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) नीम लोगों को जीवन बाँटता है।

   (ख) अपने शरीर को ठंडा रखने के लिए हाथी खूब पानी पीता है।

   (ग) सरस्वती ने अपनी नाव से गाँववालों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया।

   (घ) बच्चे बाज़ार से पापा के साथ फल, सब्ज़ी, राशन लाना चाहते हैं। दादा जी के साथ पौधे लगाना चाहते हैं। मम्मी के साथ काम करना चाहते हैं और दादी से कहानी सुनना चाहते हैं।

   (ङ) अक्षत और रजत खिलौने की बात पर झगड़ने लगे।

   (च) सूखे पोखर को देखकर नन्ही चिड़िया ने सोचा ऐसा रंग बनाना चाहिए जिसे छुड़ाने में अधिक पानी न लगे।

2. (क) पापा के **संग बाहर** जाएँ,
   राशन, **फल, सब्ज़ी** ले आएँ,
   घर में **बिगड़े काम** बनाएँ,
   फिर **थोड़ा आराम** करें।

   (ख) सिर पर **अपने धूप** झेलता।
   छाँव **बाँटकर खूब** खेलता।
   सबके मन **को भाता** नीम।।

3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

4. (क) और (ख) और ... ओर (ग) मैं ... में (घ) मैं ... में

5. (क) ग्रामीण (ख) नाविक (ग) मेहनती (घ) निडर

6. – माँ **रसोई** में खाना बनाती है।
   – उसके खेतों में बहुत **हरियाली** थी।
   – बड़ों को **प्रणाम** करना चाहिए।
   – **हिमालय** भारत के उत्तर में स्थित है।
   – हाथी एक **विशालकाय** जानवर है।

7. राशन, व्यायाम, प्रणाम, सब्ज़ी

8. सुबह × शाम आगे × पीछे जीवन × मरण सुरक्षित × असुरक्षित

9. बैल – गाय राजा – रानी शेर – शेरनी दादा – दादी

1. साल शुरू हो

बोलकर बताइए

(क) कवि साल की शुरुआत दूध-दही से और समाप्ति शक्कर-घी से होने की बात कर रहे हैं।

(ख) जेबें पिपरमेंट, बिस्कुट और मिसरी से भरी रहें।

(ग) कवि फूल-पेड़, नदी और लहर से दोस्ती करने को कह रहे हैं।

(घ) विद्यार्थी स्वयं ही कविता याद करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) जेबों में खाने की चीज़ें भरकर बच्चे मस्ती करना चाहते हैं। गलियों में खेला खेलना चाहते हैं और ऊधम करना एवं हल्ला मचाना चाहते हैं।

   (ख) कवि चाहते हैं कि सभी निर्भय होकर जीवन जिएँ। इसलिए कवि ने दुनिया में किसी से भी न डरने की बात की है।

   (ग) यदि सभी मिल-जुलकर रहें तो हर काम आसानी से हो जाएगा।

2. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

3. – हमें **पास-पड़ोस** के लोगों से सही व्यवहार करना चाहिए।

   – सागर में **लहर** उठती रहती हैं।

   – बच्चे **ऊधम** मचाते रहते हैं।

   – **दुनिया** में किसी से डरने की ज़रूरत नहीं है।

बात भाषा की

1. स्त्रीलिंग – साँझ, बिजली, रात, बस्ती, नदी।

   पुल्लिंग – पेड़, फूल, गाँव, बादल, दूध।

2. त्म – आत्मा, परमात्मा क्त – रक्त, वक्त स्त – स्तर, अस्त

3. मेघ – बादल प्रातः – सवेरा रात्रि – रात

   सरिता – नदी दुग्ध – दूध संसार – दुनिया

बात कल्पना की

विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

बात सूझ-बूझ की

1. ✓ 2. ✗ 3. ✗

खेल-खेल में

1. सोमवार, **मंगलवार**, **बुधवार**, बृहस्पतिवार, **शुक्रवार**, शनिवार, **रविवार**
2. (क) सात दिन (ख) बृहस्पतिवार (ग) बृहस्पतिवार के बाद
   (घ) बुधवार (ङ) रविवार
3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓ (च) ✗
4. रविवार, मंगलवार, सोमवार, शुक्रवार, बुधवार, बृहस्पतिवार

2. सफ़ाई की सीख

बोलकर बताइए

(क) शर्मा जी की बिल्ली सफ़ेद और कोमल बालों वाली थी।

(ख) अमन की बुरी आदत यह थी कि वह नहाता नहीं था।

(ग) अमन को खुजली की बीमारी हो गई थी।

(घ) बिल्ली ने दूध इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसका पेट भर गया था।

(ङ) हमें मिर्च, खटाई, बाज़ार की चाट और अधिक मिठाइयाँ नहीं खानी चाहिए।

लिखकर बताइए

1. (क) शर्मा जी के दफ़्तर से आते ही बिल्ली उनके पास दौड़कर आती और म्याऊँ-म्याऊँ करके उनके पैरों पर अपना शरीर रगड़ने लगती।

   (ख) पेट साफ़ न रहने से तरह-तरह की बीमारियाँ होती हैं।

   (ग) शर्मा जी अमन को अपने पास इसलिए नहीं सुलाते थे क्योंकि वह गंदा रहता था। नहाता भी नहीं था। उसे खुजली थी।

(घ) मैल के कारण शरीर पर विषैला पसीना त्वचा में लगता है। यह शरीर के भीतर चला जाता है। इसके कारण फोड़े-फुंसियाँ होती हैं।

(ङ) अमन ने अपने पिता से वायदा किया कि वह सफ़ाई का ध्यान रखेगा और ऐसा कोई काम नहीं करेगा जिससे उसका पेट खराब हो।

2. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

3. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

4. (क) गंदगी के कारण शरीर में **रोग** होते हैं।

(ख) फल-सब्ज़ियाँ **मौसम** के अनुसार ही खानी चाहिए।

(ग) सफ़ाई रखने एवं अच्छा खाने से अमन **बलवान** हो गया।

(घ) मेरा शरीर **चुस्त**-दुरुस्त हो गया।

(ङ) हमें अपने **शरीर** को साफ़-सुथरा रखना चाहिए।

बात भाषा की

1.

पुस्तक – पुस्तकें	मिठाई – मिठाइयाँ	सड़क – सड़कें
दवाई – दवाइयाँ	आँख – आखें	मक्खी – मक्खियाँ
बात – बातें	बीमारी – बीमारियाँ	रात – रातें
बिल्ली – बिल्लियाँ		

2.

विशेषण	**संज्ञा**	**विशेषण**	**संज्ञा**
कोमल	बाल	गरम	पानी
साफ़	कपड़े	छोटे-छोटे	फोड़े-फुंसी
स्वच्छ	शरीर	साफ़	पेट

3. (क) धोऊँगा (ख) बुलाया (ग) चाटने लगी (घ) खाओ

बात कल्पना की

1. स्नान करना चाहिए।
2. कपड़े साफ़ रखने चाहिए।
3. बिस्तर साफ़ रखना चाहिए।
4. मौसमी फल-सब्ज़ियाँ खानी चाहिए।
5. खटाई, मिर्च और बाज़ार के खाने से बचना चाहिए।

श्रवण-कौशल

1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓ 7. ✓ 8. ✗

3. अनोखी चिट्ठी

बोलकर बताइए

(क) चेतन के पिता की मृत्यु तब हुई जब वह मात्र 6 वर्ष का था।

(ख) चिड़ा अपने बच्चों के लिए दाना लाता था और उनका पेट भरता था।

(ग) चेतन ने पत्र पर पता लिखा था–"परमात्मा को मिले"।

(घ) सेठ की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने अपनी संपत्ति चेतन के नाम लिख दी।

लिखकर बताइए

1. (क) माँ ने कहा कि तुम्हारे पिता इसलिए साथ नहीं रहते हैं क्योंकि उनकी मृत्यु हो चुकी है। उस समय तुम केवल 6 वर्ष के थे।

   (ख) चेतन को पिता की कमी इसलिए महसूस होती थी क्योंकि उसे लगता था कि सभी के पिता हैं तो फिर उसके पिता कहाँ गए।

   (ग) चेतन ने चिट्ठी में लिखा कि पिता जी मुझसे क्यों रूठ गए हो? अब मैं शरारत नहीं करता। तुम आकर मुझसे प्यार करो। यदि तुम्हें काम हो तो मेरे लिए मिठाई भिजवा देना।

   (घ) सेठ जी ने पत्र पर लिखा पता काटकर अपने घर का पता लिख दिया।

   (ङ) सेठ जी चेतन के पते पर हर महीने 100 रुपये भेजकर उसकी मदद करते थे।

2. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓ (च) ✗

3. (क) सेठ ने मुंशी से तब कहा जब वे चेतन के पास रुपये भेज रहे थे।

   (ख) चेतन ने माँ से तब कहा जब उसने कहा कि मैं ही तुम्हारा पिता हूँ।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ में आए कठिन शब्दों तथा किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

बात भाषा की

1. (क) पिता – माता (ख) बेटा – बेटी

   (ग) पुत्र – पुत्री (घ) युवक – युवती

2. (क) बेटा – बेटे (ख) मिठाई – मिठाइयाँ (ग) खिलौना – खिलौने

   (घ) बच्चा – बच्चे (ङ) रुपया – रुपये (च) चीज़ – चीज़ें

3. (क) प्रश्न × उत्तर (ख) खुश × नाराज़ (ग) विश्वास × अविश्वास
(घ) अंत × शुरू (ङ) निर्धन × धनवान (च) सुबह × शाम

4. (क) माँ (ख) मिठाइयाँ (ग) वहाँ
(घ) कुआँ (ङ) ऊँचा (च) कहाँ

बात कल्पना की

प्रिय परमात्मा
मेरा नाम सुदीप है। कोरोना के कारण मेरे पिता जी अब नहीं रहे। घर में परेशानी हो रही है। मेरी पढ़ाई की फ़ीस भी नहीं है। आप 500 रुपये भेजने की कृपा करें।
मैं आपका आभारी रहूँगा।
आपका
सुदीप

4. चिट्ठी

बोलकर बताइए

(क) कविता में चिट्ठी के बारे में बात की गई है।
(ख) पापा पोस्टकार्ड लिखते हैं।
(ग) बड़े लिफ़ाफ़े में चाचा का उपहार छुपा होता है।
(घ) विद्यार्थी कविता याद करके कक्षा में सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) चिट्ठी में सुख-दुख की बातें, संदेश और प्यार भरी सौगातें छिपी होती हैं।
(ख) चिट्ठी कई दिन-रात चलकर मीलों पार करके हम तक पहुँचती है।
(ग) माँ ने चिट्ठी में लिखकर भेजा है कि बेटा पढ़-लिखकर होशियार बनना।

2. छोटा-सा **कागज़ बिन पैर**
करता दुनिया भर की सैर
नए-नए **संदेश सुनाकर**
जोड़ रहा है दिल के तार
चिट्ठी में **है मन का प्यार**।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात भाषा की

1. स्थान, ग्वाला, अग्नि, रक्त
2. (क) सुखी (ख) दुखी (ग) बेटी (घ) चाची (ङ) मेहनती (च) बच्ची।
3. (क) पैर – सैर (ख) कार – पार
   (ग) रात – बात (घ) न्यारी – प्यारी
   (ङ) तन – मन (च) तार – प्यार

बात कल्पना की

कविता के आधार पर विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

5. चटोरी सेठानी

बोलकर बताइए

(क) जब सेठ घर में होता तो सेठानी बहुत कम खाती थी।

(ख) लड़की का नाम हेतल था।

(ग) आधी रात को सेठानी ने हेतल से मीठे पूड़े माँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) सेठ कंजूस था। वह धन बचाता था। सेठानी चटोरी थी। वह सेठ के न रहने पर बढ़िया-बढ़िया खाना बनाकर खाती थी।
   (ख) एक दिन सेठ ने सोचा कि सेठानी कम खाने पर भी प्रतिदिन इतनी मोटी कैसे होती जा रही है।
   (ग) सेठ जी के दूसरे गाँव जाने की बात सुनकर सेठानी इसलिए खुश हो गई क्योंकि अब उसे अच्छा-अच्छा खाना खाने का अवसर मिल जाएगा। सेठ के साथ रहने पर उसे परेशानी होती थी।
   (घ) सेठानी रात में चार बार उठी। उसने हेतल से मीठे पूड़े, मठरी, पापड़ और हलुआ मँगवाकर खाया।
2. (क) हेतल ने सेठानी से तब कहा जब सेठानी ने कहा कि अभी कितनी रात है।
   (ख) सेठ ने सेठानी से तब कहा जब उसने सच्चाई का पता लगाने का मन बनाया।

3. (6) आप तो पाँच-सात दिन के लिए गए थे।

(1) इतना सामान लाता हूँ, पता नहीं जल्दी कैसे खत्म हो जाता है?

(2) तुम मठरी ले आओ। आराम से खा लेंगे।

(3) थोड़ा हलुआ बना लो।

(5) सवेरा होते ही सेठानी को देख लूँगा।

(4) अब सवेरा होने वाला है।

(7) रास्ते में कुछ अपशकुन हो गया, इसलिए वापस आ गया।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. (क) यह तो बहुत **दुष्ट** है।

(ख) सेठानी बहुत **चटोरी** थी।

(ग) सेठ बहुत **कंजूस** था।

(घ) सेठानी ने हेतल से **मठरी** माँगी।

बात भाषा की

1.

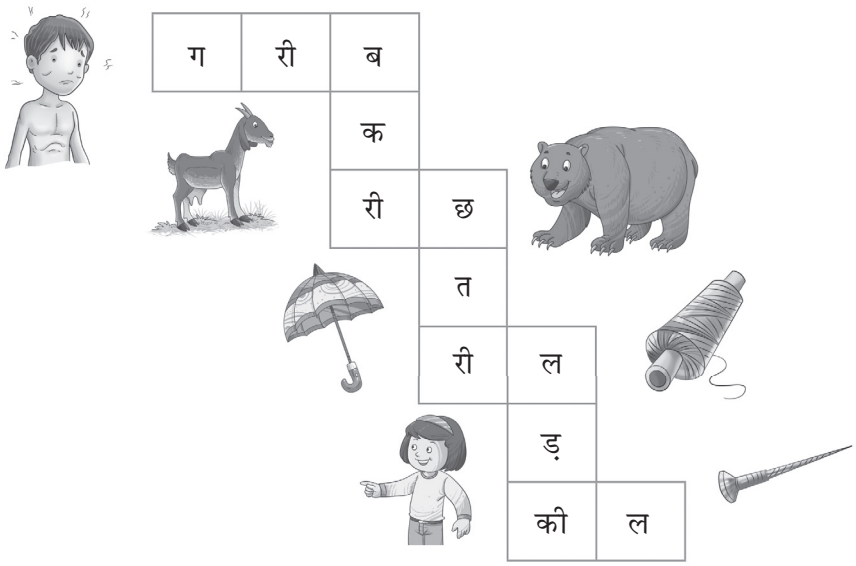

2. (क) में (ख) पर (ग) ऊपर (घ) में / पर

3. कंधा, कंघा, कंबल, कंचन; अंकुर, अगर, खबर, मगर

बात कल्पना की

एक बार मोती लकड़ी काटने गया। वह तालाब के पास वाले पेड़ पर चढ़ गया। एक डाल पर बैठकर उसे आगे की ओर से काटने लगा। इसे ऐसा करते देख एक आदमी ने उसे रोका। मोती उसकी ओर गुस्से से देखते हुए बोला, "मैं पागल हूँ क्या जो तुम मुझे समझा रहे हो।" वह आदमी चला गया। थोड़ी ही देर में डाल कट गई। मोती डाल के साथ ही तालाब के पानी में गिरा। अब उसे अपनी गलती समझ में आ गई। बाद में उसने बड़ों का कहना मानना शुरू कर दिया।

श्रवण-कौशल

1. साथ 2. एक 3. पी 4. अभी 5. पूरा 6. खाली

6. कबीर सुधर गया

बोलकर बताइए

(क) कबीर ने अचानक जूते और जुराबों की आवाज़ें सुनी।

(ख) रबड़ इसलिए दुखी थी क्योंकि कबीर उसे बहुत ज़ोर से रगड़ता था। उसे साफ़ भी नहीं करता था।

(ग) अजीब-सी दुर्गंध कबीर के टिफ़िन से आई।

(घ) पेंसिल बॉक्स ने कबीर से बात करने के लिए कहा।

लिखकर बताइए

1. (क) कबीर ने विद्यालय से लौटकर बस्ता पटक दिया। जूते-जुराबें भी इधर-उधर फेंक दिए।

   (ख) पेंसिल ने शिकायत की कि कबीर उसे ठीक से नहीं रखता। उसकी नोंक टूट जाती है। बार-बार छीलने से उसे बहुत दर्द भी होता है।

   (ग) कबीर की पुस्तक के पृष्ठ फट गए थे। वह उन्हीं पर लिखता था, इसलिए वे गंदे भी हो गए थे। वह कॉपी पर ठीक से नहीं लिखता था।

   (घ) कबीर ने सबसे यह कहकर माफ़ी माँगी कि वह बहुत शर्मिंदा है। उसे क्षमा कर दो। मैं अब तुम्हें बहुत सँभालकर रखूँगा। सफ़ाई का भी ध्यान रखूँगा।

2. – मैं कितनी काली हो गई हूँ – रबड़

– आह! बहुत दर्द हो रहा है। – जूता

– हमारे पृष्ठ भी फट गए हैं। – पुस्तक

– वह काम भी अधूरा करता है। – कॉपी

– मैं इधर-उधर पड़ी रहती हूँ। – पेंसिल

– स्कूल से आते ही हमें कोने में पटक देता है। – जूता

3. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

4. – उसके टिफ़िन से **दुर्गंध** आ रही थी।

– रवि की पुस्तक की **ज़िल्द** फट गई।

– अमन सुंदर **अक्षर** नहीं लिखता।

– मैं कक्षा में प्रथम आने का **प्रयास** करूँगा।

बात भाषा की

1. (क) के (ख) का (ग) की (घ) का (ङ) की

2.

अँगूठी	चाँदनी	बंदर
अंदर	तिरंगा	माँगना
छलाँग	संतरा	मंगल
काँपना	कुआँ	जंगल

3. बीमारी पढ़ाई इसलिए क्योंकि छुट्टियाँ

4. आसमान – आकाश शरीर – तन मनुष्य – इनसान

संसार – जगत ज़मीन – धरती फूल – सुमन

बात कल्पना की

विद्यार्थी स्वयं घेरा लगाएँगे।

बात सूझ-बूझ की

1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓ 7. ✗

श्रवण-कौशल

विद्यार्थी सुनेंगे और लिखेंगे।

7. नानी की सीख

बोलकर बताइए

(क) नानी सदा समझाती हैं कि पानी व्यर्थ मत बहाओ।

(ख) पानी के बिना धरती रेगिस्तान हो जाएगी।

(ग) बादल हरी-भरी धरती पर आते हैं।

(घ) विद्यार्थी स्वयं कविता याद करके कक्षा में सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) यदि धरती से पानी खत्म हो गया तो जीवन समाप्त हो जाएगा। अन्न की पैदावार नहीं होगी।

   (ख) बादल के लिए 'उपकारी' शब्द का प्रयोग इसलिए किया है क्योंकि ये बरसकर धरती को हरी-भरी कर देते हैं।

   (ग) हम नल को खुला छोड़कर एवं ज़रूरत से ज्यादा पानी खर्च करके उसे व्यर्थ गँवाते हैं।

   (घ) पेड़ इसलिए लगाने चाहिए क्योंकि ये पेड़ ही धरती के अनमोल रत्न हैं।

2. सदा हमें **समझाती नानी**,
   व्यर्थ मत बहाओ **पानी**।
   हुआ अगर यह **समाप्त धरा से**,
   मिट जाएगी सारी **ज़िंदगानी**।
   हरी-भरी होती **जहाँ धरती**,
   आते वहीं **बादल उपकारी**।
   खूब **गरजते**, खूब **बरसते**,
   जिससे होती **वर्षा भारी**।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – बिना पानी के धरती वीरान हो जाएगी।
   – हमें पानी को व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए।
   – **रेगिस्तान** में कुछ नहीं उगता।
   – मनुष्य के लिए जल **अनमोल** है।

बात भाषा की

1. गरजता – गरजते | बरसता – बरसते | सिक्का – सिक्के
   दाना – दाने | हरा – हरे | भरा – भरे
2. (क) राजा **और** मंत्री महल की **ओर** चल दिए।
   (ख) यह रास्ता पाठशाला की **ओर** जाता है।
   (ग) रवि **और** संदीप खेल रहे हैं।
   (घ) इस वर्ष मैं पढ़ाई की **ओर** ध्यान दूँगा **और** अच्छे नंबर लाऊँगा।
3. पेड़, धरती, दाना, पानी
4. बचाना, लगाना, बरसना, मिटना

बात कल्पना की

हमें पीने के लिए पानी न मिले तो हमारा गला सूख जाएगा। शरीर में पानी की कमी के कारण कॉलरा हो सकता है। चक्कर आने लगेगा। तरह-तरह की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाएगा। जीवन बचाना मुश्किल हो जाएगा।

बात सूझ-बूझ की

विद्यार्थी स्वयं पानी का उपयोग लिखेंगे।

8. सच्चा मित्र

बोलकर बताइए

(क) सरकस कंपनी लखनऊ में आई थी।

(ख) बंदर का नाम मिट्ठू था।

(ग) गोपाल ने माँ से पचास पैसे माँगे।

(घ) गोपाल मिट्ठू को चने, मटर और केले खिलाता था।

लिखकर बताइए

1. (क) बंदर स्वभाव से शरारती होता है। वह किसी को भी काट सकता है।

(ख) गोपाल ने कहा, "अम्मा, मुझे अठन्नी दे दो। मैं जाकर मिट्ठू को खरीद लाऊँ। वह न जाने कहाँ चला जाएगा। फिर मैं उसे कैसे देखूँगा। वह भी मुझे नहीं देखेगा तो रोएगा।"

(ग) मिट्ठू चीते के पंजे पर कूद पड़ा। दाँतों से उसके पंजों को काटने लगा। इसके कारण गोपाल चीते के पंजे से छूट गया।

2. (2) गोपाल मिट्ठू को केले, चने, मटर खिलाता था।

(5) चीते ने गोपाल को पंजे से पकड़ने की कोशिश की।

(3) गोपाल ने माँ से अठन्नी माँगी।

(1) लखनऊ में एक सरकस कंपनी आई।

(4) गोपाल ने मालिक से पूछा, "क्या वह अठन्नी में मिट्ठू को बेचेगा?"

(6) मिट्ठू घायल होकर गिर पड़ा।

(7) मालिक ने गोपाल को मिट्ठू दे दिया।

3. (क) सरकस के मालिक ने गोपाल से तब कहा जब गोपाल ने मिट्ठू को खरीदने की बात कही।

(ख) माँ ने गोपाल से तब कहा जब उसने मिट्ठू बंदर को खरीदने के लिए पैसे माँगे।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – मैंने सरकास का **तमाशा** देखा है।

– उसने गरीबों में अपना सारा **खज़ाना** लुटा दिया।

– हमें दुख के क्षणों में **निराश** नहीं होना चाहिए।

– शेर ने शिकारी को **घायल** कर दिया।

बात भाषा की

1. (क) पचास (ख) रंग-बिरंगे (ग) नकलची

(घ) शरारती (ङ) सुंदर

2. – एक बूँद पानी – एक चम्मच चीनी

– एक कप चाय – एक कप दूध

– एक गुच्छा अंगूर

बात कल्पना की

पाठ के आधार पर चित्र का वर्णन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

9. साइकिल की कहानी

बोलकर बताइए

(क) समीर इसलिए खुश था क्योंकि आज उसका जन्मदिन था।

(ख) नाना-नानी ने समीर को उपहार में साइकिल दी।

(ग) साइकिल जैसे उपकरण का नाम प्रारंभ में हॉबी हॉर्स था।

(घ) भारत की गिनती सबसे अधिक साइकिल बनाने वाले देशों में होती है।

लिखकर बताइए

1. (क) समीर ने उपहार देखकर कहा, "नाना जी, आपको पता है कि मेरे सब दोस्तों के पास साइकिल है। अब तो मैं अपने दोस्तों के साथ खूब साइकिल चलाऊँगा।"

   (ख) हॉबी हॉर्स में एक लंबे डंडे के दोनों ओर पहिया लगा होता था। इसे चलाना बहुत कठिन था।

   (ग) हॉबी हॉर्स में बैटन ट्राइस, मिचैक्स और मैकमिलन ने सुधार किए।

   (घ) हॉबी हॉर्स में हैंडल, पैडल लगाया गया।

2. (6) 1842 ईस्वी में फ्रांस के इंजीनियर ने साइकिल बनाई।

   (7) नानी ने कहा–"केक काटने का समय हो गया है।"

   (8) भारत सबसे अधिक साइकिल बनाने वाले देशों में एक बन गया।

   (4) हॉबी हॉर्स में पैडल नहीं थे।

   (5) मैकमिलन की साइकिल में पैडल थे।

   (3) साइकिल के आविष्कार से पहले हॉबी हॉर्स का प्रयोग होता था।

   (2) नाना-नानी ने समीर को साइकिल दी।

   (1) समीर ने दरवाज़ा खोला और नाना-नानी के पैर छुए।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – साइकिल में अनेक **सुधार** किए गए।

   – मुझे नाना-नानी ने **आशीर्वाद** दिया।

   – मैं मित्र का **इंतज़ार** कर रहा था।

   – उसे **उपहार** में एक घड़ी मिली।

बात भाषा की

1. (क) आशीर्वाद (ख) प्रतियोगिता (ग) साइकिल
   (घ) क्योंकि (ङ) दूरदर्शन
2. (क) आविष्कार (ख) प्रतियोगिता
   (ग) आधुनिक (घ) चहकना
3. (क) समीर, दरवाज़ा (ख) नाना जी, हॉबी हॉर्स
   (ग) समीर, मित्र, कबीर, पवन, शालू (घ) जर्मनी, इंजीनियर, मॉडल
4. बेटे/बेटों पहिए कहानियाँ दरवाज़े बातें बच्चे

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

10. ऐसी दुनिया हमें चाहिए

बोलकर बताइए

(क) कविता में बच्चे नई दुनिया चाहते हैं।

(ख) नई दुनिया में नफ़रत का राज नहीं होना चाहिए।

(ग) विद्यार्थी कविता याद करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) बालक कल की दुनिया में झूठ, बीमारी, नफ़रत नहीं देखना चाहते हैं।
   (ख) कल की दुनिया ऐसी होगी जिसमें भूख, बीमारी नहीं होगी। सभी को साफ़ हवा और स्वच्छ जल मिलेगा।
   (ग) दुनिया में हवा, मिट्टी और जल साफ़ होने चाहिए।
2. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
3. – **सच्चाई** की हमेशा जीत होती है।
   – **दुनिया** नए रंग-रूप की होनी चाहिए।
   – सबको मानवता का **पाठ** पढ़ाया जाना चाहिए।
   – हमारे **रंग-रूप** अलग-अलग होते हैं।

बात भाषा की

1. नफ़रत × प्यार　　जीत × हार　　नए × पुराने

   साफ़ × गंदा　　बीमारी × आरोग्य　　झूठ × सच

2. (क) पढ़ाया　(ख) पढ़ रही हैं　(ग) खेलता है　(घ) नाच रही है　(ङ) बनाई

बात कल्पना की

चित्र-वर्णन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

11. अनोखी पाठशाला

बोलकर बताइए

(क) सभी सुबह से रात तक नंदनवन में उल्लास और आनंद मनाते थे।

(ख) परीक्षा की बात सुनकर सभी जानवर परेशान हो गए।

(ग) पेड़ पर चढ़ने की परीक्षा में पक्षी जीत गए।

(घ) बड़ा-सा पत्थर हाथी ने हटाया।

लिखकर बताइए

1. (क) भालू के पढ़ाने का जानवरों पर यह असर हुआ कि उन्हें समूह में रहना आ गया। सब बढ़-चढ़कर गतिविधियों में हिस्सा लेने लगे। सबकी सुनने और बोलने की क्षमता में सुधार हो रहा था।

   (ख) भालू ने परीक्षा लेने की बात इसलिए सोची क्योंकि वह सबसे अधिक होशियार का पता लगाना चाहता था।

   (ग) शिक्षक भालू ने दीवार और पीपल पर चढ़ने, पत्थर हटाने, मैदान का चक्कर लगाने की परीक्षा ली। दीवार पर चढ़ने में छिपकली, पीपल पर पक्षी और पत्थर हटाने में हाथी जीता।

   (घ) सबने परीक्षा का बहिष्कार इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगा कि भालू उन्हें परीक्षा के नाम पर परेशान कर रहा है।

2. (क) भालू ने सभी जंगली जीवों से तब कहा जब खरगोश ने कहा कि हम सब तो सीख ही रहे हैं। परीक्षा की क्या ज़रूरत है?

   (ख) खरगोश ने भालू से कहा जब भालू ने परीक्षा लेने की बात कही।

3. (2) अब तुम्हारी परीक्षा होगी। सब तैयार रहें।
   (4) मुझ जैसे इतनी ऊँची दीवार पर कभी नहीं चढ़ पाएँगे।
   (5) मैदान के चार चक्कर लगाओ।
   (7) मैं इस परीक्षा का बहिष्कार करती हूँ।
   (1) नंदनवन में खुशियाँ का स्कूल खुल गया था।
   (8) सब एक साथ चिल्लाए, "हम सब भी।"
   (3) परीक्षा यहीं मैदान में होगी, सब तैयार रहें।
   (6) मैदान में जो बड़ा-सा पत्थर है, उसे हटाओ।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अंश का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – परीक्षा की बात सुनते ही सब ओर **सन्नाटा** छा गया।
   – परीक्षा से पता चलता है कि कौन सबसे अधिक **होशियार** है।
   – हमें कभी **मायूस** नहीं होना चाहिए।
   – शिक्षक **अव्वल** विद्यार्थी का पता लगाना चाहते थे।

बात भाषा की

1. त्त – पत्ता, गत्ता ल्ल – बल्ला, छल्ला
   न्न – गन्ना, पन्ना क्क – चक्का, धक्का

2. (क) तैर (ख) सैर (ग) मैल (घ) भैया (ङ) बेल

3. (क) पाठशाला (ख) शाकाहारी (ग) चित्रकार (घ) मांसाहारी (ङ) शिक्षक

बात कल्पना की

सभी विद्यार्थी अपने स्कूल के बारे में लिखेंगे।

श्रवण-कौशल

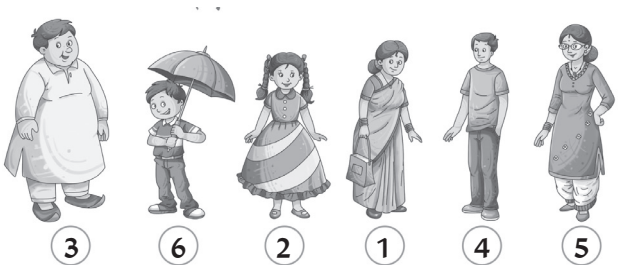

12. चाँद की ज़िद

बोलकर बताइए

(क) कविता में चाँद माँ से ज़िद कर रहा है।

(ख) वह झिंगोला पहनना चाहता है।

(ग) कविता में जाड़े के मौसम की बात की गई है।

(घ) विद्यार्थी स्वयं कविता याद करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) चाँद ने अपनी माँ से झिंगोला सिलवाने की ज़िद इसलिए की क्योंकि उसे आसमान में चलते समय रातभर ठंड लगती रहती है।

   (ख) चाँद का झिंगोला इसलिए नहीं सिलवाया जा सकता क्योंकि उसका आकार घटता-बढ़ता रहता है।

   (ग) यह चिंतनपरक प्रश्न है। इसे विद्यार्थी स्वयं सोचकर लिखेंगे।

2. हठ कर **बैठा चाँद** एक दिन, **माता** से **वह बोला**,
   सिलवा दो **माँ** मुझे **ऊन** का **मोटा** एक **झिंगोला**।
   सन-सन चलती **हवा** रात-भर **जाड़े** से **मरता** हूँ,
   ठिठुर-ठिठुर कर किसी तरह **यात्रा** पूरी **करता हूँ**।
   आसमान का **सफ़र** और यह **मौसम** है **जाड़े** का,
   न हो अगर तो ला दो **कुर्ता** ही कोई **भाड़े** का,

बात भाषा की

1.	दरवाज़ा – चर्र-चर्र	सिक्के – खन-खन	बूँद – टप-टप
	खर्राटे – खर्र-खर्र	घंटी – टन-टन	टेलीफ़ोन – ट्रिन-ट्रिन
2.	रात्रि – रात	ठंड – जाड़ा	ईश्वर – भगवान
	नेत्र – आँख	पवन – हवा	ऋतु – मौसम
	ज़िद – हठ	आकाश – आसमान	माँ – माता
3.	दिन – रात	ज़मीन – आसमान	लंबा – छोटा
	बड़ा – छोटा	घटता – बढ़ता	पतला – मोटा

निर्देश– विद्यार्थी 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' स्वयं करेंगे।

13. गोपाल की सच्चाई

बोलकर बताइए

(क) बालक का पूरा नाम था– गोपाल कृष्ण गोखले।

(ख) गुरु जी गणित पढ़ा रहे थे।

(ग) गुरु जी ने पुरस्कार के रूप में कलम दी।

(घ) गोपाल ने कहा–"नहीं माँ, पहले मैं सभी सवाल हल करूँगा। गुरु जी ने कहा है, सभी सवाल खुद हल करने हैं।"

लिखकर बताइए

1. (क) गृहकार्य देते समय अध्यापक ने कहा कि यह आज का गृहकार्य है। ये सवाल बिना किसी की सहायता के तुम्हें अकेले हल करने हैं।

   (ख) गोपाल इसलिए रोने लगा क्योंकि उसने एक सवाल स्वयं हल नहीं किया था। उसने गुरु जी को बताया कि एक सवाल हल करने वाले में उसके मित्र ने मदद की है।

   (ग) उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचने के बाद गुरु जी ने गोपाल से कहा, "बेटा, मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ और यह कलम तुम्हारा पुरस्कार है।"

2. (क) गुरु जी ने गोपाल से तब कहा जब पुरस्कार मिलते ही गोपाल रोने लगा।

   (ख) गुरु जी ने गोपाल से तब कहा जब गोपाल ने कहा कि सवाल हल करने में उसके मित्र ने मदद की है। इसलिए पुरस्कार का हकदार उसका मित्र ही है।

3. (9) यह पुरस्कार तुम्हें सच्चाई के लिए दिया जा रहा है।

   (10) महात्मा गांधी भी गोपालकृष्ण गोखले को अपना गुरु मानते थे।

   (1) गुरु जी ने कुछ सवाल बच्चों को हल करने के लिए दिए।

   (4) माँ ने कहा, "बेटा, पहले खाना खा लो।"

   (2) गुरु जी, मैंने सभी सवाल हल कर लिए।

   (3) बच्चो! यह आज का गृहकार्य है।

   (5) यह सवाल मेरी समझ में नहीं आ रहा।

   (7) गुरु जी ने सभी बच्चों की उत्तर-पुस्तिकाएँ जाँचीं। केवल गोपाल ने ही सभी सवाल हल किए थे।

(6) गोपाल ने अपने मित्र की सहायता से वह सवाल हल कर लिया।

(8) गुरु जी, मैं यह पुरस्कार पाने के योग्य नहीं हूँ।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – गुरु जी शिष्य से **प्रसन्न** हो गए।

– अमित ने गोपाल की बहुत **प्रशंसा** की।

– सभी को स्वयं पर **गर्व** होना चाहिए।

– हमें **गृहकार्य** समय पर करना चाहिए।

बात भाषा की

1. शाबाशी, सावधानी, अच्छाई, सच्चाई, बुराई, गहराई

2. पुल्लिंग–सवाल, गुरु जी, बच्चे

स्त्रीलिंग–पुस्तिका, कक्षा, शाबाशी, प्रशंसा, कलम

3. र – रमेश, रमन

ृ – प्रण, प्रणाम

ृ – ड्रम, ट्राम

र्‍ – पर्व, वर्षा

4. प – पवन, फ – फल

ब – बकरी, भ – भजन

म – मकान

बात कल्पना की

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

14. पेड़ लगाओ

बोलकर बताइए

(क) सुधा की बेटी का नाम सेजल था।

(ख) सेजल का दूध चूहा पी गया।

(ग) चूहा सबसे पहले दूध माँगने के लिए ग्वाले के पास गया।

(घ) चूहे ने आदमी को खतरनाक कहा।

लिखकर बताइए

1. (क) एक दिन जब सुधा ने सेजल के लिए दूध रखा तब सेजल सो रही थी। उसके लिए रखे दूध को चूहा पी गया।

   (ख) जब सुधा दुखी हुई तब चूहे को बहुत दुख हुआ। उसने सोचा कि उससे बहुत बड़ी भूल हो गई।

   (ग) दूध पाने के लिए चूहे को ग्वाले, गाय, नदी, हिमालय और बादल के पास जाना पड़ा।

   (घ) बादल ने चूहे को बच्चों से दोस्ती करने के लिए इसलिए कहा क्योंकि नन्हे-मुन्ने बच्चे ही पेड़ लगाएँगे और वे ही उनकी देखभाल भी करेंगे।

2. (2) चूहा सेजल के गिलास से सारा दूध पी गया।

   (3) चूहा ग्वाले के पास दूध लेने गया।

   (1) सुधा ने सेजल के लिए गिलास में दूध गरम करके रखा।

   (4) चूहा गाय के पास दूध माँगने गया।

   (5) चूहा घास के पास घास माँगने गया।

   (7) चूहे ने बच्चों से दोस्ती कर ली और बच्चों ने खूब पेड़ लगाए।

   (6) चूहा बादल के पास गया।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. (क) **हिमालय** पर बर्फ़ जमा रहती है।

   (ख) खेतों में **हरियाली** छाई रहती है।

   (ग) **बादल** वर्षा करते हैं।

बात भाषा की

1. पानी – जल, इनसान – आदमी, उदास – दुखी, खुश – प्रसन्न

2. (क) सुधा कमरे **में** गई।

   (ख) **मैं** प्रतिदिन दूध पीता हूँ।

   (ग) ग्वाला बोला, "**मैं** तो गाय से दूध लेता हूँ।"

   (घ) घास ने कहा– "**मैं** स्वयं पीली पड़ गई हूँ।"

   (ङ) गिलास **में** दूध नहीं था।

3. गरम	उदास	इनसान
मकान	सड़क	नल
नमक	कसरत	लटकना
कमल	तरबूज	नाटक

बात कल्पना की

1. पेड़ हमें लकड़ी देते हैं।
2. इससे इमारती लकड़ी मिलती है।
3. पेड़ हवा को स्वच्छ बनाते हैं।
4. लकड़ी से ही सुंदर फ़र्नीचर बनते हैं।
5. छाया और फल भी पेड़ों से ही मिलते हैं।
6. पेड़ों से ही कागज़ बनता है।

बात सूझ-बूझ की

1. ✓
2. ✗
3. ✓
4. ✗
5. विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

15. जयपुर की सैर

बोलकर बताइए

(क) सभी बच्चे जयपुर जा रहे थे।

(ख) सबसे पहले वे आमेर पहुँचे।

(ग) बच्चा जल कुंड में गिर गया।

(घ) सबने जयपुर पहुँचकर पहले हवा महल देखा।

लिखकर बताइए

1. (क) (अ) यहाँ 'उसने' एक आदमी को कहा गया है।
   (ब) उसने जल कुंड में छलाँग लगाई।
   (स) उसने बच्चे को बचाने के लिए छलाँग लगाई।
   (द) वह बच्चे को बचाने के लिए उसके पास पहुँचा।

   (ख) आमेर पहुँचकर बच्चों ने आमेर का किला और वहाँ का पार्क देखा। वे हाथी पर बैठकर किले को देखने गए वहाँ से उन्हें पूरा शहर दिखाई दे रहा था।

   (ग) 'गलता मंदिर' के जल कुंड में एक बच्चा गिर गया। वह ज़ंजीर के सहारे निकलना चाहता था लेकिन ज़ंजीर हाथ से छूट जाती थी। अंत में एक व्यक्ति ने उसे निकाल लिया।

   (घ) बच्चों ने जयपुर यात्रा के दौरान हवा महल, राजमंदिर और गलता मंदिर देखा, मुझे तो सबसे अच्छा यह लगा कि एक आदमी ने डूबते बच्चे को बचा लिया।

2. (4) जय के पिता जी सबको लेकर 'गलता मंदिर' पहुँचे।
   (5) बच्चा कुंड में गिर गया।
   (1) जय, समीरा और भव्या अपने माता-पिता के साथ जयपुर की सैर पर निकले।
   (6) आदमी ने बच्चे को उसकी माता को पकड़ा दिया।
   (2) बच्चों ने पहाड़ पर बना आमेर का किला देखा।
   (3) बच्चे 'आ-आ' की आवाज़ें करके कबूतरों के बीच घुस जाते।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – बंदर बहुत **शरारत** कर रहे थे।
   – बच्चा **ज़ंजीर** पकड़कर कुंड से निकलना चाहता था।
   – एक आदमी ने कुंड में **छलाँग** लगा दी।
   – हम कल **सिनेमा** देखने गए।

बात भाषा की

1. (क) से पहले (ख) के बीच
   (ग) के पीछे (घ) के साथ
   (ङ) के लिए

2. (क) हम (ख) वह

(ग) वे (घ) उनके

(ङ) उन्होंने

3. वृद्ध, वृषभ, कृषक, मृग

श्रवण-कौशल

1. ज़िद 2. सिद्ध 3. भला 4. हाथी

5. ठीक 6. लोटा 7. भी

हिंदी की संख्याएँ

1. 5 : Five 20 : Twenty

५ : पाँच २० : बीस

3 : Three 17 : Seventeen

3 : तीन १७ : सत्रह

18 : Eighteen 12 : Twelve

१८ : अठारह १२ : बारह

2. ६ : छह १७ : सत्रह

१४ : चौदह ३९ : उनतालीस

१३ : तेरह २१ : इक्कीस

3. (क) ७ (ख) बारह

(ग) ७ (घ) ग्यारह

(ङ) १० (च) १९

पूर्व मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) दुनिया में हवा, मिट्टी और जल स्वच्छ होने चाहिए।

   (ख) गोपाल इसलिए रोने लगा क्योंकि उसने एक सवाल स्वयं हल नहीं किया था। उसने गुरु जी को बताया कि एक सवाल हल करने में उसके एक मित्र ने मदद की है।

   (ग) सेठ जी जब घर में होते थे, तब सेठानी कम खाती थी।

   (घ) यदि सब मिल-जुलकर रहें तो काम आसान हो जाएगा।

   (ङ) जेबें पिपरमेंट, बिस्कुट और मिसरी से भरी रहें।

2. ना तो **बंदूक** की, ना ही **बारूद** की,

   ऐसी **दुनिया** हमें चाहिए

   नए **रंग-रूप की**।

   जिसमें ना **पाठ पढ़ाया** जाए **नफ़रत** का,

3. – गुरु जी गोपाल की **सच्चाई** से खुश हो गए।

   – हमारी **दुनिया** अच्छी होनी चाहिए।

   – यह आज का **गृहकार्य** है।

   – गुरु जी ने गोपाल की बहुत **प्रशंसा** की।

   – गिरने से **मटकी** फूट गई।

4. त्म – आत्मा, परमात्मा क्त – रक्त, मुक्त

   स्त – अस्त, व्यस्त

5. साफ़ × गंदा जीत × हार

   रात × दिन सुबह × शाम

6. संसार – जगत प्रातः – भोर

   सरिता – नदी।

मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) रात में सेठानी चार बार उठी। हेतल ने उसे पूड़े, मठरी, हलवा और पापड़ बनाकर खिलाया।

   (ख) कबीर ने सबसे यह कहकर माफ़ी माँगी कि वह बहुत शर्मिंदा है। उसे क्षमा कर दो। मैं तुम्हें बहुत सँभालकर रखूँगा। सफ़ाई का भी ध्यान रखूँगा।

   (ग) हम पानी को ज़रूरत से ज़्यादा खर्च करके उसे व्यर्थ गँवाते हैं।

   (घ) बादल हरे-भरे पेड़ों को देखकर और बरसते हुए धरती पर आते हैं।

   (ङ) मिट्ठू चीते के पंजे को दाँत से काटने लगा। चीते की पकड़ से गोपाल छूट गया और उसकी जान बच गई।

2. (क) सदा हमें **समझाती नानी**,

   व्यर्थ मत बहाओ **पानी**।

   हुआ अगर यह **समाप्त धरा से**,

   मिट जाएगी सारी **ज़िंदगानी**।

   (ख) हरी-**भरी** होती जहाँ **धरती**,

   आते **वहीं** बादल **उपकारी**।

   खूब **गरजते**, **खूब** बरसते,

   जिससे होती वर्षा भारी।

3. (क) ✗ (ख) ✓

   (ग) ✓ (घ) ✗

   (ङ) ✓ (च) ✓

4. – **रेगिस्तान** में धूल भरी आँधियाँ चलती हैं।

   – सेठ रामलाल बहुत **कंजूस** था।

   – सेठानी बहुत **चटोरी** थी।

   – वह गंदे **अक्षर** लिखता था।

   – आज **शीतल** हवा बह रही है।

5. (क) के (ख) की

(ग) की (घ) का

6. बंदर, कुआँ, तिरंगा, काँपना, अंदर

7. आसमान – आकाश ज़मीन – धरती

जल – पानी पेड़ – वृक्ष

बादल – मेघ

8. रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार

उत्तर मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) गृहकार्य देते समय अध्यापक ने बच्चों से कहा कि यह आज का गृहकार्य है। इसे बिना किसी की मदद के स्वयं ही करना है।

(ख) यदि धरती पर पानी खत्म हो जाए तो जीवन समाप्त हो जाएगा। अन्न की पैदावार नहीं होगी।

(ग) हमें पर्यावरण संतुलित रखने के लिए पेड़ लगाने चाहिए।

(घ) हॉबी हॉर्स में पैडल और हैंडल लगाए गए।

(ङ) बादल ने चूहे को बच्चों से इसलिए दोस्ती करने के लिए कहा क्योंकि उसे पता था कि नन्हे-मुन्ने बच्चे ही पेड़ लगाएँगे। वे उनकी देखभाल भी करेंगे।

2. (2) अब तुम्हारी परीक्षा होगी। सब तैयार रहें।

(4) मुझ जैसे इतनी ऊँची दीवार पर कभी नहीं चढ़ पाएँगे।

(5) मैदान के चार चक्कर लगाओ।

(7) मैं इस परीक्षा का बहिष्कार करती हूँ।

(1) नंदन वन में खुशियाँ का स्कूल खुल गया था।

(8) सब एक साथ चिल्लाए, हम सब भी।'

(3) परीक्षा यही मैदान में होगी, सब तैयार रहें।

(6) मैदान में जो बड़ा-सा पत्थर है, उसे हटाओ।

3. (क) जिसमें **बीमारी** ना

फैली हो भूख की।

ऐसी **दुनिया** हमें **चाहिए**

नए **रंग-रूप** की।

(ख) कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी **एक फुट** मोटा,

बड़ा किसी **दिन** हो जाता है, और किसी **दिन** छोटा।

घटता-बढ़ता **रोज़**, **किसी दिन** ऐसा भी करता है,

नहीं किसी की भी **आँखों** को दिखलाई **पड़ता** है।

4. (क) तैर (ख) सैर (ग) मैले

(घ) बेल (ङ) पत्ते

5. (क) पाठशाला (ख) शिक्षक (ग) चित्रकार

(घ) शाकाहारी (ङ) मांसाहारी

6. दिन × रात घटता × बढ़ता

पतला × मोटा बड़ा × छोटा

7. (क) हम (ख) उनके (ग) उन्होंने

(घ) वह (ङ) वे

8. – बंदर **शरारत** कर रहे थे।

– सभी **सिनेमा** देखने गए।

– बच्चा **ज़ंजीर** के सहारे बाहर निकलना चाहता था।

– अन्न से **भंडार** भरा था।

– हमें व्यर्थ की **कल्पना** नहीं करनी चाहिए।

– समय **नष्ट** नहीं करना चाहिए।

1. हमको मन की शक्ति देना

बोलकर बताइए

(क) गीत में बच्चे ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं।

(ख) गीत के गीतकार का नाम गुलज़ार है।

(ग) अपने मन को विजय करने की बात कही जा रही है।

(घ) गीत को याद करने और सुनाने का कार्य विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) गीतकार प्रार्थना कर रहा है कि ईश्वर उसे इतनी शक्ति दे कि वह भेदभाव भूलकर दूसरों को माफ़ कर सके और दूसरों के काम आ सके।

   (ख) गीत में अधर्म, झूठ एवं भेदभाव की बुराइयों से बचकर रहने के लिए कहा जा रहा है।

   (ग) मुसीबत आने पर साथ देने और मानव धर्म का पालन करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। भेदभाव रखने वालों को भी उस समय माफ़ कर देना चाहिए।

   (घ) 'दूसरों की जय से पहले खुद को जय करें' का अर्थ है कि हम स्वयं की बुराइयों पर विजय प्राप्त कर अच्छा बनें।

2. भेदभाव अपने **दिल से, साफ़ कर** सकें

   दोस्तों से भूल हो तो, माफ़ कर सकें।

   झूठ से **बचे रहें, सच का** दम भरें

   दूसरों की **जय से पहले, खुद को जय** करें।

3. इस प्रार्थना गीत से हमें यह सीख मिलती है कि सबसे पहले अपनी बुराइयों पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। मुसीबत के समय हर तरह के भेदभाव भुलाकर हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। बुरे कार्य करने से बचना चाहिए। स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. (क) कवि ईश्वर से मन की **शक्ति** माँग रहा है।

   (ख) मुसीबत के समय **हौसला** बनाए रखना चाहिए।

(ग) हमें कोई भी कार्य प्रसन्न **मन** से करना चाहिए।

(घ) हमें **भेदभाव** भुलाकर दूसरों की मदद करनी चाहिए।

बात भाषा की

1. (क) युद्ध में **जय** और **पराजय** के लिए तैयार रहना चाहिए।

   (ख) सूर्य **पूर्व** में **उदय** और **पश्चिम** में **अस्त** होता है।

   (ग) अच्छे काम करने से **यश** और बुरे काम करने से **अपयश** मिलता है।

   (घ) नमन **लाभ-हानि** की बहुत चिंता करता है।

2. (क) तक (ख) तो ... तो

   (ग) ही (घ) भी

3. पार्थना – प्रार्थना टक – ट्रक वषा – वर्षा

   नमता – नम्रता पवत – पर्वत निधन – निर्धन

   टेन – ट्रेन चक – चक्र वत – व्रत

बात कल्पना की

यह चित्र किसी हरे-भरे पार्क का है। इसमें मैदान पर घास भी है। एक लड़का पतंग उड़ा रहा है। वह बहुत खुश है। दूसरा लड़का भी पास ही खड़ा है। शायद वह भी पतंग उड़ाना चाहता है, लेकिन पतंग तो एक ही है। कुछ बच्चे लट्टू नचा रहे हैं। डोरी से लट्टू आज़ाद हैं। वे भनभनाकर ज़मीन पर बहुत तेज़ नाच रहे हैं। सभी बच्चे इसे देखकर खुश हैं।

श्रवण-कौशल

शिक्षक/शिक्षिका के निर्देशानुसार विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

2. नया सवेरा

बोलकर बताइए

(क) मनन स्वभाव से क्रोधी और चिड़चिड़ा था।

(ख) नेहा इसलिए रो रही थी क्योंकि उसका पेन चोरी हो गया था।

(ग) मनन ने सबसे वायदा किया कि वह पवन की तरह अच्छा बनने की कोशिश करेगा।

(घ) पवन ने मनन को अस्पताल ले जाने के लिए कार वाले से मदद माँगी।

लिखकर बताइए

1. (क) पवन पाठशाला में इसलिए लोकप्रिय था कि वह पढ़ने में तेज़ था। खेल-कूद में भी हिस्सा लेता था। अध्यापक जो कहते वह उसे भी करके लाता था। वह प्रश्नों को हल करने में अपने सहपाठियों का सहयोग करता था।

   (ख) पवन मेहनती, सरल एवं ईमानदार होने के साथ-साथ दूसरों की मदद भी करता था। मनन चिड़चिड़ा, क्रोधी था। वह दूसरों का सामान भी चुरा लेता था।

   (ग) पवन के बैग से पेन मिलने पर सबने उससे बात करना बंद कर दिया। सभी लोग उसे शक की नज़रों से देखने लगे।

   (घ) पवन ने कार रोककर मनन को अस्पताल पहुँचाया और उसकी खबर उसके घर तक पहुँचा दी।

   (ङ) अंत में मनन को यह बात समझ आ गई कि मैं अपने छोटे कामों से और छोटा हो गया। पवन अपने बड़े कामों से और बड़ा हो गया। मनन को अपनी गलती का अहसास हो गया।

2. (क) कराह (ख) सहपाठी (ग) मनन/आदत

   (घ) अगल-बगल (ङ) गुस्सा

3. (क) मनन ने सभी बच्चों से कहा।

   (ख) पवन ने कार वाले से कहा।

   (ग) प्रधानाचार्य ने मनन से कहा।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के कठिन शब्दों तथा किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

6. (क) किसी की **नकल** करना अच्छी बात नहीं है।

   (ख) मेरा मित्र अनुज स्वभाव से **चिड़चिड़ा** है।

   (ग) मैं **भर्राई** आवाज़ में बोला।

   (घ) हमें किसी से **ईर्ष्या** नहीं करनी चाहिए।

   (ङ) **कार वाला** भला व्यक्ति था।

   (च) **प्रधानाध्यापक** ने मनन को समझाया।

   (छ) राघव बहुत **समझदार** लड़का है।

बात भाषा की

1. (क) ईर्ष्या (ख) मदद (ग) दीर्घ
   (घ) नज़र (ङ) प्रिय (च) प्रातः
2. (क) **तुमने अपनी** गलती स्वीकार कर ली। (ख) **उसने** सारा ध्यान पढ़ाई में लगा दिया।
   (ग) **वह** अब **मुझसे** बात नहीं करता। (घ) **मैं आप** सबसे माफ़ी माँगता हूँ।
   (ङ) **तुम** सब **मुझ** पर शक करते थे।
3. चिड़चिड़ाना, समझना, सूझना, निकालना, कराहना, पढ़ना
4. भला × बुरा चोर × पुलिस/साधु सच्चा × झूठा
   घटना × बढ़ना गुस्सा × प्यार दोस्त × दुश्मन

बात कल्पना की

एक दिन रीना और लाली खेल रही थीं। खेलते-खेलते वे नदी की तरफ़ टहलने चली गईं। रीना को नदी का पानी बहुत सुंदर लग रहा था। वह किनारे खड़ी होकर उसे निहार रही थी। तभी पैरों के नीचे से मिट्टी खिसक गई। वह नदी में गिर पड़ी। उसे तैरना भी नहीं आता था। रीना को पास ही एक रस्सी दिखाई दी। उसने उस रस्सी का एक छोर रीना की तरफ़ फेंका। रीना ने रस्सी को कसकर पकड़ लिया। लाली ने रस्सी के सहारे रीना को बाहर खींच लिया। दोनों खुशी से गले मिल गईं।

3. साहस की जीत

बोलकर बताइए

(क) कोरिया ने जापान पर हमला किया था।

(ख) सेनापति को स्वयं पर भरोसा था।

(ग) जापान का सेनापति बहुत साहसी और बुद्धिमान था।

(घ) अंत में जापान के सैनिकों की विजय हुई।

लिखकर बताइए

1. (क) जापानी सैनिक इसलिए निराश थे क्योंकि वे संख्या में बहुत कम थे। जबकि कोरिया के सैनिक लाखों की संख्या में थे।
   (ख) जापानी सेनापति ने मन-ही-मन सैनिकों में उत्साह भरने का उपाय सोचा।

(ग) मंदिर से बाहर निकलकर सेनापति ने कहा, "मैंने आप सब की कुशलता के लिए ईश्वर से आशीर्वाद माँगा है। अब मैं देवता की मूर्ति पर चढ़ाया यह सिक्का उछालूँगा। अगर सिक्का चित्त गिरा तो हमारी जीत निश्चित होगी।"

(घ) सैनिकों में जोश इसलिए भर गया क्योंकि सिक्का चित्त गिरा था। इससे वे समझ गए कि वे ही जीतेंगे।

2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – ललित एक **बुद्धिमान** लड़का है।
   – हमारे सभी सैनिक युद्ध में **हिम्मत से** लड़े।
   – सभी विद्यार्थी परीक्षा-परिणाम जानने के लिए **उत्सुक** थे।
   – मैंने भगवान से अपनी विजय का **आशीर्वाद** लिया।
   – चीन ने 1962 में भारत पर **आक्रमण** किया था।

बात भाषा की

1. (क) सेनापति (ख) घमासान (ग) आशीर्वाद
   (घ) समर्पण (ङ) सैनिक

2. (क) कूच करना (ख) जान से हाथ धोना (ग) विचार कौंधना
   (घ) भाग्य पलटना (ङ) दंग रह जाना (च) छक्के छुड़ाना

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा – गाजर, मूली, जापान जातिवाचक संज्ञा – सैनिक, सेनापति, मंदिर
   भाववाचक संज्ञा – उत्साह, साहस, हताश

बात कल्पना की

प्रिय मित्र
सुदीप
मीठी यादें
मैं यहाँ कुशलतापूर्वक रहकर आपकी कुशलता के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूँ। मित्र! जीवन में समस्याएँ तो आती रहती हैं, परंतु उनसे घबराकर पीछे नहीं हटना चाहिए। उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए। मैं भी इसी स्वभाव का हूँ। आशा करता हूँ कि आप भी इसी गुण को अपनाओगे। शेष मिलने पर...।
तुम्हारा मित्र
विपिन रंजन

4. मौसम रोज़ बदलता

बोलकर बताइए

(क) कवि ने दिन को ताड़ के पेड़ के समान बताया है।

(ख) लंबे दिन गरमी के मौसम में होते हैं।

(ग) मौसम जादू की पुड़िया की तरह रंग बदलता है।

(घ) फलों का राजा आम है।

(ङ) कविता को याद करने और सुनाने का कार्य विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

लिखकर बताइए

1. (क) जब दिन बड़ा होता है तो ताड़-सा लगता है और छोटा होता है तो सींक-सा लगता है।

   (ख) कविता में अंगूर, अनार, आम, जामुन, लीची और आड़ू के नाम आए हैं। ये सभी फल गरमी के मौसम में मिलते हैं।

   (ग) कवि मौसम के हरपल बदलने के माध्यम से हमें यह संदेश दे रहा है कि परिवर्तन हमेशा होता है। हमें इसे स्वीकार करना चाहिए।

2. कभी ताड़-सा **लंबा दिन तो कभी सींक-सा लगता।**
   जादू की पुड़िया-सा मौसम, रोज़ बदलता रहता।।
   कोहरा कभी टूटकर पड़ता, चलती कभी हवाएँ।
   आए कभी यूँ आँधी कि कुछ समझ ना आए।।
   जमने लगता **खून कभी, तो सूरज कभी पिघलता**।
   जादू की पुड़िया-सा मौसम, रोज़ बदलता रहता।।

3. – परिवर्तन की **गति** कभी नहीं रुकती है।
   – **मौसम** में हमेशा बदलाव होता रहता है।
   – शीत ऋतु में घना **कुहरा** पड़ता है।
   – कभी-कभी तेज़ **आँधी** आती है।

बात भाषा की

1. ष् = ष्ट – कष्ट, भ्रष्ट, रुष्ट
   म् = म्म – हिम्मत, चम्मच, धम्म
   स् = स्त – अस्त, व्यस्त, दुरुस्त
   ल् = ल्ल – दिल्ली, बिल्ली, गुल्ली

2. एकवचन – समय, सूरज, मौसम, अनार
   बहुवचन – फलों, बाज़ारों, पुड़ियाँ, हवाएँ

3. बदलता – सँभलता मस्ती – कश्ती सींक – छींक
   ताज़ा – राजा पुड़िया – गुड़िया आड़ू – झाड़ू
   कुहरा – मोहरा ताड़ – लाड़ अंगूर – लंगूर

बात कल्पना की

लाभ–हर तरह से लाभ होता है। समय का उपयोग करने से काम का दबाव कम होता है। मानसिक संतुष्टि मिलती है। सभी कार्य समय पर पूरे होते हैं। समय पर काम करने वाले लोग अपनी समस्या का समाधान स्वयं तलाश लेते हैं।

हानि–हर तरह से हानि होती है। तनाव बढ़ता है। गरीबी बढ़ती है। सामान्य ज़रूरतें भी नहीं पूरी होतीं। जो लोग समय पर कार्य नहीं करते, वे तरह-तरह की बीमारियों के शिकार भी हो जाते हैं।

श्रवण-कौशल

विद्यार्थी कविता सुनने के साथ ही वाक्य पूरा करेंगे।

5. माँ की ममता

बोलकर बताइए

(क) ग्वालिन का नाम 'हीरा' था और गाय का नाम 'कुणी' था।

(ख) हीरा का बच्चा एक महीने का था।

(ग) हीरा राजा को दूध देने जाया करती थी।

(घ) राजा ने रास्ते का नाम रखा 'हीरा कुणी'।

लिखकर बताइए

1. (क) हीरा अपनी गाय का दूध निकालकर राजा के यहाँ बेच देती थी। दूध दुहते समय जब बछिया आती तो हीरा उसे हटा देती थी। उसे खूँटी से बाँध रखा था।

   (ख) बछिया इसलिए भूखी रह जाती थी क्योंकि हीरा गाय का पूरा दूध निकाल लेती थी।

   (ग) एक दिन हीरा को इसलिए देर हो गई क्योंकि रात होने के कारण पहरेदार ने किले का दरवाज़ा ही नहीं खोला।

(घ) हीरा के छटपटाने का कारण यह था कि उसका बच्चा भूखा था। वह परेशान था।

(ङ) जब हीरा राजमहल से नहीं निकल पा रही थी और रात बीतती जा रही थी तो वह अपने बच्चे के लिए बहुत परेशान थी। ऐसा होने पर ही उसे अपनी भूल का पता चला।

(च) राजा ने हीरा को एक गाँव जागीर में दिया और वह जिस रास्ते से गई थी, उसका नाम 'हीरा कुणी' रखा।

2. (क) रायगढ़ के (ख) पहाड़ / तराई (ग) खजांची

(घ) एक (ङ) पहरेदार / दूध

3. (क) पहरेदार ने हीरा से कहा।

(ख) हीरा ने सिपाई से कहा।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. (क) यह **पगडंडी** हमारे गाँव की ओर जाती है।

(ख) **साँझ** होने पर पक्षी अपने घोंसलों की ओर चल देते हैं।

(ग) हमें सदा **मौज़** में रहना चाहिए।

(घ) माँ अपने बच्चे को **थपकी** देकर सुला देती है।

बात भाषा की

1. साँझ × सवेरा विनती × आदेश

राजा × रंक कठिनाई × सरलता

2. राजा – रानी बछिया – बछड़ा

पहरेदार – पहरेदारनी ग्वालिन – ग्वाला

माता – पिता बालक – बालिका

3. (क) बच्चे भूखे ही सो गए।

(ख) माएँ अपने बच्चों को दूध पिलातीं।

(ग) वे दूध की मटकियाँ पटककर उठ खड़ी हुईं।

(घ) चट्टानों की नोकें घड़ियाल के दाँतों जैसी थीं।

4. (क) हीरा ने उसे नहीं <u>बाँधा</u>।

(ख) सिपाही <u>दौड़ गया</u>।

(ग) हीरा दूध <u>बेचने गई</u>।

(घ) गाय बछिया को पुकारती थी।

(ङ) वह दूध के लिए तरसती थी।

बात कल्पना की

यह चित्र सूर्योदय के समय का है। एक लड़का बिल्ली के बच्चे को गोद में उठाकर चल रहा है। बिल्ली चुपचाप उसे देख रही है। वह हमला कर सकती है। लेकिन बैठी है। शायद पालतू होगी। लाल रंग की दीवार के पास से वह अपने बच्चे को देख रही है। पार्क के एक तरफ़ हरे-भरे पेड़ दिख रहे हैं।

बात सूझ-बूझ की

– नहीं, हमें किसी को भी अलग नहीं करना चाहिए।

– विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

6. मधुमक्खी से बातचीत

बोलकर बताइए

(क) सार्थक और सना बगीचे में खेल रहे थे।

(ख) मधुमक्खी की एक आँख में 6000 लेंस होते हैं।

(ग) एक छत्ते में 50000 से 60000 मधुमक्खियाँ रहती हैं।

(घ) मधुमक्खी के सिर पर जादुई एंटीना लगा होता है जो सूँघने तथा सुनने में उसकी मदद करता है।

लिखकर बताइए

1. (क) मधुमक्खियाँ फूलों के रसों को चूसकर जमा करती हैं। इस रस में उनके मुँह की लार मिल जाती है। लार में कुछ ऐसे रासायनिक पदार्थ होते हैं, जिनसे फूलों का पतला रस गाढ़े शहद में बदल जाता है।

   (ख) मधुमक्खी अपने पैरों की सहायता से सफ़ाई करने, कटाई करने तथा किसी चीज़ को पकड़कर रखने का कार्य करती है।

   (ग) मधुमक्खी बहुत उपयोगी जीव इसलिए है क्योंकि उसके द्वारा तैयार किया गया शहद बहुत स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्धक होता है।

2. (क) सार्थक ने मधुमक्खी से तब कहा जब उसने स्वयं को मधुमक्खी बताया।

(ख) मधुमक्खी ने सना और सार्थक से तब कहा जब वे बगीचे में टहलते हुए किसी के हँसने की आवाज़ सुनकर उसे देखने की कोशिश कर रहे थे।

3. (2) हमारे शरीर पर छोटे-छोटे बाल और पंख होते हैं।

(3) पीछे के दो पैरों में पराग इकट्ठा करने के लिए थैले होते हैं।

(1) सार्थक और सना को किसी के हँसने की आवाज़ सुनाई दी।

(5) अपने बचाव के लिए हम शत्रु पर डंक से हमला करती हैं।

(4) सभी मधुमक्खियाँ रानी मक्खी के आदेशों का पालन करती हैं।

(6) छत्ते के भीतर एक ही आकार के छह कोनों के कई कमरे होते हैं।

4. (क) मधुमक्खियों को उनके अंदर से आने वाली विशेष प्रकार की गंध से खतरे की सूचना मिलती है।

(ख) मधुमक्खियाँ अपने बचाव के लिए शत्रु पर आक्रमण करती हैं।

(ग) मधुमक्खियाँ खट्टे-मीठे सभी प्रकार के स्वाद पहचानती हैं।

5. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अंश का श्रुतलेख लें।

7. (क) शहद बहुत **स्वादिष्ट** होता है।

(ख) दादी ने बड़ी **रोचक** कहानी सुनाई।

(ग) उसकी **त्वचा** का रंग काला है।

(घ) वृक्ष हमारे लिए बहुत **उपयोगी** हैं।

बात भाषा की

1. (क) छोटे पंख (ख) रंग-बिरंगे फूल

(ग) स्वादिष्ट शहद (घ) रानी मधुमक्खी

(ङ) पतला रस (च) जादुई एंटिना

2. शहद – पराग मेहनती – परिश्रमी

सावधान – सतर्क मदद – सहयोग

हमला – आक्रमण आवेश – क्रोध

3. (क) में (ख) से (ग) पर (घ) को (ङ) ने

बात कल्पना की

जिस प्रकार मधुमक्खी एक सामाजिक प्राणी है, उसी प्रकार मनुष्य भी सामाजिक प्राणी है। वह एक-दूसरे की मदद करता है। सभी के सुख-दुख का अनुभव करता है। लोग एक-दूसरे के सामाजिक एवं धार्मिक समारोहों में भाग लेते हैं। विकास के लिए आगे बढ़ने हेतु हर मानव परिश्रम भी करता है। वह स्थितियों का अनुमान लगाता है और अपनी सुरक्षा के लिए भी प्रयास करता है। मनुष्यों ने ही विभिन्न तरह के कारखानों की स्थापना की है, जिसके कारण सभी का जीवन सरल हो गया है।

बात सूझ-बूझ की

1. (क) दीवारों पर – मकड़ी

   (ख) मिठाइयों पर – मधुमक्खी

   (ग) जलते हुए बल्ब पर – कीड़ा

   (घ) कूड़े के ढेर पर – मक्खी

   (ङ) गड्ढे में जमा हुए पानी पर – मच्छर

श्रवण-कौशल

(क) मधुमक्खी दिन भर फूलों की तलाश करती है।

(ख) मधुमक्खी के घर को 'छत्ता' कहते हैं।

(ग) वह रस जमा करके छत्ते के छेदों में रखती है।

(घ) शहद को हम 'मधु' भी कहते हैं।

(ङ) मधुमक्खी समझदार और परिश्रमी जीव है।

7. नैनीताल की यात्रा

बोलकर बताइए

(क) यह पत्र लक्ष्य ने अपने मित्र कर्ण के लिए नैनीताल से लिखा।

(ख) नैनादेवी मंदिर के नाम पर शहर का नाम नैनीताल पड़ा।

(ग) नैनीताल में देवदार, लीची और खुमानी के वृक्ष थे।

(घ) ताल गरुड़ के आकार का था।

लिखकर बताइए

1. (क) नैनीताल बहुत सुंदर है। यहाँ बड़े-बड़े पेड़ और तालाब हैं। तालाब में कमल खिले होते हैं। तालाबों के चारों ओर ऊँचे-ऊँचे हरे-भरे पेड़ हैं।

   (ख) माल रोड की दुकानें बहुत सुंदर सजी थीं। वहाँ विभिन्न वस्तुओं की दुकानें हैं। वहाँ लकड़ी और मोम की सुंदर चीज़ें बिकती हैं।

   (ग) यात्रा के दूसरे दिन लक्ष्य ने गरुड़ताल, भीमताल और हनुमान गढ़ी देखा। गरुड़ताल के चारों ओर लीची और खुमानी के पेड़ देखे। भीमताल में खिले कमल देखे।

   (घ) नैनीताल पहुँचने से पहले का नज़ारा भी बहुत सुंदर था। कार पहाड़ी से घूमती हुई आगे बढ़ रही थी। कार गोल-गोल घूम रही थी। सड़क टेढ़ी-मेढ़ी एक साँप जैसी लग रही थी। ऊँचे पहाड़, बड़े-बड़े पेड़-पर्वत बहुत सुंदर लग रहे थे।

2. (क) नैनादेवी (ख) पहाड़ी

   (ग) खाईं / आँखें (घ) नैनीताल / कार

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

5. – मैं यात्रा के लिए बहुत **उत्सुक** था।

   – हमने काठ गोदाम से नैनीताल की **यात्रा** की।

   – हमने सायंकाल **नौकाविहार** किया।

   – वहाँ की हवा में **सुगंध** घुली थी।

बात भाषा की

1. मैं – सर्वनाम नैनीताल – संज्ञा चढ़ना – क्रिया

   मूर्तियाँ – संज्ञा गरुड़ – संज्ञा भेजूँगा – क्रिया

   मेरी – सर्वनाम

2. चौड़ा – चौड़ाई गरम – गरमाहट गहरा – गहराई

   सुंदर – सुंदरता हरा – हरियाली रोमांचक – रोमांचकता

3. (क) इसलिए (ख) परंतु (ग) लेकिन

   (घ) इसलिए (ङ) क्योंकि

बात कल्पना की

प्रिय विपुल

मधुर स्मृति

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक रहकर ईश्वर से तुम्हारी कुशलता के लिए कामना करता हूँ। इस बार गरमी की छुट्टियाँ बिताने के लिए तुम मेरे घर आ जाओ। यहाँ का मौसम भी बहुत सुहावना है। आम के बगीचे में मीठे रसीले आम पक रहे हैं। खाने में खूब मज़ा आएगा।

आपकी प्रतीक्षा में

आपका मित्र
केशव

श्रवण-कौशल

1. केला – एक दर्जन
2. प्याज – एक किलो
3. दूध – दो लीटर
4. आलू – दो किलो
5. आम – दो किलो
6. लीची – एक किलो
7. आटा – दस किलो
8. चावल – पाँच किलो
9. चाय पत्ती – 500 ग्राम
10. मिर्च – 100 ग्राम

8. दो चिड़ियाँ

बोलकर बताइए

(क) घर की चिड़िया पिंजरे में थी।

(ख) वन की चिड़िया में बंधन में फँसने से मना किया।

लिखकर बताइए

1. (क) वन की चिड़िया ने घर की चिड़िया से कहा कि पिंजरे में क्यों हो? पिंजरा खाली करके मेरे साथ वन में उड़ चलो।

   (ख) घर की चिड़िया इसलिए उदास थी क्योंकि वन की चिड़िया ने बंधन में बँधने से मना कर दिया और वन में चली गई।

(ग) कविता के द्वारा कवि यह संदेश दे रहा है कि संसार के सभी प्राणी स्वतंत्र रहना चाहते हैं। स्वतंत्रता की चाह सभी सुख-सुविधाओं से बढ़कर है।

2. (क) घर की चिड़िया थी **पिंजरे में**,
वन की चिड़िया **वन में**।
मिलीं अचानक एक दिवस वे,
थी कुछ विधि के मन में।

(ख) "मैं क्यों फँसू **भला बंधन में**"
वन की चिड़िया बोली।
हो उदास पिंजरे की चिड़िया,
मन-ही-मन में रो ली।

3. – सुख-दुख सब **विधि** के हाथ हैं।
– एक **दिवस** दोनों मित्र आपस में मिले।
– चिड़िया का **पिंजरा** सोने का बना था।
– मैं अपने मित्र के **संग** बाज़ार गया।

बात भाषा की

1. मन – वन बात – गात घर – डर
संग – तंग सुन – बुन बस – डस

2. गृह – घर जंगल – वन साथ – संग
दिन – दिवस कैद – बंधन दुखी – उदास

3. (क) उदासी (ख) दुखी
(ग) मुक्ति (घ) उदास

4. (क) घर की चिड़िया पिंजरे में थी। (ख) वन की चिड़िया वन में थी।
(ग) विधि के मन में कुछ था। (घ) तू तेरे संग वन को उड़ चल।

बात कल्पना की

यदि मैं पक्षी होती तो स्वतंत्र रूप से आसमान में उड़ती। मीठे फल वाले बागों से फल लाती। मम्मी-पापा, दादा-दादी सबको खिलाती। नदियों का साफ़ पानी पीती। सबके घर के आँगन में उड़कर पहुँच जाती। छोटे-छोटे बच्चों के पास पहुँच जाती। वे मुझे पकड़ने दौड़ते तो मैं उड़ जाती। पेड़ पर बैठकर उन्हें मीठा राग सुनाती। लेकिन ऐसा होता ही नहीं, इसलिए केवल सोच रही हूँ।

श्रवण-कौशल

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

9. ट्रीहाउस का रहस्य

बोलकर बताइए

(क) अरुण और वरुण ने नीम के पेड़ पर ट्रीहाउस देखा।

(ख) काले कपड़े पहने आदमी के पास लैपटॉप था।

(ग) बोलत वाला आदमी पेड़-पौधों पर मिट्टी का तेल छिड़क रहा था।

(घ) दादा जी वन के अधिकारियों को लेकर जंगल पहुँचे।

लिखकर बताइए

1. (क) अरुण और वरुण ने देखा कि ट्रीहाउस बहुत सुंदर था। वहाँ पेड़ ही पेड़ दिख रहे थे। सूरज की किरणों के कारण झील लाल रंग की दिख रही थी। आकाश में पक्षी चहचहा रहे थे।

   (ख) काले कपड़े पहने आदमी ने एक लैपटॉप निकाला और तेज़ी से कुछ टाइप करने लगा।

   (ग) अरुण और वरुण ने तीनों आदमियों को घेर लिया और उन्हें रस्सी के सहारे बाँध दिया। दादा जी को फ़ोन किया। दादा जी ने वन विभाग के अधिकारियों को बुला लिया। इस तरह वे पकड़े गए।

   (घ) वन अधिकारी ने बताया कि ये लोग शीशा बनाने वाली कंपनी के लिए काम करते हैं। ये जंगल के बड़े भाग को जला देते हैं। तुमने अपनी बहादुरी से हज़ारों पेड़ों और सैकड़ों पशु-पक्षियों को बचा लिया। तुमने देश की बहुत बड़ी सेवा की है।

2. (क) वरुण ने अरुण से तब कहा जब अँधेरा छाने लगा।

   (ख) अरुण ने वरुण से तब कहा जब वह आदमी ट्रीहाउस में था।

   (ग) वन विभाग के अधिकारी ने अरुण और वरुण से तब कहा जब उन्होंने बदमाशों को पकड़वा दिया।

3. (4) काले कपड़े वाला एक लंबा आदमी ट्रीहाउस में गया।

   (1) ट्रीहाउस में कूड़ा-कबाड़ भरा पड़ा था।

   (5) बोतल वाला आदमी आस-पास के पेड़-पौधों की जड़ों में कुछ डालने लगा।

(3) मैं अब तुम्हारा चेहरा भी नहीं देख पा रहा हूँ।

(2) इस बार उनकी योजना झाऊवन की जानकारी हासिल करना था।

(7) हम लोग लंबे समय से इनकी तलाश में थे।

(8) अगले दिन समाचार-पत्र में उन दोनों बच्चों की बहादुरी का कारनामा छपा।

(6) ट्रीहाउस से मिली रस्सियों की मदद से अरुण और वरुण ने उन्हें बाँध दिया।

4. (क) 'ये लोग' बदमाशों के लिए कहा गया है।

(ख) शीशे की कंपनी के लिए काम करने के कारण वे जंगल को जला देते।

(ग) उनके बारे में वन विभाग का अधिकारी जानकारी दे रहा है।

5. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अंश का श्रुतलेख करवाएँ।

7. – मेरे घर एक **अजनबी** आया।

– मेरा काम करने के लिए आपका **धन्यवाद**।

– **समाचार-पत्र** में उसकी बहादुरी का किस्सा छपा है।

– राष्ट्रपति ने बहादुर बच्चों को वीरता **पुरस्कार** से सम्मानित किया।

बात भाषा की

1. (क) इनकी (ख) वे (ग) उन्होंने (घ) मैं (ङ) आप

2. आनंद – सज़ा **सुख** दुख जंगल – विटप वृक्ष **वन**

संकट – दर्द **मुसीबत** संघर्ष आदमी – **नर** नवाब लड़की

नज़ारा – सुंदरता **दृश्य** गुस्सा

3. (क) झाऊवन – झ् + आ + ऊ + व् + अ + न् + अ

(ख) योजना – य् + ओ + ज् + अ + न् + आ

(ग) बहादुरी – ब् + अ + ह् + आ + द् + उ + र् + ई

(घ) पुरस्कार – प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ

(ङ) उम्मीद – उ + म् + म् + ई + द् + अ

बात कल्पना की

विद्यार्थी स्वयं सोचकर लिखेंगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा अपेक्षित निर्देश दिया जाना चाहिए।

10. काज़ी का न्याय

बोलकर बताइए

(क) बाउ अकस के राज्य में बारह काज़ी थे।

(ख) घोड़े पर बैठा शेख वेश बदलकर काज़ी की परीक्षा लेने गया।

(ग) दिव्यांग भिखारी बाज़ार तक जाना चाहता था।

(घ) शेख के काज़ी अपनी ईमानदारी एवं न्याय के लिए प्रसिद्ध थे।

लिखकर बताइए

1. (क) भिखारी दिव्यांग था। कमज़ोरी के कारण उसके शरीर की हड्डियाँ निकली थीं। उसकी हालत बहुत खराब थी।

   (ख) शहर पहुँचकर बाउ अकस और भिखारी के बीच इस बात पर बहस होने लगी कि घोड़ा किसका है?

   (ग) काज़ी ने घोड़े के व्यवहार को देखकर उसके मालिक का पता लगाया। जब बाऊ अकस घोड़े के पास आया तो वह उसे देखकर प्रसन्नता से हिनहिनाने लगा और भिखारी के पास आते ही घोड़े ने उसे लात मारी। काज़ी ने इस प्रकार पहचाना की घोड़ा किसका है।

   (घ) बाउ अकस और भिखारी दोनों को ऐसा इसलिए लग रहा था क्योंकि बाउ अकस को काज़ी के न्याय पर विश्वास था। भिखारी को लग रहा था कि उसकी दशा देखकर काज़ी उसके पक्ष में न्याय करेंगे।

2. (क) भिखारी ने शेख से तब कहा जब उसने घोड़े से उतरने के लिए कहा।

   (ख) बाउ अकस ने भिखारी ने तब कहा जब भिखारी ने कहा कि मेरी हालत देखकर काज़ी मेरे पक्ष में ही न्याय करेंगे।

3. (4) मैं एक लाचार व्यक्ति हूँ। मुझे बाज़ार तक जाना है।

   (6) काज़ी बाउ अकस को घोड़ा पहचानने घुड़साल ले गए।

   (2) शेख एक घोड़े पर बैठकर उस काज़ी के शहर पहुँचा।

   (7) शेख को देखकर घोड़ा हिनहिनाया और भिखारी के पास आते ही घोड़े ने उसे लात मारी।

   (5) यह घोड़ा मेरा है। अगर नहीं मानते हो, तो चलो काज़ी के पास।

   (1) एक दिन बाउ अकस ने काज़ी की परीक्षा लेने का निश्चय किया।

   (3) शहर के पास पहुँचते ही उसे एक दिव्यांग भिखारी मिला।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. रोहन बहुत **हट्टा-कट्टा** लड़का है।

7. – सरकस में हाथी के करतब देखकर मुझे बहुत **आश्चर्य** हुआ।

   – सरपंच ने बुढ़िया के साथ **न्याय** किया।

बात भाषा की

1. अध + भरा = अधभरा अध + पका = अधपका

   अध + जला = अधजला अध + खाया = अधखाया

2. (क) शेख बहुत **ताकतवर** था।

   (ख) भिखारी की **दृष्टि** बहुत **तीखी** थी।

   (ग) काज़ी ने **भिखमंगे** को **सज़ा** दी।

   (घ) थोड़ी देर के **बाद** वे शहर पहुँच गए।

3.

	बोली	**निवास स्थान**
घोड़ा –	हिनहिनाना	घुड़साल/अस्तबल
गाय –	रँभाना	गौशाला
शेर –	दहाड़ाना	माँद
कबूतर –	गुटर-गूँ	घोंसला
बंदर –	किलकिलाना	पेड़

4. संतुष्ट, उद्देश्य, न्यायालय, कृपया, आश्चर्य

बात कल्पना की

एक जंगल में चालाक लोमड़ी रहती थी। उसकी एक बगुले से मित्रता हो गई। एक दिन उसने बगुले को निमंत्रण दिया। उसे खिलाने के लिए लोमड़ी ने खीर बना ली। जब बगुला गया तो लोमड़ी ने थाली में खीर परोस दी। बगुला चोंच से नहीं खा पा रहा था। वह भूखा ही वापस आ गया। अगले सप्ताह उसने लोमड़ी को निमंत्रण दिया और कहा कि वह मछलियाँ खिलाएगा। लोमड़ी जब खाने पहुँची तो बगुले ने सुराही में मछलियाँ परोस दीं। लोमड़ी का मुँह सुराही में नहीं जा सकता था। बगुला खूब मज़े से खा रहा था। लोमड़ी ने कहा, "तुम मेरा अपमान कर रहे हो।" बगुले ने कहा–"जैसे को तैसा, यह संसार का नियम है।"

बात सूझ-बूझ की

पढ़े गए पाठ के आधार पर विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

11. पागल हाथी

बोलकर बताइए

(क) महावत के बेटे का नाम मुरली था।

(ख) मोती को यह सोचकर मुरली पर दया आ गई कि उसने ही उसके बाप को मार डाला था।

(ग) ज़ंजीर तोड़कर मोती जंगल में भाग गया।

लिखकर बताइए

1. (क) मोती स्वभाव का सीधा था, लेकिन कभी-कभी उसका मिज़ाज़ गरम हो जाता था।

   (ख) महावत को मार डालने के कारण राजा ने उसकी पदवी ही छीन ली। उसे लकड़ियाँ और पत्थर ढोने पड़ते। उसे पीपल के पेड़ के नीचे बाँध दिया जाता था। सूखी टहनी उसे खाने को मिलती थी।

   (ग) जब राजा शिकार पर निकले तो उन्हें मोती आता दिखाई दिया। वे भागकर झोंपड़ी में छिप गए। फिर उन्हें वहाँ से भी भागना पड़ा।

   (घ) मुरली ने मोती को पुचकारा। मुरली की आवाज़ मोती पहचान गया। उसने मुरली को अपनी पीठ पर बैठा लिया और मुरली मोती को राजमहल वापस ले आया।

2. (5) राजा पीछे की दीवार पर चढ़ गए और कूदकर भाग गए।

   (3) राजा साहब ने ढिंढोरा पिटवा दिया।

   (4) मोती आड़ से निकलकर गरजता हुआ राजा की ओर दौड़ा।

   (2) उसे कुलियों की तरह लकड़ियाँ ढोनी पड़तीं।

   (1) इसी पागलपन में उसने अपने महावत को मार डाला।

   (6) मैंने ही इसके पिता को मार डाला है।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – हाथी ने बालक को **मस्तक** पर बैठा लिया।
   – केशव बहुत **समझदार** लड़का है।
   – उसके बचने की कोई **आशा** न थी।
   – माँ ने पुत्र को **थपकी** दी।

बात भाषा की

1. वन – जंगल
   गायब – ओझल
   बेचैन – चंचल
   माथा – मस्तक
   होश – सुध
   हालत – दशा
2. (क) क्या आप मेरे साथ **चलेंगे**।
   (ख) राजा साहब ने मुरली को इनाम **दिया**।
   (ग) कल बहुत वर्षा हुई **थी**।
   (घ) मोती बहुत सीधा हाथी बन **गया**।
3. जातिवाचक संज्ञा – लड़का, हाथी, राजा।
   सर्वनाम – वह, उसने, वे
   क्रिया – बनना, खाना, दौड़ना

बात कल्पना की

निर्देश– संकेत-बिंदुओं के आधार पर विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे।

बात सूझ-बूझ की

- मोती महावत को न मारता तो वह राजा की सवारी में शामिल रहता। उसे दुख न होता।
- मोती मुरली को न पहचानता तो उसे मार डालता।

12. घर कैसे बनता है?

बोलकर बताइए

(क) सुबह-सुबह धरती छप्पर से लड़ने लगी।

(ख) धरती छप्पर की ऊँचाई के कारण चिढ़ रही थी।

(ग) अंत में छप्पर ने धरती के ज्ञान को कम कहा, लेकिन धरती कुछ नहीं बोली। बात बराबर पर रुकी।

लिखकर बताइए

1. (क) धरती ने छप्पर से कहा तुम मेरे बिना नहीं बन सकते। मेरे कारण ही तुझे इतना बड़ा बनने का फल मिला है।

   (ख) छत ने धरती को समझाते हुए कहा कि यह सच है तुम पर घर बने हैं। बिना छत-छप्पर के कोई घर नहीं हो सकता। घर का मतलब तो फ़र्श, दीवार और छप्पर का होना है। अकड़ना बंद कर दो, तुम्हारा ज्ञान बहुत कम है।

   (ग) इस कविता से हमें यह सीख मिलती है कि सब मिलकर ही कोई काम अच्छी तरह से कर सकते हैं। एक-दूसरे के बिना हम सब अधूरे हैं।

2. धरती **सुबह-सुबह छप्पर** से,
   लगी **ज़ोर से** लड़ने।
   उसकी **ऊँचाई** से **चिढ़कर**,
   उस पर **लगी अकड़ने**।

बात भाषा की

1. दीवार – दीवारें
   छत – छतें
   बात – बातें
   अधूरा – अधूरे
   पूरा – पूरे
   आधा – आधे
2. म्म – मम्मी, चम्मच
   न्न – गन्ना, खन्ना
   त्त – छत्ता, गत्ता
   क्क – चक्का, मक्का
3. छत – स्त्रीलिंग
   दीवार – स्त्रीलिंग
   धरती – स्त्रीलिंग
   सिर – पुल्लिंग
   घर – पुल्लिंग
   ज्ञान – पुल्लिंग

बात कल्पना की

यदि मैं सुबह-सुबह देखूँ कि मेरा घर हवा में उड़ रहा है तो मुझे बहुत चिंता होगी। हमारी किताबें भी हवा में उड़ रही होंगी। उनके पन्ने फट रहे होंगे। घर के अंदर लगे गमले में खिले फूल भी तो

उड़ रहे होंगे। वे हवा में खुशबू बिखेर रहे होंगे। लेकिन परेशानी के कारण मुझे यह सब बिलकुल भी ठीक नहीं लगेगा। मेरे घर के सभी लोग परेशान होंगे। मैं तो यही चाहता हूँ कि ऐसा कभी न हो।

बात सूझ-बूझ की

• सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए। इससे सहयोग बना रहता है।

13. तीन सवाल?

बोलकर बताइए

(क) विद्वान चीन से आया था।

(ख) पृथ्वी का केंद्रबिंदु कहाँ है? आसमान में कितने तारे हैं? दाढ़ी में कितने बाल हैं?

(ग) बादशाह ने सवालों का जवाब देने के लिए मुल्ला नसरुद्दीन को बुलाया।

(घ) मुल्ला नसरुद्दीन गधे पर सवार होकर दरबार में आए।

लिखकर बताइए

1. (क) विद्वान दरबारियों की बुद्धि की परीक्षा लेने के उद्देश्य से बादशाह के दरबार में आया था।
   (ख) बादशाह ने मुल्ला नसरुद्दीन को दरबार में हाज़िर होने का हुक्म इसलिए दिया क्योंकि वे सबसे अधिक बुद्धिमान थे।
   (ग) मुल्ला नसरुद्दीन ने कहा कि पृथ्वी का केंद्रबिंदु गधे के पीछे दाहिने पर के नीचे है। आसमान में उतने तारे हैं जितने गधे के शरीर पर बाल हैं और विद्वान की दाढ़ी में उतने बाल हैं जितने गधे की पूँछ में हैं।
2. (क) विद्वान ने बादशाह से तब कहा जब सवाल पूछते ही दरबारी सिर खुजलाने लगे।
   (ख) मुल्ला नसरुद्दीन ने विद्वान से तब कहा जब उसने कहा कि तुमने गधे के बाल कब गिने।
3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अंश का श्रुतलेख करवाएँ।
5. – हमारे हिंदी के अध्यापक बहुत **विद्वान** हैं।
   – सवाल सुनकर रोहित **उलझन** में पड़ गया।
   – हमें अपनी योग्यता पर **विश्वास** होना चाहिए।

बात भाषा की

1. मूर्ख × विद्वान जवाब × सवाल आना × जाना
   असंतुष्ट × संतुष्ट धरती × आकाश निंदा × प्रशंसा
2. (क) परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर वह फूला नहीं समा रहा था।
   (ख) विद्वान के सवाल सुनकर दरबारियों की अक्ल चकरा गई।
   (ग) सवाल सुनते ही दरबारी सिर खुजलाने लगे।
3. (क) दरबारी नज़रें नीची किए बैठे थे।
   (ख) मेरे तीन सवालों के जवाब दिलवाइए।

बात कल्पना की

सबकी कल्पना-शक्ति अलग होती है। पाठ को आधार बनाकर विद्यार्थी स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा सहयोग किया जा सकता है।

श्रवण-कौशल

1. कुम्हार दरबार में मूर्तियाँ लाया।
2. पहली गुड़िया के कान और मुँह में छेद था।
3. तीसरी गुड़िया के कान में केवल एक छेद था।
4. बीरबल ने पहली गुड़िया को चुगलखोर कहा।
5. दूसरी गुड़िया लापरवाह थी।

14. हमारे बैंक

बोलकर बताइए

(क) माँ ने टोरा को दादी से दूध लेने के लिए कहा।

(ख) बैंक प्रत्येक खातेदार को पासबुक देता है।

(ग) बैंक के लॉकर में लोग गहने और ज़रूरी कागज़ात रखते हैं।

(घ) ऋण लेने वाले बैंक को ब्याज देते हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) बैंक हर खातेदार का हिसाब रखता है। वह उसमें जमा-निकासी और बचत सबका हिसाब रखता है।

   (ख) पुराने समय में लोग धन को ज़मीन में गाड़ देते थे, अनाज के बरतनों में रख देते थे। बाँस के छप्परों में रख देते थे। आग लगने पर कई बार नोट जल भी जाते थे।

   (ग) ड्राफ़्ट की उपयोगिता यह है कि इससे धन के खोने का डर बिलकुल भी नहीं रहता।

   (घ) चेक से यह लाभ है कि धन को देने में कोई समस्या नहीं होती। यह जिसके नाम से बना होता है, वही चेक से रुपये निकाल सकता है।

2. (क) लॉकर (ख) रिज़र्व बैंक (ग) ड्राफ़्ट

   (घ) खाता (ङ) चेक

3. | | |
|---|---|
| (क) सरकार का सारा पैसा | उसी को मिलता है, जिसके नाम है। |
| (ख) ज़्यादा पैसे देना हो, तो | रिज़र्व बैंक में रहता है। |
| (ग) ड्राफ़्ट का पैसा | आग में जल सकते हैं। |
| (घ) पासबुक में | चेक या ड्राफ़्ट से देना सुरक्षित है। |
| (ङ) छप्पर में रखे पैसे तो | हमें बैंक में खाता खोलना चाहिए। |
| (च) पैसा सुरक्षित रखने के लिए | पैसा जमा करना, निकालना दर्ज़ किया जाता है। |

4. (क) दादी ने टोरा से तब कहा जब वह बैंक के बारे में पूछ रही थी।

   (ख) टोरा ने अपनी मम्मी से तब कहा जब वह कहीं बाहर जा रही थीं।

5. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

6. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख लें।

7. – रामलाल ने बैंक का सारा **ऋण** चुका दिया।

   – बैंक में पैसा **सुरक्षित** रहता है।

   – मैंने बैंक में **खाता** खुलवाया।

   – **सरकार** हमारे धन की सुरक्षा करती है।

बात भाषा की

1. जिसको ज़रूरत हो – ज़रूरतमंद

जिसके पास हुनर हो – हुनरबाज़, हुनरमंद

जिसके पास अक्ल हो – अक्लमंद

जिसके पास किराए का घर है – किराएदार

2. (क) बैंक में रुपये **जमा** किए जाते हैं।
   ठंड के कारण पानी **जमा** हुआ था।

   (ख) बैंक लोगों का **खाता** खोलता है।
   रवीश बहुत अधिक **खाता** है।

   (ग) कुणाल ने पत्र **भेजा** था।
   ऋण का ब्याज जानकर उसका **भेजा** खराब हो गया।

3. आगत शब्द – बैंक, पासबुक, लॉकर, ज़माना, मालूम, प्लीज़, नोट, खातेदार, दर्ज़, बाकी, हज़ार, सिर्फ़, आदमी, ज़मीन, असली, ड्राफ़्ट।

4. रुपया – रुपये
   गहना – गहने
   पैसा – पैसे
   सिक्का – सिक्के
   पेटी – पेटियाँ
   लकड़ी – लकड़ियाँ

श्रवण-कौशल

1. 1970 ई० में
2. बैंक ऑफ़ हिंदुस्तान
3. बैंक ऑफ़ बॉम्बे, बैंक ऑफ़ मद्रास
4. 1955 ई० में

15. जब मैं पढ़ता था

बोलकर बताइए

(क) गांधी के पिता का नाम करमचंद गांधी था।

(ख) गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था।

(ग) बचपन में उन्होंने 'सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र' नाटक देखा।

(घ) सातवीं कक्षा के छात्रों के लिए कसरत करना और क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया गया था।

लिखकर बताइए

1. (क) 'सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र' नाटक देखने के कारण गांधी जी ने तय कर लिया कि वे कभी भी झूठ नहीं बोलेंगे। इसके लिए चाहे जितना दुख उठाना पड़े।

   (ख) 'सुलेख' के बारे में गांधी जी का मानना था कि सुलेख अच्छा होना चाहिए। सुलेख अच्छा न होना अधूरी शिक्षा की निशानी है। इसके लिए चित्रकला सीखनी चाहिए।

   (ग) प्रतिदिन सैर करने से गांधी जी का स्वास्थ्य अच्छा हो गया। उनका शरीर मज़बूत हो गया।

   (घ) गांधी जी व्यायाम के लिए देर से इसलिए पहुँचे क्योंकि आसमान में बादल छाए होने के कारण उन्हें समय का सही अंदाज़ा नहीं लग सका।

2. (क) सातवीं (ख) सत्यवादी हरिश्चंद्र (ग) आचरण (घ) अपूर्ण

3. (क) 'मैं' शब्द का प्रयोग गांधी जी के लिए किया गया है।

   (ख) अपनी बात सही सिद्ध न कर पाने के कारण वे झूठे बन गए।

   (ग) 'झूठा' का विलोम है – 'सच्चा'।

   'सिद्ध' का अर्थ है – 'साबित'।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. – अध्यापक/अध्यापिका पाठ के किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – खेल विद्यार्थियों के लिए **अनिवार्य** होने चाहिए।

   – मैंने सुंदर लिखने का बहुत **प्रयत्न** किया।

   – **व्यायाम** करने से शरीर मज़बूत हो जाता है।

   – मेरे पेट में **असहनीय** दर्द हो रहा है।

बात भाषा की

1. पुरस्कार × दंड
   रुचि × अरुचि
   सावधान × असावधान
   प्रसन्न × खिन्न
   पूर्ण × अपूर्ण
   मंद × तीव्र

2. **मैंने** पुस्तकों में पढ़ा था कि खुली हवा में घूमना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह बात **मुझे** अच्छी लगी और तभी से **मैंने** सैर करने की आदत डाल ली। इससे **मेरा** शरीर मज़बूत हो गया। एक भूल की सज़ा **मैं** आज तक पा रहा हूँ। लिखाई में अच्छे अक्षर होने की ज़रूरत नहीं, यह गलत विचार **मेरे** मन में बैठ गया। यदि कोई भूल होती तो **मेरी** आँखों में आँसू आ जाते।

3. 1. सत्यवादी 2. कायर 3. अनावश्यक 4. अभिमान 5. प्रिय 6. आचरण

बात कल्पना की

मैं एक पक्षी हूँ। आसमान में उड़ती हूँ। पेड़ों पर घोंसला बनाती हूँ। अपना घोंसला अपनी मेहनत से बनाती हूँ। धागा, सुतली, रुई, तिनके स्वयं ही इकट्ठा करती हूँ। इसी में मैं अंडे भी देती हूँ। अंडे सेने पर बाद में चूज़े निकलते हैं। वही बया बन जाते हैं। जब उनके पंखों में ताकत आ जाती है, तब वे उड़ जाते हैं।

बात सूझ-बूझ की

विद्यार्थी अपने अनुसार लिखेंगे।

श्रवण-कौशल

(क) गांधी जी दक्षिणी अफ्रीका में वकालत करते थे।

(ख) गांधी जी को डरबन से प्रिटोरिया जाना था।

(ग) उन्हें रेल के पहले दर्ज़े का टिकट मिला।

(घ) थोड़ी देर बार डिब्बे में एक अंग्रेज़ आया।

(ङ) गोरे सिपाहियों ने गांधी जी को डिब्बे से उतरने के लिए कहा।

16. कितने दो हैं?

बोलकर बताइए

(क) कवि उन्हें गिनकर देखने को कह रहा है जो दो हैं।

(ख) कान लाखों आवाज़ें सुनते हैं।

(ग) दिल, प्राण, आकाश, सूरज और हिंदुस्तान एक है।

(घ) भागने का काम एड़िया करती हैं।

(ङ) कविता विद्यार्थी याद करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) शरीर में दो हैं—आँख, भौंह, नथुने, होंठ, कान, हथेली, एड़ी, अँगूठा, कलाई, टाँग, घुटना एवं तलवा।

(ख) आँख – देखने का　　होंठ – बोलने का

पैर – चलने का　　कान – सुनने का

टखना – चलना-फिरना　　उठना – बैठना

(ग) कविता के अंत में कवि ने दिल, आकाश, प्राण, सूरज, ज़मीन और हिंदुस्तान को एक कहा है।

2. **भाषाएँ** हैं **सैंकड़ों** लेकिन,
बोलनेवाले **होंठ** तो **दो** हैं।
लाखों **आवाज़ें सुनते** हैं,
सुननेवाले कान तो **दो** हैं।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. – नाक **खुशबू लेती** है।
– हमारे पैरों के **दो घुटने** हैं।
– हमें **शरीर** को स्वस्थ रखना चाहिए।
– हमें किसी को **तमाचा** नहीं मारना चाहिए।

बात भाषा की

1. उठना, बैठना, चलना, फिरना, भागना, बोलना, सुनना, गिनना, देखना।

2. (क) दूर　　(ख) गरमी　　(ग) धीरे
(घ) अन्याय　　(ङ) आलसी

3. बाहें – बाँह　　कलाई – कलाइयाँ
आँखें – आँख　　एड़ी – एड़िया
घुटने – घुटना　　मुट्ठी – मुट्ठियाँ

4. (क) राजू के पैरों में पट्टियाँ बँधी थीं।
(ख) मीरा की हथेलियों पर मेंहदी लगी थी।
(ग) भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं।

निर्देश– 'बात कल्पना की' और 'बात सूझ-बूझ की' विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पूर्व मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) सेनापति को काज़ी पर भरोसा था।

   (ख) पवन ने कार रोककर मनन को अस्पताल पहुँचाकर उसकी सहायता की।

   (ग) सैनिकों में जोश इसलिए भर गया क्योंकि सिक्का चित्त गिरा था। इससे वे समझ गए कि वे ही जीतेंगे।

   (घ) मौसम गरमी में ताड़-सा बड़ा और सरदी में सींक-सा छोटा लगता है।

   (ङ) मौसम जादू की पुड़िया की तरह रंग बदलता है।

2. घर की चिड़िया थी **पिंजरे में**,

   वन की चिड़िया **वन में**।

   मिलीं अचानक एक दिवस वे,

   थी कुछ विधि के मन में।

3. (क) बाउ अकस ने भिखरी से तब कहा जब भिखारी ने कहा कि मुझे कमज़ोर समझकर काज़ी मेरे पक्ष में ही फ़ैसला सुनाएँगे।

4. (क) राजा को बालक के करतब से **आश्चर्य** हुआ।

   (ख) चिड़िया का **पिंजरा** सोने का था।

   (ग) वर्षा के कमल का **बस्ता** भीग गया था।

   (घ) रमन दुर्घटना में **घायल** हो गया था।

5. (क) घर (ख) वन

   (ग) उदास (घ) संग

6. (क) कुरूप (ख) बुरा

7. यह किसी पार्क का दृश्य है। दो बच्चे सीसा झूला झूल रहे हैं। एक स्त्री टहल रही है। एक पुरुष भी तेज़ कदमों से टहल रहा है। एक लड़की झूला झूल रही है। दो बच्चे रंग-बिरंगी तितलियाँ पकड़ना चाहते हैं। फूल खिले हैं। हरी-भरी घास पर मधुमक्खी बैठी है। दादा जी बेंच पर बैठकर ऐनक लगाए अखबार पढ़ रहे हैं। सूर्योदय हो चुका है। सभी बहुत खुश हैं।

मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) सुलेख के बारे में गांधी जी का मानना था कि बिना सुलेख के शिक्षा अधूरी लगती है। इसके लिए चित्रकला सीखनी चाहिए।

   (ख) अरुण और वरुण ने ट्रीहाउस की रस्सियों से बदमाशों को बाँध दिया। इसके बाद अपने दादा जी को बताया। उनके दादा जी ने वन अधिकारी को बुलाकर बदमाशों को पकड़वा दिया।

   (ग) माँ अपने बच्चे के लिए खाना बनाती है। उसे दूध पिलाती है। सुलाती है। ऐसे बहुत से कार्य करती है।

   (घ) जब राजा शिकार पर निकले तो हाथी सामने से आ गया। उसे देखते ही राजा झोंपड़ी में छिप गया। हाथी झोंपड़ी भी उजाड़ने लगा, तब राजा दीवार कूदकर भागा।

   (ङ) बोलत वाला आदमी पेड़-पौधों पर मिट्टी का तेल छिड़क रहा था।

2. (क) ढिंढोरा (ख) सातवीं

   (ग) तलाश (घ) आचरण

   (ङ) अपूर्ण

3. (क) समय तेज़ गति से चलता है।

   (ख) हाँ, समय को बीतते देखा जा सकता है।

   (ग) समय दोबारा लौटकर नहीं आता।

4. (क) माँ अपने बच्चे को **थपकी** देकर सुला देती है।

   (ख) **मस्तक** पर तिलक लगाया जाता है।

   (ग) उसके शरीर में **असहनीय** पीड़ा थी।

   (घ) मैं रोज़ **व्यायाम** करता हूँ।

   (ङ) राष्ट्रपति ने बहादुर बच्चों को **पुरस्कार** दिया।

5. (क) ऐसा लगता है कि मन के आँगन में माँ खड़ी है।

   (ख) मैं माँ की ही परछाईं हूँ।

6. (क) सहयोग (ख) शक्ति (ग) जननी

7. (क) निराशा (ख) बाहर (ग) जन्म

8. (क) यातना – य् + आ + त् + अ + न् + आ

(ख) झाऊवन – झ् + आ + ऊ + व् + अ + न् + अ

(ग) बहादुरी – ब् + अ + ह् + आ + द् + उ + र् + ई

(घ) उम्मीद – उ + म् + म् + ई + द् + अ

(ङ) पुरस्कार – प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ

उत्तर मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) बाउ अकस के राज्य में बारह काज़ी थे।

(ख) मुल्ला नसरुद्दीन ने विद्वान के अंतिम प्रश्न का उत्तर दिया कि विद्वान की दाढ़ी में उतने ही बाल हैं जितने कि हमारे गधे की पूँछ में हैं।

(ग) मधुमक्खी उपयोगी जीव है क्योंकि वह अपना कार्य स्वयं करती है। फूलों से पराग लाकर छत्ते में रखती है और मधु बनाती है।

(घ) यात्रा के दूसरे दिन लक्ष्य ने गरुड़ताल, भीमताल और हनुमान गढ़ी देखा। गरुड़ताल के चारों ओर लीची और खुमानी के पेड़ देखे। भीमताल में खिले कमल भी देखे।

2. धरती **सुबह-सुबह छप्पर** से,

लगी **ज़ोर से** लड़ने।

उसकी **ऊँचाई** से **चिढ़कर**,

उस पर **लगी अकड़ने**।

3. (क) में (ख) से (ग) धीरे

(घ) गरमी (ङ) दूर

4. (क) कान सुनने का काम करते हैं।

(ख) हमारे शरीर में दो पैर होते हैं।

(ग) आँख देखने का कार्य करती है।

(घ) टखने भी तो दो ही होते हैं।

(ङ) होंठ भी दो ही होते हैं।

5. (क) छोटे पंख

(ख) पतला रस

(ग) रंग-बिरंगे फूल

(घ) रानी मक्खी

(ङ) स्वादिष्ट मधु

6. (क) राजा को अपने मंत्री पर पूरा **विश्वास** था।

(ख) राजा के दरबारी **उलझन** में पड़ गए।

(ग) मधुमक्खी **उपयोगी** जीव है।

(घ) मेरी **त्वचा** पर खरोंच आ गई।

(ङ) वह कहानी **रोचक** थी।

7. (क) गहराई (ख) सुंदरता (ग) हरियाली

(घ) गरमाहट (ङ) चौड़ाई

8. प्रिय सखी

मधुर स्मृति

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि 20-04-20xx को मेरा जन्मदिन है। इस बार तो इस दिन रविवार भी है। सभी लोग उपस्थित रहेंगे। बहुत सारे आयोजन होंगे, अलग-अलग तरह के व्यंजन भी बनेंगे। मेरे लिए तो यह सब तब तक आनंददायक नहीं रहेगा जब तक तुम नहीं आओगी। रविवार के दिन तो छुट्टी भी रहती है, इसलिए तुम्हें ज़रूर आना है। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूँगी। शेष मिलने पर।

आपकी सहेली
सुरंजना अग्निहोत्री

9. यह सुबह के समय, पार्क का दृश्य है। लोग पार्क में टहल रहे हैं। बच्चे गेंद खेल रहे हैं। दो वरिष्ठ नागरिक भी टहल रहे हैं। एक महिला अपने डॉगी के साथ पार्क में टहल रही है। लगता है अभी बहुत सुबह है क्योंकि सूर्योदय भी नहीं हुआ है। हरी-भरी घास और पेड़ बहुत सुंदर लग रहे हैं।

1. बच्चे मन के सच्चे

बोलकर बताइए

(क) बच्चे सभी को प्यारे लगते हैं।

(ख) बच्चों का तन कोमल और मन सुंदर होता है।

(ग) इंसाँ तब तक सच्चा है जब तक वह बच्चा है।

(घ) गीत स्मरण एवं वाचन विद्यार्थी स्वयं करेंगे। शिक्षक/शिक्षिका द्वारा अपेक्षित सुझाव दिया जाना चाहिए।

लिखकर बताइए

1. (क) बच्चे रूठने पर स्वयं मान जाते हैं। जल्दी ही दोस्त बन जाते हैं। इसकी किसी से भी दुश्मनी नहीं होती।

   (ख) बड़े होने पर बच्चों के मन पर झूठ का मैल चढ़ जाता है। उनमें क्रोध और लालच बढ़ने लगता है। उनमें नफ़रत और जाति-पाँति की भावना भी आने लगती है।

2. खुद रूठें, खुद **मन जाएँ**
   फिर हमजोली बन जाएँ
   झगड़ा जिसके साथ करें,
   अगले ही पल फिर बात करें
   इनको किसी से बैर नहीं
   इनके लिए कोई गैर नहीं
   इनका भोलापन **मिलता है**,
   सबको बाँह पसारे।

3. – **क्रोध** मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।
   – **बचपन** बहुत प्यारा होता है।
   – बच्चे शीघ्र ही **हमजोली** बन जाते हैं।
   – बच्चों का तन **कोमल** होता है।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात भाषा की

1. – आँख के तारे – लगते प्यारे – सुंदर है – बेहतर है
   – मन जाएँ – बन जाएँ – बैर नहीं – गैर नहीं
   – छूत और छात नहीं – जात और पात नहीं – साथ करें – बात करें
2. सच्चे – झूठे भगवान – शैतान बचपन – बुढ़ापा
   क्रोध – प्रेम नफ़रत – प्यार गैर – अपना
3. मित्र – हमजोली मुलायम – कोमल शरीर – तन
   जाति – जात दुश्मनी – बैर संसार – जग
4. बात – बातें बच्चा – बच्चे नज़र – नज़रें
   सच्चा – सच्चे बाँह – बाहें प्यारा – प्यारे
   आँख – आँखें रास्ता – रास्ते

बात कल्पना की

मैं सबसे छोटी रहना चाहती हूँ क्योंकि बड़ी होने पर मुझे इतनी स्वतंत्रता नहीं मिलेगी। अभी तो मैं देर तक सोती हूँ। रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर खेलती रहती हूँ। जब भी ज़िद करती हूँ तो मेरी इच्छा के अनुसार मेरे लिए सामान खरीद दिया जाता है। दादा-दादी, मम्मी-पापा मुझे बहुत प्यार करते हैं। कभी-कभी स्कूल न जाकर उपवन में खेलती रहती हूँ। डाँट खाकर भी चुप रहती हूँ, फिर अपने मन का काम करने लगती हूँ। ऐसी मौज-मस्ती बड़ी होने पर नहीं हो सकती। इसलिए मैं छोटी ही रहना चाहती हूँ।

खेल-खेल में सीखो

विद्यार्थी यूट्यूब पर गीत खोजेंगे। कुछ अन्य बाल कविताओं के लिए *sahityacharulekh.blogspot.com* पर *search* कर सकते हैं।

2. योग का कमाल

बोलकर बताइए

(क) माधव दिन-रात साइकिल दौड़ जीतने का सपना देखता था।

(ख) माधव तीन वर्षों से प्रतियोगिता में भाग ले रहा था।

(ग) उसकी कॉलोनी में कोई-न-कोई अपने क्षेत्र का चैंपियन था।

(घ) माधव की माँ ने उसे पवनमुक्तासन, गरुड़ासन और सर्वांगासन करने सिखाए।

लिखकर बताइए

1. (क) माधव परिश्रमी था। वह साइकिल रेस जीतना चाहता था। पिछले तीन साल से वह प्रतियोगिता में भाग ले रहा था। इस बार सफल होने के लिए वह दिन-रात परिश्रम कर रहा था।

   (ख) अतीत की पराजय ने माधव को किसी को दोष न देने की बात सिखाई। उसने निश्चित किया कि वह हार जाने पर भी दुखी नहीं होगा। इसकी पूरी ज़िम्मेदारी लेगा। वह सड़क, बुखार या किसी और को दोष नहीं देगा।

   (ग) योग आसन करने से माधव को बहुत लाभ हुआ। उसके पैरों का दर्द भी कम होने लगा। वह अच्छी तरह साइकिल रेस का अभ्यास भी करने लगा।

   (घ) प्रतियोगिता में भाग लेते समय उसने निश्चय किया कि वह परिणाम को लेकर वह कभी नहीं होगा। ऐसा करके कभी दूसरों की नज़रों में स्वयं का अपमान नहीं करेगा।

   (ङ) विजयी घोषित किए जाने पर माधव शांत रहा। वह न उछला, न कूदा और न ही चिल्लाया। उसके इस व्यवहार की बहुत प्रशंसा हुई।

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

3. (क) शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

बात भाषा की

1. प्र + गाढ़ = प्रगाढ़ | प्र + गति = प्रगति
   आत्म + बोध = आत्मबोध | अनु + सरण = अनुसरण
   अनु + रोध = अनुरोध | आत्म + ग्लानि = आत्मग्लानि

2. (क) आत्मविश्वास (ख) निरंतर
   (ग) योगाभ्यास (घ) शिक्षक

3. क्ष – क्षमा, क्षण | ज्ञ – ज्ञान, ज्ञात
   त्र – त्रिभुज, त्रिफला | श्र – श्रम, श्रवण

4. (क) राजा जंगल की **ओर** चल पड़ा।
   (ख) निखिल **और** नीरज गहरे मित्र हैं।

(ग) माता और पिता बच्चे की **ओर** ध्यान नहीं दे रहे थे।

(घ) अध्यापक ने कक्षा की **ओर** ध्यान दिया **और** देखा कि छात्र चुपचाप पढ़ रहे हैं।

बात कल्पना की

जब मैंने कक्षा प्रतियोगिता में भाग लिया तो बहुत आनंद आया। मेरे साथ कुल 25 लोगों ने भाग लिया। सभी को अपनी लिखी कविता सुनानी थी। कुछ बच्चे दूसरों की कविता सुना रहे थे। गुरु जी चुपचाप सुन रहे थे। सभी तालियाँ भी बजा रहे थे। जब मैंने अपनी कविता पढ़ी तो गुरु जी ने ताली नहीं बजाई। मुझे लगा कि मेरी कविता अच्छी नहीं है। यह मैंने स्वयं ही लिखी थी। तभी अचानक गुरु जी कुरसी से उठे और मुझे शाबाशी देते हुए बोले–"शाबाश! अमन, तुमने तो कमाल कर दिया। तुमने अपनी लिखी कविता सुनाई।" मुझे पुरस्कार भी मिला। पुरस्कार में मिली डायरी और कलम के साथ पाँच सौ रुपये लेकर मैं झूमता हुआ घर आ गया। उस दिन मैं बहुत खुश था।

श्रवण-कौशल

रहस्य, भोजन, प्राण, कहना, स्वस्थ, पौष्टिक, सब्ज़ी, जान, अनजान, तन, स्वस्थ, भोजन, तनाव, कूदोगे, हँसोगे।

बात सूझ-बूझ की

– योग करने से हमें खुद पर नियंत्रण रखना नहीं आता। (✗)

– योग करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। (✓)

– योग करने से खाने के प्रति रुचि बढ़ जाती है और आप उचित मात्रा में खाना खाने लगते हैं। (✓)

– योग करने से आपको अच्छी नींद आती है। (✓)

– योग करने से दर्द को सहन करने की क्षमता बढ़ती है। (✓)

– इसके द्वारा साँस लेने की सही क्रिया आती है और तनाव कम होता है। (✓)

3. भूकंप

बोलकर बताइए

(क) बच्चों ने पिता से दस-दस रुपये माँगे।

(ख) स्कूल में भूकंप पीड़ितों की मदद के बारे में चर्चा हो रही थी।

(ग) भूकंप की तीव्रता मापने वाले यंत्र को 'सीस्मोग्राफ्स' कहा जाता है।

(घ) समीरा ने विवेक को इसलिए बुद्धू कहा क्योंकि उसे लगता था कि भूकंप कोई भूत होता है।

लिखकर बताइए

1. (क) पर्वत शृंखलाओं से चट्टानों के गिरने या विशाल गुफाओं की छतों के एकाएक नीचे गिरने से भी भूकंप आते हैं। ज्वालामुखी पर्वतों से लावा फूटने के कारण भी भूकंप आते हैं।

   (ख) पिता ने समीरा और विवेक को समझाते हुए कहा कि जब तुम तालाब में कंकड़ फेंकते हो तो उसके प्रभाव क्षेत्र में तरंगे उठती हैं। इसी तरह जब ज़मीन के भीतर चट्टान या उसका कोई भाग टूटता या खिसकता है तो भूकंप आ जाता है।

   (ग) पहाड़ टूटने, लावा आने, चट्टान खिसकने एवं ज्वालामुखी फटने के कारण भूकंप आते हैं। पर्वतों की उत्पत्ति के कारण बड़े-बड़े भूभागों के पर्वतों से टकराने के कारण उथल-पुथल होती है। यह भूकंप का कारण बनता है।

   (घ) भूकंप के समय बचाव के लिए हमें आसमान के नीचे आना चाहिए। यदि एकाएक घर से बाहर खुले में आना संभव न हो तो मेज़, पलंग के नीचे या कमरे के किसी कोने में अथवा दरवाज़े से सटकर खड़े हो जाना चाहिए।

2. (क) भूकंप आने से धरती **काँपने** लगती है।

   (ख) मैंने मछली वाले तालाब में **कंकड़** फेंके थे।

   (ग) दो **ज्वालामुखी** पर्वतों से **लावा** फूटने के कारण भी भूकंप आते हैं।

   (घ) **वैज्ञानिकों** को भूकंप का पूर्वानुमान लगाने में सफलता नहीं मिली है।

3. (क) समीरा ने पिता से कहा (ख) विवेक ने पिता से कहा

4. शब्द-लेखन का कार्य विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात भाषा की

1. साफ़ – स्वच्छ
   आवाज़ – ध्वनि
   रक्षा – बचाव
   काँपना – हिलना
   कोशिश – प्रयास
   तेज़ी – तीव्रता
   असर – प्रभाव
   अचानक – एकाएक

2. तीव्रता – तीव्र + ता
   स्वतंत्रता – स्व + तंत्र + ता
   अधिकतर – अधिक + तर
   उत्सुकता – उत्सुक + ता
   पराधीन – पर + अधीन
   एकाएक – एक + एक

3. असाधारण, असफल, अस्पष्ट, अदृश्य, अविश्वास, अभाव

4. (क) के बिना (ख) की ओर

(ग) के पास (घ) के सामने

(ङ) के बाद

बात कल्पना की

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

26-04-20xx

आदरणीय नाना जी

सादर प्रणाम

मैं यहाँ रहकर आपकी कुशलता के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूँ। नाना जी परसों यहाँ सुबह 5:24 मिनट पर भूकंप आया। मम्मी-पापा तो बिस्तर छोड़ चुके थे। मैं सो रहा था। मुझे पता ही नहीं चला। जब जागा तो सभी आपस में चर्चा कर रहे थे। टी०वी० पर समाचार आ रहा था। चूँकि इसकी गति कम थी, इसलिए नुकसान नहीं हुआ। चिंता की कोई बात नहीं। गरमी की छुट्टियों में आऊँगा तो आपसे ढेर सारी बातें करूँगा।

आपका नाती

शशांक श्रीवास्तव

4. सच्चा मित्र

बोलकर बताइए

(क) सच्चे मित्र के मन में पावन गंगा बहती है।

(ख) सच्चे मित्र की भाषा सीधी और सरल होती है।

(ग) सच्चा मित्र दीन-दुखी और स्वजनों को गले लगाता है।

(घ) सच्चे मित्र का मन निष्कपट होता है।

(ङ) विद्यार्थी कविता याद करके स्वयं सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) सच्चा मित्र वही **होता, अवसर पर काम जो आता।**

अपने हित की सोच कभी न, मित्र का साथ निभाता।

सीधी सरल और सच्ची होती जिसकी भाषा।

औरों को प्रोत्साहित करता, अपना यश न गाता।।

जैसे भीतर **वैसे बाहर, कपट न रहता मन में,**

वह न रूप बदलता रहता, हर पल हर क्षण में।

दीन-दुखी स्वजनों को है, अपने गले लगाता,

सच्चा मित्र वही **होता, अवसर पर काम जो आता।।**

(ख) सच्चा मित्र हमेशा सीधी और सरल भाषा बोलता है। वह दूसरों के और अपनों के काम आता है। वह छल-कपट से दूर रहता है। अपने मन में किसी तरह का भेदभाव नहीं रखता। अपनी प्रशंसा स्वयं न करके दूसरों को प्रोत्साहित करता है। सच्चा मित्र सभी की भलाई की कामना करता है।

2. सच्चा मित्र अंदर-बाहर समान भाव से रहता है। वह मन में कपट नहीं रखता। वह हर समय अपना व्यवहार नहीं बदलता।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. (क) सच्चा मित्र हर **अवसर** पर काम आता है।

(ख) संसार के **उपवन** में सच्चे मित्र कम मिलते हैं।

(ग) सच्चे मित्र **सुमन** के समान हैं।

(घ) सच्चे मित्र सभी का **हित** चाहते हैं।

बात भाषा की

1. कल्याण – क् + अ + ल् + य् + आ + ण् + अ

कामना – क् + आ + म् + अ + न् + आ

आँगन – आँ + ग् + अ + न् + अ

उपवन – उ + प् + अ + व् + अ + न् + अ

स्वजन – स् + व् + अ + ज् + अ + न् + अ

2. सच – सच्चा | मौका – अवसर | पवित्र – पावन

कर्म – काम | भलाई – कल्याण | इच्छा – कामना

3. सुयश, सुपथ, सुगम, सुमति

4. (क) हमें समय पर सोकर **उठना** चाहिए।

   (ख) हमें जगह साफ़ कर **बैठना** चाहिए।

   (ग) दान **देना** पुण्य का कार्य है।

   (घ) हमेशा उधार **लेना** अच्छी बात नहीं है।

बात कल्पना की

मेरे मित्र का नाम प्रतीश है। वह बहुत सरल स्वभाव का है। लोगों की मदद करना उसके स्वभाव में है। उससे जो कार्य नहीं हो सकता उसे साफ़ मना कर देता है। उसका मानना है कि किसी को अँधेरे में नहीं रखना चाहिए। किसी के प्रति भी उसके मन में छल-प्रपंच की भावना नहीं रहती। वह दूसरों के लिए बहुत गंभीरता से सोचता है। प्रतीश दूसरों की खुशी के अवसरों पर चाहे न पहुँच सके, लेकिन दुख में ज़रूर मदद करता है। मुझे अपने इस मित्र पर गर्व है।

5. परीक्षा

बोलकर बताइए

(क) नागार्जुन भारत के एक प्रसिद्ध रसायनशास्त्री थे।

(ख) एक दिन नागार्जुन ने राजा से कहा कि महाराज मुझे एक सहायक चाहिए।

(ग) नागार्जुन ने दोनों युवकों को रसायन तैयार करने और घर जाने से पहले पूरे राजमार्ग को पार करने के लिए कहा।

(घ) युवक ने स्वयं को अपराधी इसलिए कहा क्योंकि वह रसायन नहीं बना सका था।

लिखकर बताइए

1. (क) नागार्जुन ने युवकों को राजमार्ग पार करने के लिए इसलिए कहा ताकि उन्हें यह समझने में आसानी हो कि पेड़ के नीचे पड़े बीमार आदमी के प्रति दोनों कैसा व्यवहार करते हैं।

   (ख) पहले युवक का मुख इसलिए चमक रहा था क्योंकि उसने रसायन तैयार कर लिया था। दूसरे का चेहरा इसलिए उतरा हुआ था क्योंकि वह रसायन तैयार नहीं कर सका था।

   (ग) दूसरे युवक ने बताया कि वह बीमार व्यक्ति की सेवा करता रहा। इसके कारण उसे रसायन तैयार करने का समय ही नहीं मिला।

(घ) नागार्जुन ने अपना सहायक उस युवक को बनाया जो रसायन तैयार नहीं कर सका था। इसका कारण यह था कि वह बीमार व्यक्ति की सेवा कर रहा था। नागार्जुन को लगा कि सच्चा चिकित्सक सेवक होना चाहिए।

2. (क) नागार्जुन ने उसके बनाए **रसायन** की जाँच की।

(ख) पेड़ के नीचे एक **बीमार** आदमी पड़ा है।

(ग) घर जाने से पहले पूरे **राजमार्ग** को पार करना।

(घ) उनका **नाम** दूर-दूर तक फैल गया था।

(ङ) राजा ने नागार्जुन की **परख** की प्रशंसा की।

3. (क) नागार्जुन ने राजा से कहा।

(ख) दोनों युवकों ने नागार्जुन से कहा।

(ग) नागार्जुन ने राजा से कहा।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. पाठ में आए कठिन शब्दों के साथ अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक-दो अनुच्छेदों का श्रुतलेख लें।

बात भाषा की

1. उदास – दुखी दानव – देवता वृद्ध – युवा
निरपराध – अपराधी अयोग्य – योग्य साध्य – असाध्य

2. (क) इसलिए (ख) कि/और
(ग) और (घ) परंतु

3. (क) दोनों आचार्य के पैर छूकर **विदा हो गए**।

(ख) नागार्जुन ने दोनों को एक-एक पदार्थ **दिया**।

(ग) दो युवक द्वार पर **आकर खड़े हो गए**।

(घ) मैं उसी की सेवा में **उलझा रह गया**।

(ङ) नागार्जुन चक्कर में **पड़ गए**।

बात कल्पना की

सड़क पर एक पत्थर पड़ा हुआ था। लोग उसे बिना हटाए ही पास से आते-जाते रहते थे। रात में कभी-कभी किसी को चोट भी लग जाती थी, परंतु कोई भी ध्यान नहीं देता था। मेहुल भी ऐसा ही

करता था। एक दिन उसे ज़ोर से ठोकर लगी। उसे बहुत दर्द हुआ। वह पत्थर को हटाना चाहता था, लेकिन वह उसे उठा नहीं पा रहा था। पत्थर बहुत भारी था। फिर भी उसने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उसे खिसकाता रहा। अब पत्थर रास्ते से हट गया। सभी लोग मेहुल की प्रशंसा करने लगे। मेहुल ने इतना ही कहा कि उसने अपना कर्तव्य पूरा किया है।

6. जब मैंने खरगोश पाला

बोलकर बताइए

(क) फत्तू लेखक के घर का नौकर था।

(ख) खरगोश ने पाँच बच्चे दिए।

(ग) पाठ के लेखक का नाम है–'देवेंद्र सत्यार्थी'।

(घ) लेखक ने पिंजरा ठठेरे के लड़कों से बनवाया।

लिखकर बताइए

1. (क) लेखक ने खरगोश का जोड़ा लाकर उसे पिंजरे में रखा। लेखक ने यह पिंजरा घरवालों से बचाकर पशुओं के बाड़े में रखा था।

   (ख) लेखक के खरगोश अभी लाल और बिना बालों वाले थे। आठ-दस दिनों बाद उन पर सफ़ेद बाल आ गए। वे लकड़ी पर दाँत आजमाने के बाद कपड़ों की तलाश करते, उन्हें कुछ ऐसा चाहिए था जिन पर उनके दाँत चल सकें।

   (ग) एक दिन स्कूल जाने की जल्दी में लेखक ने पिंजरा खुला छोड़ दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि एक कुत्ते ने मौका पाकर दो खरगोशों को मार डाला।

   (घ) प्रार्थना करते समय लेखक को ऐसा लगता था कि खरगोश के बच्चे भी कीं-कीं करके प्रार्थना गा रहे हैं।

2. (क) लेखक ने फत्तू से तब कहा जब वह फत्तू का दोस्त बन गया था।

   (ख) लेखक के पिता ने उसकी माँ से तब कहा जब वह हमेशा खरगोश के साथ खेलता रहता था।

3. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

4. – बच्चे पार्क में **ऊधम** मचाते रहते हैं।

   – देश की सुरक्षा को **खतरा** था।

– मुझे अपने **बचपन** के दिन याद आए।

– मुझे चोट लगने का **समाचार** सुनकर पिता जी दुखी हो गए।

बात भाषा की

1. (क) खत (ख) रसखान
   (ग) शताब्दी (घ) गोरखपुर
2. पिंजरा – पुल्लिंग डर – पुल्लिंग
   दुनिया – स्त्रीलिंग पशु – पुल्लिंग
   समाचार – पुल्लिंग पीठ – स्त्रीलिंग
   जंगल – पुल्लिंग मदद – स्त्रीलिंग
3. (क) आपकी (ख) उनके
   (ग) वह (घ) मैं
   (ङ) मैंने

बात कल्पना की

426-ए,
स्वर्ण बाजार,
अमारी, बस्ती
आदरणीय नाना जी
सादर प्रणाम
मैं यहाँ कुशलपूर्वक रहकर आशा करती हूँ कि आप लोग भी सकुशल होंगे। नाना जी, पिछले महीने मैंने शीशे से बना एक मछली घर खरीदा था। उसमें रंग-बिरंगी मछलियाँ भी पाली थीं। शुरू में तो ठीक था। बाद में जब कुछ मछली बड़ी हुईं तो उन्होंने छोटी मछलियों को खाना शुरू कर दिया। यह देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। अतः मैंने सभी मछलियों को नदी में छोड़ दिया। अब मैं खुश हूँ। जब आप से मिलूँगी तो मछलियों के बारे में ढेर सारी बातें करूँगी।
आपकी नातिन
सीमा वर्णिका

बात सूझ-बूझ की

1. खरगोशों को जंगल में छुड़वाना सही था। जंगल में रहने वाले जीवों को कैद नहीं करना चाहिए। इससे वे बीमार होकर मर जाते हैं।

2. – क्या पशु-पक्षियों को पालना उचित है? नहीं

– क्या आप सड़क पर घूमने वाले पशुओं को भोजन देते हैं। हाँ

– क्या आप घायल पशु-पक्षी की मदद करते हैं? हाँ

– क्या पशु-पक्षी भी हमारी तरह सुख-दुख का अनुभव करते हैं। हाँ

7. डॉक्टर नीम

बोलकर बताइए

(क) स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले पेड़-पौधे हैं–नीम और तुलसी।

(ख) नीम की लकड़ी की विशेषता यह है कि इसमें घुन नहीं लगता।

(ग) नीम के फल को 'निबौरी' कहते हैं।

लिखकर बताइए

1. (क) प्रकृति को वनस्पति जगत का उपहार इसलिए बताया गया है क्योंकि इसकी सुंदरता और इसकी उपयोगिता बहुत अधिक है।

(ख) खाँसी, जुकाम, बुखार होने पर तुलसी की पत्तियों को घोंटकर पीने से आराम मिलता है। इसके पत्तों में कीटाणुओं को समाप्त करने की शक्ति होती है।

(ग) नीम की पत्तियों को चबाने से खून साफ़ होता है। इसे पानी में उबालकर पीने से चर्म-रोग दूर होता है। इसकी छाल पीसकर लगाने से घाव जल्दी भर जाते हैं। इसकी गुठलियों से तेल निकाला जाता है, जिसकी मालिस से खुजली दूर हो जाती है।

(घ) नीम की टहनी दातुन के काम आती है। इसे जलाने से मच्छर व रोगाणु भी मर जाते हैं। इसकी छाल पीसकर लगाने से फोड़े-फुँसी जल्दी ठीक होते हैं, घाव भी भर जाते हैं।

2. (क) तुलसी और नीम को **औषधि** कहा जाता है।

(ख) इसकी **गुठली** से तेल निकलता है।

(ग) कई पेड़-पौधे हमें **फल** देते हैं, तो कई **फूल**।

(घ) नीम की जड़ें मिट्टी की ऊपरी परत को **नम** रखती हैं।

(ङ) नीम के पानी से घाव धोने पर घाव के विषैले **कीटाणु** समाप्त हो जाते हैं।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – नीम और तुलसी प्रकृति के सुंदर **उपहार** हैं।

   – पानी को उबालने से **कीटाणु** मर जाते हैं।

   – प्रकृति हमारी सच्ची **सेवक** है।

   – नीम के पत्तों को उबालकर पीने से चर्म-रोग दूर हो जाते हैं।

बात भाषा की

1. अशुद्ध – शुद्ध मिठास – कड़वाहट

   प्राचीन – नवीन अनुपयोगी – उपयोगी

   कृत्रिम – स्वाभाविक हानिकारक – लाभदायक

2. फूल-फल, पाँच-सात, खाँसी-बुखार, हरा-भरा, चर्म-रोग

3. (क) इसलिए (ख) ताकि

   (ग) और (घ) कि

   (ङ) लेकिन

4. (क) तुलसी – व्यक्तिवाचक; पौधा – जातिवाचक

   (ख) नीम – व्यक्तिवाचक; गरमी, छाया – भाववाचक

   (ग) नीम – व्यक्तिवाचक; रोग – जातिवाचक

   (घ) पेड़-पौधे – जातिवाचक

   (ङ) अक्षत, निबौरी – व्यक्तिवाचक

बात कल्पना की

मोहित – दादा जी नमस्ते!

दादा जी – नमस्ते बेटा, आओ। क्या तुमने दातुन कर ली।

मोहित – आप कोई नीम का पेड़ बताएँ तो उसी से दातुन तोड़ लूँ। नीम का पेड़ फलदार और उपयोगी होता है। लोग वृक्ष क्यों नहीं लगाते?

दादा जी – बेटा, नीम की कड़वी पत्तियों से फोड़े-फुँसी ठीक हो जाते हैं। इसकी गुठली से तेल भी निकाला जाता है।

मोहित – पर नीम से क्या सभी रोग दूर हो जाते हैं?

श्रवण-कौशल

1. पलाश की लकड़ी बहुत मज़बूत होती है।
2. पलाश के फूलों का रंग लाल होता है।
3. फरवरी और मार्च के महीने के बीच पलाश फूलों से लद जाता है।
4. पलाश को 'ढाक' या 'टेसू' के नाम से भी पुकारा जाता है।
5. पलाश के पत्ते सरदी आने पर झड़ जाते हैं।

बात सूझ-बूझ की

1. पेड़े बड़े होते हैं। पौधे छोटे होते हैं।
2. – यदि हर व्यक्ति एक-एक पौधा लगाए तो प्रकृति हरी-भरी हो जाए।
   – हमारे आस-पास पेड़-पौधे न हों तो हमें ऑक्सीजन नहीं मिलेगी।

8. धरती के रक्षक

बोलकर बताइए

(क) हमारे साथ वन में हाथी और अन्य अनेक जीव-जंतु रहते हैं।

(ख) पाठ के आधार पर हमें वन्य जीवों का अस्तित्व बचाना है।

(ग) वृक्ष धरती की अमूल्य धरोहर हैं।

(घ) विद्यार्थी स्वयं याद करेंगे और कक्षा में सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) हाथी जंगल में रहता है। वह अत्याचारियों के जुल्मों को सहता है। समझदार होकर भी सरकस में रहकर कोड़े की मार सहता है और अपने करतब दिखलाता है।

   (ख) हमें प्रकृति की अमूल्य धरोहरों की रक्षा करनी है। इसके लिए जंगल के जीवों को बचाना होगा और पेड़ों को लगाना होगा।

   (ग) कवि ने यह संदेश दिया कि किसी भी तरह मूक प्राणियों को पीड़ा नहीं पहुँचानी चाहिए। उनकी रक्षा की जानी चाहिए। पेड़-पौधों को लगाकर धरती का सौंदर्य बढ़ाना चाहिए।

2. समझदार है, **सीधा भी है**,

काम हमारे आता है।

सरकस **में कोड़े खाकर**,

नूतन करतब दिखलाता है।।

मूक, प्राणियों पर हमको तो,

तरस बहुत ही आता है।

3. जीवन जीने के लिए वनों को बचाए रखना होगा। नए पौधे भी लगाने होंगे। ये वन ही तो जीवों के घर हैं। हमें किसी के घर को नहीं उजाड़ना चाहिए।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. – हमें जीवों का **अस्तित्व** बचाना होगा।

   – हमें प्रकृति के **सौंदर्य** की रक्षा करनी होगी।

   – वन्य जीव एवं प्रकृति हमारी **धरोहर** हैं।

   – हाथी सरकस में नूतन **करतब** दिखलाता है।

बात भाषा की

1. अत्याचार – ज़ुल्म दुष्ट – ज़ालिम

   प्राणी – जीव जिंदा – जीवित

   हाथी – गजराज वन – जंगल

2. (क) उनकी दुर्दशा देखकर हमारे सीने फटते हैं।

   (ख) मूक प्राणी पर मुझे बहुत तरस आता है।

   (ग) हमें तुम लोगों की बातें समझ आ गई हैं।

3. (क) मुझे सब कुछ नहीं पता है।

   (ख) शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया।

   (ग) आपने वन्य प्राणियों को क्यों नहीं बचाया।

4. (क) दुख (ख) अमीर (ग) पुरस्कार (घ) अज्ञानी (ङ) अच्छाई

बात कल्पना की

विद्यार्थी अपने अनुसार जो चित्र चिपकाएँगे उस पर आधारित विचार भी लिखेंगे।

श्रवण-कौशल

(क) सूरज ने धरती पर अपनी बेटी किरण धूप को भेजा।

(ख) उसने धरती पर हरी दूब को उगाया।

(ग) दूब को गाय ने खाया।

(घ) दादी ने दूध में जामन डालकर उसे दही बना दिया।

(ङ) दही बिलोकर माँ ने मक्खन बनाया।

9. सरकस का मज़ा

बोलकर बताइए

(क) सरकस का नाम था–'बंबई सरकस'।

(ख) बलदेव शनिवार को सरकस देखने गया।

(ग) सरकस का टिकट एक आने में आया।

(घ) गुब्बारे वाला चार आने में आसमान की सैर करा रहा था।

(ङ) बलदेव इसलिए जान बचाकर भागा, क्योंकि वह चीते से बहुत डर गया था।

लिखकर बताइए

1. (क) विज्ञापन में लिखा था कि जिस तमाशे का आप लोग भूख-प्यास छोड़कर इंतज़ार कर रहे थे, वही 'बंबई सरकस' आ गया। आइए और तमाशे का आनंद उठाइए। बड़े-बड़े खेलों के सिवा एक और खेल भी दिखाया जाएगा जो न किसी ने देखा और न सुना होगा।

   (ख) सरकस के जानवरों को देखकर बलदेव को गुस्सा इसलिए आ रहा था, क्योंकि वे बहुत कमज़ोर और बीमार लग रहे थे।

   (ग) पिंजरे से निकलकर चीता गुब्बारे पर जा बैठा। उसे देखते ही बलदेव डर गया।

   (घ) गुब्बारे पर उड़ते समय बलदेव डर गया था। उसे चीते से डर लग रहा था। चीता स्वयं भी डरा हुआ था। ऊपर जाने के बाद वह भी अपनी जान बचाना चाहता था।

2. (3) बलदेव को अफ़सोस हुआ कि गेंद छोड़कर यहाँ नाहक आया।

   (7) उसने एकदम उसका मुँह खोल दिया और गुब्बारा बड़े वेग से गिरने लगा।

   (6) ज्यों-ज्यों गुब्बारा ऊपर उठता जाता था, बलदेव के प्राण सूखते जाते थे।

(5) आखिर चीता इतना डरा कि उसके हाथ-पाँव फूल गए और वह फिसलकर उलटा नीचे गिरा।

(1) हेडमास्टर साहब ने लड़कों को वहाँ जाने की मनाही कर दी थी।

(2) वहाँ पहुँचते ही उसने एक आने का टिकट खरीदा।

(4) वह चीते को अपनी तरफ़ आता देख बेहताशा भागा।

3. (क) गुब्बारे वाले ने बलदेव से तब कहा जब वह जानवरों को देख रहा था।

(ख) बलदेव ने अपने साथियों से तब कहा जब हेडमास्टर साहब ने बच्चों को उस दिन सरकस जाने से रोका।

4. शब्द लिखने का कार्य विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. हमारे **हेडमास्टर** साहब ने होशियार बच्चों को पुरस्कार दिए।

मुझे अपनी भूल पर बहुत **अफ़सोस** हुआ।

अमन काफ़ी ऊँचाई से **दरिया** में कूद पड़ा।

सभी बच्चे देश के विकास पर **चर्चा** कर रहे थे।

बात भाषा की

1.

ज़मीन –	**धरती**	जंगल	मिट्टी	आसमान –	**आकाश**	तारे	अंतरिक्ष
आनंद –	दुख	**सुख**	सज़ा	हाथी –	**गज**	हथिनी	पहाड़
आदमी –	नवाब	लड़का	**नर**	नदी –	सागर	**दरिया**	पोखर

2. (क) वे – जो लोग खड़े थे। (ख) उसे – चीते के लिए

(ग) वे – बच्चों के लिए (घ) उसके – गुब्बारे के लिए

3. (क) एकाएक **उसे** एक बात याद आई।

(ख) **कोई उसके** साथ जाने को राज़ी न हुआ।

(ग) जैसे किसी ने **इसका** खून चूस लिया हो।

(घ) सारे शहर की दीवारों पर **उसके** पोस्टर चिपका दिए गए।

4. (क) चीते को देखते ही बलदेव के प्राण सूझ गए।

(ख) हेडमास्टर की बात सुनते ही बलदेव आपे से बाहर हो गया।

(ग) डर के मारे बलदेव के तो हाथ-पाँव फूल गए।

(घ) गुब्बारे के ऊपर जाते ही बलदेव के होश उड़ गए।

बात कल्पना की

रविवार का दिन था। नीटू ने कहा, "पापा, हमें चिड़ियाघर की सैर करनी है।" उसके पापा अगले दिन उसे चिड़ियाघर ले गए। नीटू बहुत खुश था। उसने देखा कि पिंजड़े में एक शेर बंद था। उसकी गरदन पर बड़े-बड़े बाल थे। यह बब्बर शेर था। इसके बाद वह हाथी देखने गया। दोनों हाथी बहुत ताकतवर थे। वे टहल रहे थे। कुछ दूर पर दो ज़िराफ भी थे। उनकी गरदन बहुत लंबी थी। उनके शरीर पर चित्तियाँ थीं। उन्होंने चिड़ियाघर के अन्य जानवरों को भी देखा। शाम को वे घर आ गए।

बात सूझ-बूझ की

1. (क) चीता गुब्बारे से नीचे न कूदा होता तो वह बलदेव पर हमला भी कर सकता था।

   (ख) बलदेव गुब्बारे की हवा न निकालता तो वह नीचे न आ पाता।

10. सच का प्रभाव

बोलकर बताइए

(क) विवेक कक्षा पाँच में पढ़ता था।

(ख) विवेक के घर में चार सदस्य थे।

(ग) विवेक के पिता के लिए मलिक अंकल का फ़ोन आया था।

(घ) विवेक दस रुपये का नोट ढूँढ़ रहा था।

लिखकर बताइए

1. (क) विवेक के पिता जी फ़ोन पर इसलिए बात नहीं करना चाहते थे क्योंकि उन्हें पता था कि फ़ोन पर बात करने पर उन्हें मीटिंग में जाना पड़ेगा।

   (ख) विवेक ने बताया कि उसे कक्षा में दस रुपये का नोट मिला था। उस समय सभी बच्चे जा चुके थे। इसलिए मैं नोट अपने साथ ले आया। वह उस नोट को अध्यापक को देना चाहता है, लेकिन नोट कहीं खो गया।

   (ग) विवेक की बात सुनकर अध्यापक इसलिए गद्गद हो गए क्योंकि उसने ईमानदारी दिखाई थी। असलम के रुपये मिल गए थे। विवेक अपने पिगी बैंक से रुपये लाया था।

   (घ) अध्यापक ने बच्चों को जॉर्ज वाशिंगटन के बचपन की घटना सुनाई। वे बच्चों को सत्य बोलने का महत्व समझाना चाहते थे।

2. (क) सबक (ख) हिम्मत (ग) झूठ/सच (घ) सर (ङ) नोट/बचत

3. (क) विवेक ने सक्षम से तब कहा जब सक्षम ने कहा कि भूल जाओ। कोई तुमसे नोट माँगने नहीं आएगा।

   (ख) माँ ने विवेक से कहा जब विवेक ने कहा कि दस रुपये का नोट कहीं खो गया।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – हमें प्रत्येक घटना से **सबक** लेना चाहिए।

   – हमें कभी भी झूठ न बोलने की **प्रतिज्ञा** लेनी चाहिए।

   – संकट के समय **हिम्मत** से काम लेना चाहिए।

   – अपनी भूल **स्वीकार** करना अच्छी बात है।

बात भाषा की

1. (क) प्रतिज्ञा – प् + र् + अ + त् + इ + ज् + ञ् + आ

   (ख) अध्यापक – अ + ध् + य् + आ + प् + अ + क् + अ

   (ग) स्थिति – स् + थ् + इ + त् + इ

2. (क) सबक (ख) चालाकी

   (ग) बात (घ) वायदा

3. सच × झूठ पाना × खोना

   असंभव × संभव अध्यापिका × अध्यापक

   आज × कल भय × निर्भय

4. (क) विवेक क्या ढूँढ़ रहे हो?

   (ख) अंकुर, रेखा और मनन आए हैं।

   (ग) वाह! क्या मधुर गीत था।

   (घ) तुमने वह नोट कहाँ देखा?

   (ङ) उफ़! आज बहुत गरमी है।

बात कल्पना की

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात सूझ-बूझ की

(क) विवेक नोट न उठाता तो असलम को कभी भी नोट न मिलता। विवेक को अपने पिगी बैंक से रुपये न देने होते।

(ख) मैं किसी भूखे को कुछ खरीदकर खिला देता।

11. चंद्रगुप्त का न्याय

बोलकर बताइए

(क) जनता का वास्तविक हाल जानने के लिए सम्राट वेश बदलकर रात में घूमते थे।

(ख) एक रात चोर ने पहरेदार पर हमला किया।

(ग) सम्राट द्वारा यशपाल को आठ दिन का समय दिया गया।

(घ) यदि चोर न पकड़ा जाता तो यशपाल को फाँसी होती।

लिखकर बताइए

1. (क) चंद्रगुप्त न्यायप्रिय सम्राट थे। उनके राज्य में प्रजा सुखी थी। अपराधी के लिए कड़े दंड की व्यवस्था थी।

   (ख) एक दिन गाँव में रात के समय एक चोर ने पहरेदार को घायल कर दिया।

   (ग) सम्राट ने यशपाल से चोर को तलाशने के लिए कहा। उन्होंने शर्त रखी कि यदि आठ दिनों में भी वह चोर की तलाश न कर सका तो उसे फाँसी दे दी जाएगी।

   (घ) यशपाल डर के मारे उसी गली में बैठा था जहाँ चोर ने पहरेदार को घायल किया था। अचानक उसे दीवार पर तलवार की नोक दिखाई दी। वह समझ गया कि इस तरह की तलवार राजा के पास ही है। इस तरह उसने चोर का पता लगा लिया।

2. (3) गाँव के कुछ लोग चौपाल में अलाव के पास बैठे आग ताप रहे थे।

   (2) सारे नगर में झूठी खबर फैल गई कि चोर पहरेदार को घायल करके चंपत हो गया।

   (6) मुझे इसके लिए एक रात का समय दिया जाए।

   (8) डाल दो महाराज के हाथों में हथकड़ियाँ।

   (1) पहरेदार ने 'होशियार' की आवाज़ लगाते हुए उसे ललकारा।

   (5) यदि मैं सम्राट होता, तो बतला देता कि पहरेदार को पीटकर कैसे भागा जाता है।

(7) अचानक उसे मिट्टी की दीवार में लोहे की नुकीली और चमकदार चीज़ दिखाई दी।

(4) अब सम्राट के शासन में कुछ कमज़ोरी आ गई मालूम होती है।

3. (क) राजा ने अलाव ताप रहे लोगों से तब कहा जब उन्होंने उनका नाम पूछा।

(ख) यशपाल से अपने पास बैठे लोगों से तब कहा जब किसी ने कहा कि राजा के बारे में ऐसी बातें करना ठीक नहीं है।

4. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

5. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

6. – राजा दरबारियों की **परीक्षा** लेना चाहते थे।

– चोर चोरी करके **चंपत** हो गया।

– उसने अपराधी की ओर **संकेत** किया।

– बीरबल बहुत **बुद्धिमान** मंत्री था।

बात भाषा की

1. प्रात:काल × संध्याकाल

मूर्खता × बुद्धिमानी

अनुपस्थित × उपस्थित

निरपराध × अपराधी

2. अपराध करने वाला – अपराधी

न्याय जिसे प्रिय हो – न्यायप्रिय

सेना का मुखिया – सेनापति

पहरा देने वाला – पहरेदार

3. – हमेशा **पका** हुआ भोजन ही खाना चाहिए।

– **पक्का** घर मज़बूत होता है।

– **आधी** फ़सल बर्बाद हो गई।

– **आँधी** आने पर पेड़ गिर पड़े।

4. (क) चुपचाप

(ख) चुपके-चुपके

(ग) धीरे-से

(घ) अचानक

बात कल्पना की

- कल रात किसी **व्यक्ति** ने नगर के **पहरेदार** को चोट **पहुँचाई** है। जो अभी तक **पकड़ा** नहीं गया है। जो कोई इस **संबंध** में **सूचना** देगा, उसे 500 स्वर्ण मुद्राएँ **पुरस्कार** दी जाएँगी।
- वाचन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात सूझ-बूझ की

– सम्राट चौपाल पर न जाते तो उन्हें लोगों के विचारों का पता न चलता।

– यशपाल को दीवार में तलवार की नोंक न दिखती तो उसको फाँसी होना तय था।

12. पानी रे पानी!

बोलकर बताइए

(क) खाने की छुट्टी के बाद अध्यापिका ने देखा कि कुछ नलों से पानी टपक रहा है।

(ख) श्रीमती नयना शर्मा बच्चों को पानी का महत्व समझाना चाहती थीं।

(ग) बूँद-बूँद पानी टपकने से बहुत-सा पानी बर्बाद हो सकता है।

(घ) अक्षत ने पेप्सी पीने की बात की।

लिखकर बताइए

1. (क) अध्यापिका ने पानी न मिलने का कारण यह बताया कि जनसंख्या बढ़ रही है। लोग कूड़ा-कचरा डालकर नदियों एवं तालाबों को गंदा कर रहे हैं। इसके कारण पानी की कमी हो रही है।

   (ख) अध्यापिका ने बताया कि पेप्सी पीने से प्यास शांत नहीं होती। धूप से आने पर लोग पानी पीना पसंद करते हैं। पानी पीने से ही प्यास बुझती है।

   (ग) कल-कारखानों से निकले पानी में विषैले पदार्थ होते हैं। इनसे नदियों का जल भी दूषित होता है। यह जल प्राणी जगत को बहुत हानि पहुँचाता है।

   (घ) पानी की बचत करने के लिए टोटी को खुला नहीं छोड़ना चाहिए। कपड़े, बरतन धोने के बाद जो पानी बचता है, उसे पेड़-पौधों में डालना चाहिए। कमरे को धोने की जगह उसमें पोंछा लगाना चाहिए।

2. (क) जीवन (ख) पौधों

   (ग) बाढ़/सूखा (घ) मूल्यवान

   (ङ) ब्रश/नल/मत

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – जीवन में पानी का **उपयोग** सोच-समझकर करना चाहिए।

– हमें जल की **बचत** करनी चाहिए।

– हमें पानी बचाने का **संकल्प** लेना होगा।

– भारत की **जनसंख्या** लगातार बढ़ रही है।

बात भाषा की

1. नमस्कार – अभिवादन
   सरिता – नदी
   लक्ष्य – उद्देश्य
   जल – पानी
   वस्त्र – कपड़ा
   सरोवर – तालाब
2. पेड़-पौधे
   कूड़ा-कचरा
   नहाने-धोने
   कल-कारखाने
   दौड़-भाग
   तालाब-पोखर
3. (क) घबराहट
   (ख) निराशा
   (ग) प्रसन्नता
   (घ) पीड़ा
   (ङ) घृणा

बात कल्पना की

इन चित्रों में पानी की कमी के कारणों को दर्शाया गया है। पहले चित्र में लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। वे पानी के लिए मटका लेकर लाइन में खड़े हैं। नल से बहुत कम पानी गिर रहा है। दूसरे चित्र में पानी की बर्बादी दिख रही है। मंजन करते समय भी नल खुली है। पाइप लगाकर कार धोई जा रही है। एक लड़का नहा रहा है। पानी टब से बाहर बह रहा है। इसे रोकना होगा।

श्रवण-कौशल

1. उत्तर भारत ✓
2. 13 हज़ार फीट ✓
3. ढाई हज़ार किलोमीटर ✓
4. बारह वर्ष बाद ✓
5. सुरसरि

खेल-खेल में

पोस्टर-रचना एवं नारा-लेखन का कार्य विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

13. प्रदूषण हटाओ

बोलकर बताइए

(क) प्रदूषण चार तरह का होता है–जल, वायु, मृदा एवं ध्वनि प्रदूषण।

(ख) शहरों का गंदा पानी जल को प्रदूषित करता है।

(ग) कल-कारखाने धुआँ और शोर से प्रदूषण फैला रहे हैं।

(घ) विद्यार्थी स्वयं करके सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) प्रदूषण का अर्थ है–गंदगी। प्रदूषण के दो कारण हैं–कल-कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी, धुआँ और खाद, रसायन, दवाइयाँ आदि का प्रयोग।

   (ख) जल प्रदूषण शहरों के गंदे पानी से फैलता है।

   (ग) पेड़ लगाकर, कल-कारखानों का पानी शुद्ध करके, रासायनिक पदार्थों के प्रयोग में कमी करके प्रदूषण को कम किया जा सकता है। ऐसा करके वातावरण को स्वच्छ रखा जा सकता है।

   (घ) रोग-प्रदूषण यदि संसार से मिट जाएँ तो संसार स्वर्ग बन सकता है।

2. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

3. – **प्रदूषण** को समाप्त करना ज़रूरी है।

   – हर **उपचार** करके जीवों को बचाना चाहिए।

   – बिना स्वच्छता के जीवन **संभव** नहीं है।

   – हमें पृथ्वी को **स्वर्ग** के समान बनाना चाहिए।

बात भाषा की

1. गंदा – प्रदूषित इलाज – उपचार कारखाने – मिल
   धरती – धरा मशीन – कल शक्ति – ताकत
   दुनिया – संसार देवलोक – स्वर्ग

2. अस्वस्थ × स्वस्थ नरक × स्वर्ग असंभव × संभव
   विनाश × बचाव स्वच्छ × प्रदूषित कमज़ोरी × ताकत

3. स् + व = स्वस्थ, स्वर, स्वागत

स् + थ = स्थान, स्थल, स्थिर

न् + न = अन्न, संपन्न, विपन्न

प् + य = प्यास, प्याज़, प्याला

4. कल – **मशीन** – कारखाने में बहुत-सी कलें थीं।
आने वाला या बीता दिन – वह कल आएगा।

उत्तर – **एक दिशा** – भारत के उत्तर में हिमालय है।
जवाब – प्रश्न के अनुसार ही उत्तर देना चाहिए।

पत्र – **पत्ता** – पत्र पर बैठकर चींटी किनारे पहुँच गई।
चिट्ठी – पत्र पाकर वह बहुत खुश हुआ।

कनक – **सोना** – कनक की कीमत हमेशा बढ़ती है।
धतूरा – कनक खाने वालों का दिमाग असंतुलित रहता है।

बात कल्पना की

प्रदूषण–प्रदूषण की समस्या लगातार बढ़ रही है। इसके चार प्रकार हैं–जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण एवं मिट्टी प्रदूषण। कल-कारखानों से निकलने वाला धुआँ, वायु प्रदूषण का कारण बनता है। शहरों का गंदा पानी नदियों में गिरता है। इसके कारण जल भी प्रदूषित होता जा रहा है। वाहनों, लाउडस्पीकारों से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। रासायनिक खादों एवं दवाइयों से मिट्टी प्रदूषित हो रही है। इनका स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

श्रवण-कौशल

1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

14. मछली की खेती

बोलकर बताइए

(क) मुल्ला नसीरुद्दीन को बागवानी करने का नया शौक चढ़ा था।

(ख) उस शौक के लिए उन्होंने नए-नए पौधे लगाए।

(ग) उनसे मिलने आए वज़ीर का नाम था–इम्तियाज़ शिराज़ी।

(घ) वज़ीर ने अपने नौकरों को मछली के अंडे लेने भेजा।

लिखकर बताइए

1. (क) वज़ीर ने अपने नौकर के हाथ नसीरुद्दीन के पास मछली के अंडे भिजवाए थे। उसने मुल्ला नसीरुद्दीन का मज़ाक उड़ाने के लिए ऐसा किया था।

   (ख) मुल्ला नसीरुद्दीन ने वज़ीर को सबक सिखाने के लिए एक सेर मछली मँगवाकर उसे इस तरह गाड़ दिया कि जिसे देखकर लगता था कि मछलियाँ उग रही हैं।

   (ग) वज़ीर ने नौकरों को मछली के अंडे लाने और खेतों में उन्हें बोने का आदेश दिया। परिणाम यह हुआ कि कोई लाभ नहीं हुआ। वह मूर्ख साबित हो गया।

3. (1) नए बीज मैं दे सकता हूँ, पर मुझे शक है कि आप उन्हें उगा सकेंगे?

   (7) मेरे पास एक एकड़ ज़मीन होती, तो मैं खुद यह फ़सल उसमें बो देता।

   (4) आपने जो बीज भेजे थे, उनमें अभी अंकुर फूट रहे हैं।

   (6) अपनी आँखों से देखकर विश्वास करना ही पड़ेगा।

   (3) मेरे दामाद ने कहा था, उन्हें उगाना किसी ऐरे-गैरे के बस की बात नहीं।

   (5) मछलियों के मुँह यों दिखाई दिए जैसे ज़मीन से उगकर आए हों।

   (2) आप शक न करें। मैं हर तरह के बीज बो सकता हूँ।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – किसान खेत की **निराई** कर रहा है।

   – तमाशबाज़ ने कई **चमत्कार** दिखाए।

   – चनों में **अंकुर** निकल आए।

बात भाषा की

1. क्रोध – गुस्सा सीख – सबक सहायता – मदद

   रुचि – शौक सेवक – नौकर समाचार – खबर

2. **मैं** साधारण माली नहीं हूँ। **आपने** जो बीज भेजे थे, **उनमें** अभी अंकुर **फूट** रहे हैं, पर **उन्हें** कीड़े या धूप न लगे, इसलिए **मैंने** उन पर उपले ढँक दिए हैं। **आप** कल सवेरे आकर खुद देख सकते हैं।

3. आजकल नसीरुद्दीन को बागवानी का नया-नया शौक चढ़ा था। उन्होंने अपने घर के पीछे की सारी ज़मीन खोदकर तरह-तरह के फूलों के पौधे लगाए थे।

बात कल्पना की

चित्रों के आधार पर विद्यार्थी स्वयं कहानी लिखेंगे। अकबर और बीरबल को कहानी का पात्र बनाएँगे। शिक्षिका/शिक्षक द्वारा अपेक्षित सहयोग किया जाना चाहिए।

श्रवण-कौशल

1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓

15. सौम्या की डायरी से

बोलकर बताइए

(क) ऑपेरा हाउस का नमूना जॉर्न उटज़ान ने बनाया था।

(ख) ऑस्ट्रेलिया का नाम कंगारू के साथ जुड़ा है।

(ग) ऑस्ट्रेलिया दक्षिणी गोलार्ध में है और भारत उत्तरी गोलार्ध में है।

(घ) ऑपेरा हाउस की इमारत को तैयार होने में चौदह वर्ष लगे थे।

लिखकर बताइए

1. (क) ऑस्ट्रेलिया पहुँचकर सौम्या को लगा कि वह बहुत सुंदर जगह है। सब कुछ कालीन की तरह हरा-भरा लग रहा था। पेड़-पौधे और सड़कें बहुत सुंदर थीं।

   (ख) सौम्या ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की राजधानी केनबरा में लगभग तीन लाख लोग रहते हैं। सिडनी और मेलबर्न के बीच बसा यह नगर बहुत व्यवस्थित है। यहाँ पेड़-पौधे-बाग सब बहुत सुंदर हैं। यहाँ का स्टेडियम भी बहुत सुंदर है।

   (ग) ऑस्ट्रेलिया में लोग अनेक देशों से आकर बसे हुए हैं। ये आधुनिक, हँसमुख और स्वच्छता प्रिय हैं। ये खेल प्रिय भी हैं। सैलानियों की मदद करना, इन्हें बहुत पसंद है।

   (घ) सन् 1975 में न्यू साउथ वेल्स सरकार ने विश्वभर के वास्तुकारों के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था। इसमें वास्तुकार जॉर्न उटज़ान के नमूने को चुना गया। इस नमूने को बनाने में चार साल लगे थे। पूरी इमारत को बनाने में चौदह साल लगे थे।

2. (क) सिडनी (ख) ठंड

   (ग) गरम ... स्नान (घ) तीन लाख

   (ङ) केनबरा ... राजधानी

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

4. अध्यापक/अध्यापिका पाठ से किसी एक अनुच्छेद का श्रुतलेख करवाएँ।

5. – हर वर्ष लाखों **सैलानी** भारत भ्रमण पर आते हैं।

   – कंगारू–**शावक** बहुत सुंदर दिखते हैं?

   – आसमान से सब **अद्वितीय** दिख रहा था।

   – **संग्रहालय** में बहुत-सी वस्तुएँ रखी थीं।

बात भाषा की

1. गरम – गरमी नारी – नारीत्व गंभीर – गंभीरता

   मनुष्य – मनुष्यता बीमार – बीमारी नागरिक – नागरिकता

   पशु – पशुता ऊँचा – ऊँचाई ममता – ममत्व

2. किताब – किताबें – किताबों के लिए

3. अनोखा – अनुपम गलीचा – कालीन शिशु – शावक

   नगर – शहर बेजोड़ – अद्वितीय पर्यटक – सैलानी

4. (क) वह कहाँ जा रहा है?

   (ख) आपको सिडनी कैसा लग रहा है?

   (ग) क्या तुम मुझसे बातें करना चाहती हो?

बात कल्पना की

विद्यार्थी अपने एक दिन का ब्योरा डायरी में स्वयं लिखेंगे।

श्रवण-कौशल

1. संगमरमर का बड़ा बाज़ार किशनगढ़ में है।

2. पुष्कर अजमेर से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर है।

3. पुष्कर ब्रह्मा जी के मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

4. बादशाह अकबर अपनी बेगम के साथ जाते थे।

5. अजमेर में दवाइयाँ, साबुन, जूते और टेक्सटाइल्स आदि वस्तुएँ बनती हैं।

16. दोहावली

बोलकर बताइए

(क) हमारा जीवन हीरे के समान अनमोल है।

(ख) हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए, जिससे सभी को सुख मिले।

(ग) सच्चे मित्र की पहचान विपत्ति के समय होती है।

(घ) कौए और कोयल के बीच अंतर वसंत ऋतु में चलता है।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं याद करेंगे और सुनाएँगे।

लिखकर बताइए

1. (क) फटे हुए दूध के माध्यम से रहीम ने यह समझाया है कि जीवन में व्यवहार को खराब नहीं करना चाहिए। एक बार व्यवहार खराब हो जाने पर चाहें जो करें बात पहले की तरह नहीं रह जाती।

   (ख) कबीर ने समझाया है कि न तो अधिक बोलना अच्छा है, न ही ज़रूरत से ज़्यादा चुप रहना ही ठीक है। जैसे बहुत अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं है।

   (ग) सच्चे मित्र वे नहीं होते जो केवल सुख के दिनों में ही काम आते हैं। सच्चे मित्र वे होते हैं जो विपत्ति के समय काम आते हैं।

   (घ) वसंत ऋतु आने पर कौए और कोयल की पहचान होती है। यह पहचान उनकी मधुर और कर्कश बोली के कारण हो पाती है।

2. (क) सफलता धीरे-धीरे ही मिलती है। समय से पहले मेहनत का फल भी नहीं मिलता है। जैसे माली किसी पौधे को चाहे जितना सींचे लेकिन फल तो ऋतु आने पर ही लगते हैं।

   (ख) धनी लोगों का साथ मिलने पर छोटे लोगों को त्यागना नहीं चाहिए। सबका अपना महत्व है। सुई का काम तलवार से नहीं हो सकता।

3. शब्दों का लेखन विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

बात भाषा की

1. (क) **मीठी** वाणी — **अच्छा** मित्र

   फटा दूध — **सरल** हृदय

   भला आदमी — **सुंदर** बालक

   स्वादिष्ट पकवान — **तेज़** धूप

2. सींचै – सींचना
साँचे – सच
सीतल – शीतल
अमोल – अनमोल
विपत्ति – विपत्ति
बिगरी – बिगड़ी
माखन – मक्खन
बानी – वाणी

3. गुरु, रूप, रूमाल, रूठ, घुँघरू, रुई

4. (क) अनेकता (ख) दुख
(ग) स्वाधीनता (घ) शत्रुता

बात कल्पना की

कहानी का विस्तार विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पूर्व मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) देश के लिए जीने-मरने से राष्ट्र की रक्षा होगी और हमारी स्वाधीनता भी बनी रहेगी।

(ख) सरकस के विज्ञापन में लिखा था–जिस तमाशे का इंतज़ार आप लोग भूख-प्यास छोड़कर कर रहे थे, वही 'बंबई सरकस' आ गया है। आइए और तमाशे का आनंद उठाइए। बड़े-बड़े खेलों के सिवा एक खेल और भी दिखाया जाएगा जो न किसी ने देखा, न किसी ने सुना होगा।

(ग) नीम की पत्तियों को उबालकर पीने से चर्म-रोग समाप्त हो जाते हैं। इन्हें जलाने से कीड़े-मकौड़े भी मर जाते हैं। इन्हें पीसकर लगाने से घाव जल्दी भर जाते हैं।

(घ) वन्य जीव, पेड़-पौधे आदि धरती की अमूल्य धरोहर हैं।

(ङ) हमें मूक पशुओं की रक्षा करनी है क्योंकि ये विवश हैं। ये हमारे काम भी आते हैं। हमें इनका अस्तित्व बचाना है। इनकी दुर्दशा को दूर करके हम इनकी रक्षा कर सकते हैं।

2. (क) इनको **किसी से बैर नहीं**
इनके लिए कोई गैर नहीं
इनका **भोलापन मिलता है,**
सबको बाँह पसारे।

(ख) तन **कोमल मन सुंदर है**
बच्चे **बड़ों से बेहतर हैं,**

इनमें **छूत और छात नहीं**

झूठी जात और पात नहीं।

3. – आज उसका **गला** खराब है।

– उसने गरम पानी से अपने **पैर** धोए।

– रागिनी मधुर **गीत** गाती है।

– मुझे कल बहुत **आनंद** आया।

– **संसार** बहुत विचित्र है।

4. (क) होश उड़ना – सुध-बुध खोना

(ख) प्राण सूखना – भयभीत होना

5. (क) जैसे किसी ने इसका खून चूस लिया हो।

(ख) एकाएक उसे एक बात याद आ गई।

(ग) कोई उसके साथ जाने को राज़ी न था।

मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) विवेक की बात सुनकर अध्यापक इसलिए खुश हो गए क्योंकि उसने दस रुपये का नोट खोने पर अपनी बचत से उसे वापस किया था।

(ख) वज़ीर ने अपने नौकरों को मछली के अंडे लेने भेजा।

(ग) ब्रश करते समय टोटी को बंद करके, गंदा पानी पौधों में डालकर, कमरे को पोछा से साफ़ करके पानी को बचाया जा सकता है।

(घ) अध्यापक ने बच्चों को जॉर्ज वाशिंगटन की घटना सुनाई। वे बच्चों को सच्चाई और ईमानदारी का महत्व समझाना चाहते थे।

2. (क) सच्चा मित्र वही होता, **अवसर पर काम जो आता।**

अपने हित की सोच कभी न, मित्र का साथ निभाता।

सीधी सरल और सच्ची होती है जिसकी भाषा।

औरों को प्रोत्साहित **करता, अपना यश न गाता।।**

(ख) जैसे भीतर **वैसे बाहर, कपट न रहता मन में,**

वह न रूप बदलता रहता, हर पल हर क्षण में।

दीन-दुखी स्वजनों को है, अपने गले लगाता,

सच्चा मित्र वही **होता**, **अवसर पर काम जो आता।।**

3. (1) नए बीज मैं दे सकता हूँ, पर मुझे शक है कि आप उन्हें उगा सकेंगे?

(7) मेरे पास एक एकड़ ज़मीन होती, तो मैं खुद यह फ़सल उसमें बो देता।

(4) आपने जो बीज भेजे थे, उनमें अभी अंकुर फूट रहे हैं।

(6) अपनी आँखों से देखकर विश्वास करना ही पड़ेगा।

(3) मेरे दामाद ने कहा था, उन्हें उगाना किसी ऐरे-गैरे के बस की बात नहीं।

(5) मछलियों के मुँह यों दिखाई दिए जैसे ज़मीन से उगकर आए हों।

(2) आप शक न करें। मैं हर तरह के बीज बो सकता हूँ।

4. (क) सबक (ख) हिम्मत

(ग) सर (घ) झूठ ... सच

5. – तुम्हें विवेक से **सबक** सीखना चाहिए।

– सभी बच्चों ने पढ़ने की **प्रतिज्ञा** की।

– ऐसे लग रहा था जैसे **अंकुर** उग आए हों।

– शिराजी को तो यह **चमत्कार** लग रहा था।

– **उपवन** में बहुत हरियाली थी।

6. कल्याण – क् + अ + ल् + य् + आ + ण् + अ

कामना – क् + आ + म् + अ + न् + आ

उपवन – उ + प् + अ + व् + अ + न् + अ

आँगन – आँ + ग् + अ + न् + अ

सुमन – स् + उ + म् + अ + न् + अ

7. (क) अपर्याप्त × पर्याप्त (ख) सच × झूठ

(ग) असावधानी × सावधानी (घ) इच्छा × अनिच्छा

(ङ) कमी × अधिकता

8. मौका – अवसर इच्छा – अभिलाषा

भलाई – कल्याण

9. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर मध्यावधि परीक्षा प्रश्न-पत्र

1. (क) लेखक के खरगोश सुंदर सफ़ेद बालों वाले थे। उनके कान लाल-लाल थे। वे सभी कीं-कीं करते थे। कपड़े-लकड़ी पर अपने दाँत आजमाते रहते थे।

   (ख) पक्षी चीं-चीं करते और पंख मारकर उड़ते हुए अपनी प्रसन्नता प्रकट करते थे।

   (ग) सम्राट ने यशपाल से कहा कि तुम्हें आठ दिन के अंदर ही चोर का पता लगाना है। यदि ऐसा नहीं कर सकोगे तो तुम्हें फाँसी दे दी जाएगी।

   (घ) विवेक दस रुपये का नोट ढूँढ़ रहा था।

   (ङ) जल प्रदूषण शहरों के गंदे पानी, कल-कारखानों से निकले पदार्थों एवं नदियों में कूड़ा-कचरा डालने से होता है।

2. (क) तीन लाख

   (ख) गरम ... स्नान

   (ग) केनबरा ... राजधानी

3. (क) माँ ने विवेक के पिता से तब कहा जब उन्होंने कहा कि कह दो मैं घर पर नहीं हूँ।

   (ख) सम्राट ने यशपाल को तब कहा जब उसे राजमहल में बुलाया गया।

4. (क) धनी लोगों का साथ मिलने पर छोटे लोगों को त्यागना नहीं चाहिए। सभी का अपना महत्व है। सुई का काम तलवार से नहीं हो सकता।

   (ख) मनुष्य को सोच-समझकर व्यवहार करना चाहिए क्योंकि किसी कारणवश यदि बात बिगड़ जाती है तो फिर उसे बनाना कठिन होता है; जैसे यदि एक बार दूध फट गया तो लाख कोशिश करने पर भी उसे मथकर मक्खन नहीं निकाला जा सकेगा।

5. (क) बेल – लता – लौकी की बेल ने खेत को ढँक दिया।

   – एक फल – बेल का शरबत सेहत के लिए बहुत अच्छा है।

   (ख) डाल – डालना – दूध में चीनी और छाछ में नमक डाल दिया है।

   – शाखा – पेड़ की डाल टूट गई।

   (ग) सोना – सो जाना – दिन में कम सोना चाहिए।

   – स्वर्ण – सोना महँगी धातु है।

6. (क) पानी-पानी होना – शर्मिंदा होना – चोरी पकड़े जाने पर अतुल पानी-पानी हो गया।

   (ख) हाथ बँटाना – मदद करना – पंकज अपने पिता के काम में अब हाथ बँटाने लगा है।

7. (क) अनोखा – अद्भुत

(ख) पर्यटक – सैलानी

(ग) विवरण – ब्योरा

(घ) दूषित – गंदा

(ङ) चंपत – गायब/फ़रार

निर्देश– प्रश्न सं 8 एवं 9 का उत्तर विद्यार्थी स्वयं लिखेंगे। पूर्व के पाठों के आधार पर सरल शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए।